शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के धोखेबाज फैसले को छोड़े सरकार: विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 21 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-172

मोदी और भाजपा को हराने की अंतरराष्ट्रीय साजिश का खुलासा-2

इज़राइल की कंपनी भी शामिल थी षडयंत्र में

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए किस तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर का षडयंत्र रचा, यह आप जान चुके हैं। इस षडयंत्र में अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस और उसकी संस्था ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के साथ-साथ हेनरी लुइस फाउंडेशन का नाम प्रमुखता से सामने आया है। इस षडयंत्र में शामिल इज़रइल की एक कंपनी का नाम भी सामने आया है, जो जॉर्ज सोरोस के पैसे से ही चलती है।

एसटीओसी नामक एक इज़राइली फर्म ने चैटजीपीटी का उपयोग करके भारत के लोकसभा चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश की थी। एसटीओसी ने नरेंद्र मोदी के खिलाफ माहौल बनाया और उन्हें न केवल मुस्लिम विरोधी बल्कि दलित विरोधी भी साबित करने की कोशिश की। लोकसभा चुनावों के नतीजों की घोषणा से चार दिन पहले, अंतरराष्ट्रीय संस्था ओपनएआई ने यह चौंकाने वाली जानकारी सार्वजनिक की। ओपनआई ने यह भी दावा किया कि उसने एआई मॉडल के उपयोग के माध्यम से भारतीय चुनावों में हेरफेर करने के गुप्त प्रयासों को बहुत हद तक विफल कर दिया।

ओपनएआई के खुफिया शोध के

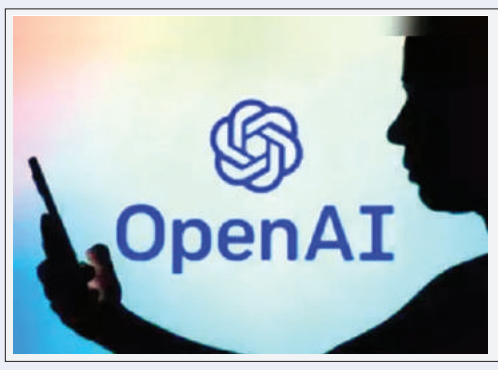

- जॉर्ज सोरोस के धन से चलती है इज़राइली कंपनी एसटीओसी
- अंतरराष्ट्रीय संस्था ओपनएआई ने किए चौंकाने वाले खुलासे

अनुसार, एक किराए की इज़राइली कंपनी ने भारत पर केंद्रित टिप्पणियां तैयार करना शुरू कर दिया, जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा पार्टी की आलोचना की गई और विपक्षी कांग्रेस पार्टी की प्रशंसा की गई। शोध के अनुसार, भारतीय चुनावों पर केंद्रित गतिविधि मई में रिपोर्ट की गई थी और इसमें कहा गया कि नेटवर्क का संचालन इज़राइल में एक राजनीतिक अभियान प्रबंधन फर्म एसटीओसी द्वारा किया गया था।

ओपनएआई ने पिछले तीन महीनों में टिप्पणियों और लेखों को तैयार करने, सोशल मीडिया व्यक्तित्व बनाने, शोध करने, कोड डीबग करने और ग्रंथों का अनुवाद करने जैसे कार्यों के लिए एआई मॉडल का उपयोग करके चुनाव प्रणाली के गुप्त प्रभाव संचालन को बाधित करने के प्रयासों पर विस्तार से बताया। ओपनआई के शोध के मुताबिक इज़राइली कंपनी ने टेलीग्राम बॉट के लिए कोड डीबग करने और चुनाव को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाली राजनीतिक टिप्पणियां गढ़ने के लिए एआई मॉडल का उपयोग किया।

एक साथ कई भाषाओं में टिप्पणियां और लेख तैयार किए और विभिन्न वेबसाइटों, समाचार पत्रों, न्यूज चैनेलों और सोशल मीडिया फोरमों पर प्रकाशित प्रसारित कराया। ओपनएई की रिपोर्ट में कहा गया कि गुप्त अभियानों के लिए सारी सामग्री इज़राइल से संचालित की गई और उसके वीडियो, टिप्पणियां और लेख यूट्यूब, एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और वेबसाइटों पर पोस्ट किए गए थे। रिपोर्ट में दावा किया गया कि मई की शुरुआत में ही इज़राइली कंपनी ने अंग्रेजी भाषा की मूल सामग्री और विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुदित सामग्रियों के साथ भारत में मतदाताओं को लक्षित करना शुरू कर दिया था। यह पर्दाफाश करने वाला ओपनएआई एक शोध संगठन है जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ▶10पर

नीट-यूजी पेपर लीक कांड

पेपर लीक का सरगना तेजस्वी यादव का नजदीकी निकला

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। नीट-यूजी पेपर लीक कांड से पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। पेपर लीक के सरगना और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नजदीकी संबंधों का खुलासा होते ही बिहार की राजनीति में भी भूचाल है। पेपर लीक कांड में तेजस्वी यादव का नाम आते ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी उनके बचाव में कूद पड़े और अपने स्वभाव के मुताबिक अनर्गल प्रलाप करने लगे। पेपर लीक कांड का सरगना सिकंदर यादवेंदु बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के पीएस प्रीतम कुमार का करीबी है। बिहार के वर्तमान उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इस बात का आधिकारिक खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि तेजस्वी यादव के पीएस प्रीतम कुमार ने ही सिकंदर के नाम से कमरे की बुकिंग के लिए बार-

- तेजस्वी के पीएस ने ही बुक कराया था गेस्ट हाउस
- गेस्ट हाउस से ही पकड़े गए सरगना के दो रिश्तेदार
- सरगना के साथी अमित आनंद ने कबूल लिया गुनाह
- तेजस्वी यादव चुप, बचाव में बोलने लगे राहुल गांधी

बार कॉल किया था। उसी ने मंत्री जी यानी तेजस्वी यादव के नाम से बुकिंग कराई थी। तेजस्वी यादव पहले मंत्री रहे हैं, इसलिए अनुराग नाम के अभ्यर्थी के लिए जो कमरा बुक किया गया था, उसकी बुकिंग के आगे ब्रैकेट में (मंत्री जी) लिखा है। इस बीच, नीट पेपर लीक घोटाले के अभियुक्तों ने स्वीकार किया है कि उन्होंने प्रत्येक अभ्यर्थी से 30-40 लाख रुपए की डील की थी।

उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने गेस्ट हाउस की बुकिंग के लिए तेजस्वी यादव के पीएस प्रीतम कुमार और पथ निर्माण विभाग के पदाधिकारी प्रदीप कुमार के बीच हुई बातचीत का रिकॉर्ड भी सामने रखा। उन्होंने मीडिया कर्मियों से कहा, एक मई को तेजस्वी यादव के निजी सचिव प्रीतम कुमार के मोबाइल नंबर 7488061813 से रात्रि 9 बजकर 7 मिनट में पथ निर्माण विभाग में कार्यरत प्रदीप कुमार के मो. नंबर 9430469924 पर एनएचएआई गेस्ट हाउस में सिकंदर कुमार यादवेंदु के लिए कमरे की बुकिंग कराने के लिए फोन आया था। उस दिन प्रदीप कुमार ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया।

फिर 4 मई सुबह 8.49 मिनट में प्रीतम कुमार के मोबाइल नंबर 7488061813 से प्रदीप कुमार के मोबाइल पर कॉल कर सिकंदर कुमार यादवेंदु के लिए कमरे की बुकिंग के ▶10पर

पीएम मोदी पेपर लीक रोक नहीं पा रहे: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। पेपर लीक कांड में तेजस्वी यादव का नाम आते ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी बचाव में कूद पड़े। राहुल ने गुरुवार को यूजीसी नीट यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने इसे लेकर केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी का नाम लेकर हमला बोला। राहुल ने कहा, सभी शिक्षण संस्थानों को भाजपा के लोगों ने कैप्चर कर रखा है। जब तक इन्हें मुक्त नहीं कराया जाएगा, तब तक यह चलता रहेगा। पीएम मोदी इस लीक को रोक नहीं पाए।

पटना हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

जातीय सर्वे के बाद लागू हुआ आरक्षण कानून रद्द

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट ने बिहार में नौकरी और एडमिशन में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अति पिछड़ा वर्ग और अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण बढ़ाकर 65 प्रतिशत किए जाने वाले कानून को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट के निर्मय को बिहार सरकार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

पटना हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा आरक्षण के लिए पारित कानून को संविधान के तीन अनुच्छेदों का उल्लंघन करने वाला बताया है। पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस हरीश कुमार की बेंच ने सरकार द्वारा पारित इस कानून को रद्द किया है। यह कानून तब पारित किया गया था, जब नीतीश कुमार आरजेडी के साथ बिहार में गठबंधन की सरकार चला रहे थे।नीतीश कुमार ने आरजेडी कांग्रेस के साथ सरकार चलाते हुए जाति आधारित सर्वे कराया था और उसके आधार पर ही नवंबर 2023 में आरक्षण सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दी थी। लेकिन इसे अब हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। उल्लेखनीय है कि इंदिरा साहनी

आरक्षण कानून संविधान का उल्लंघन था : हाईकोर्ट

केस में सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों की संविधान पीठ द्वारा 1992 में फैसला दिया गया था ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट जा सकती है बिहार सरकार

पटना, 20 जून (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ बिहार सरकार सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल कर सकती है। सरकारी अधिवक्ता ने बताया कि पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने माना है कि सरकार का आरक्षण वाला निर्णय नियमावली के खिलाफ है। अब बिहार सरकार इस मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर जा सकती है, जहां इस मामले में आगे सुनवाई होगी।

दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल पर फिर दौड़ी रेलगाड़ी

रियासी, 20 जून (ब्यूरो)। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना के तहत ट्रेन के जरिए कश्मीर जाने वालों का सपना पूरा होने में कुछ ही दिन बाकी रह गए हैं। यह सपना धीरे-धीरे वास्तविकता के और करीब आता जा रहा है। गुरुवार को संगलदान से रियासी के लिए दस डिब्बों वाली रेलगाड़ी का ट्रायल किया गया। यह ट्रायर पूरी तरह सफल रहा।

- दूसरा ट्रायल भी सफल जमकर गूंजा जयघोष
- अब जल्द ही शुरू हो सकता है रेल परिचालन

ट्रायल के दौरान ट्रेन दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे पुल से होकर भी गुजरी। यह पुल फ्रांस के एफिल टावर से भी ऊंचा है। इस पुल की ऊंचाई 359 मीटर है और एफिल टावर की ऊंचाई 300 मीटर है। 1,486 करोड़ की लागत से निर्मित इस पुल के निर्माण में 30 हजार मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया है। यह 260 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हवा का सामना कर सकता है। गुरुवार को बारह बजे के करीब ट्रेन संगदान से रियासी के लिए निकली। दोपहर दो बजे के करीब ट्रेन रियासी रेलवे स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन में परियोजना पर काम करने वाले कर्मचारियों को बिठाया गया था। इसके अलावा रेलवे के अधिकारी भी उसमें मौजूद रहे। ट्रेन के रियासी रेलवे स्टेशन पर पहुंचते ही भारत माता की जय के जयघोष गूंज उठे। मौके पर स्थानीय लोग इन पलों का साक्षी बनने के लिए उपस्थित रहे। रियासी से कश्मीर तक ट्रेन को जल्द ही चलाया जा सकता है।

संगलदान से रियासी तक रेल चलाने के सफल ट्रायल के बाद से लोगों, ▶10पर

श्रीनगर पहुंचे पीएम मोदी, कश्मीरी परंपरा से हुआ स्वागत

370 हटने के बाद असल में लागू हुआ संविधान: मोदी

श्रीनगर, 20 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को जम्मू कश्मीर दौरे पर पहुंचे। प्रधानमंत्री श्रीनगर में युवाओं का सशक्तिकरण, जम्मू-कश्मीर में बदलाव कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने जम्मू कश्मीर को करीब 3300 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं का तोहफा दिया। प्रधानमंत्री ने शासकीय सेवाओं के लिए 2000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र भी सौंपें। प्रधानमंत्री कल श्रीनगर के एसकेआईसीसी में योग दिवस के मुख्य समारोह का नेतृत्व करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सबको बांटने वाली अनुच्छेद 370 की दीवार गिर चुकी है। अब सही मायने में जम्मू कश्मीर में भारत का संविधान लागू हुआ है। जिन्होंने इसे अब तक लागू नहीं का था वे ही कश्मीर की

- तीसरी बार सरकार बनना बड़ा वैश्विक प्रभाव डालता है

बर्बादी के असली दोषी हैं। आज लाल चौक में शाम तक रौनक रहती है। अब डल झील के किनारे स्पोर्ट्स कारों का शो हुआ, जिसे पूरी दुनिया ने देखा। पीएम मोदी ने कहा उनकी सरकार ने सबको अधिकार और अवसर दिए हैं। महिलाओं को लाभ मिला। समाज के कमजोर तबकों की आवाज सुनी गई। पहली बार विधानसभा में एसटी समुदाय की सीटें आरक्षित की गई। पहाड़ी समुदाय, पाडरी, गड्डा ब्रहाम्ण को एसटी का आरक्षण मिला है। ओबीसी को उनके अधिकार मिले हैं।

पीएम मोदी ने कहा, जनता को लेटलतीफी अब पसंद नहीं है। अब वो परिणाम चाहती है। हमारी सरकार रिजल्ट लाकर दिखाती है। इस प्रदर्शन के आधार पर जनता ने तीसरी बार चुना है। साठ साल बाद इसी प्रदर्शन के चलते इसी भरोसे के चलते जनता ने हमारी सरकार को चुना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर के साथ उनका अटूट रिश्ता है। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,400/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,410/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0

न्यूनतम : 22^0

किसानों का 'आत्महत्या संभावित राज्य' बन रहा महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के दो जिलों में 300 किसानों ने दी जान

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र किसानों का आत्महत्या संभावित (सुसाइड प्रोन) राज्य बनता जा रहा है। खास तौर पर महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में किसानों की आत्महत्या रुक नहीं रही हैं। इस क्षेत्र का यवतमाल जिला राज्य में किसानों की आत्महत्या के मामलों की वजह से 'सुसाइड कैपिटल' के रूप में बदनाम हो गया है। पर, अब अमरावती जिला किसानों की आत्महत्या के मामले में यवतमाल से आगे निकल गया है। इस साल मई तक यहां 143 किसानों ने आत्महत्या की। यानि पांच महीनों के 152 दिनों में यहां करीब हर दिन एक किसान ने आत्महत्या की। राज्य सरकार के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। वहीं, यवतमाल में अब तक 132 किसानों ने आत्महत्या की।

अमरावती ने साल 2021 से ही आत्महत्या के मामले में

- हैरान करने वाला है यह एक साल का आंकड़ा
- महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक, आंध्र और तेलंगाना

यवतमाल को पीछे छोड़ दिया है। 2021 में यहां 370 किसानों ने अपनी जान दे दी। इसके बाद साल 2022 में 349 और 2023 में 323 किसानों ने आत्महत्या कर ली। वहीं, यवतमाल में, 2021 में जान देने वाले किसानों की संख्या 290 थी। वहीं, 2022 और साल 2023 में क्रमशः 291 और 302 किसानों ने मौत को गले लगा लिया था।

यवतमाल की सीमा से लगे अमरावती में कपास और सोयाबीन की खेती की जाती है। प्रसिद्ध नागपुरी संतरे की खेती भी जिले के कुछ हिस्सों में की जाती है। इस साल मई तक अमरावती में 143 किसानों ने आत्महत्या की, यानी हर दिन आत्महत्या से एक मौत।

सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि अमरावती के किसानों ने जब से सोयाबीन की खेती करनी शुरू की तब से उपज में काफी गिरावट देखी गई। पिछले साल इसके रेट भी गिरकर 4,000 रुपए प्रति क्विंटल हो गए। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आने वाले दिनों में कर्नाटक में महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम होंगे: बोम्मई

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने गुरुवार को कहा कि आने वाले दिनों में कर्नाटक में महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम होंगे। मीडिया से बात करते हुए बोम्मई ने तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि कांग्रेस के विधायक भी पार्टी नेताओं के खिलाफ हो गए हैं। बोम्मई ने दावा किया कि विधायकों को लोगों का सामना करने में शर्म आती है, क्योंकि विधायकों के लिए कोई फंड नहीं है। प्रशासन खराब हो गया है, अधिकारी सरकार की बात नहीं सुन रहे हैं

और यह उस बिंदु पर पहुंच गया है जहां कोई सवाल कर सकता है कि क्या राज्य में कोई सरकार है भी या नहीं। राज्य के कांग्रेस विधायकों में असंतोष के बारे में भाजपा सांसद गोविंद करजोल के बयान में सच्चाई है। गोविंद करजोल भाजपा में एक वरिष्ठ नेता हैं, जिनके पास कई वर्षों का राजनीतिक अनुभव है और वे एक अनुभवी राजनेता हैं। बोम्मई ने आरोप लगाया कि वह पूरी जानकारी के साथ बोलते हैं। इससे पहले, दावणगेरे शहर में भाजपा कार्यालय से एसी कार्यालय तक एक विशाल विरोध रैली में भाग लेते हुए, बोम्मई ने आरोप लगाया कि राज्य कांग्रेस ने गरीबों और आम लोगों पर मूल्य वृद्धि का बोझ डाला है। उन्होंने कहा पेट्रोल, डीजल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि करके उन्होंने शासन करने का नैतिक अधिकार खो दिया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया कि पिछले एक साल से वह गरीब विरोधी और आम लोगों के विरोधी नीतियां अपना रहे हैं। उन्होंने सरकार पर राज्य को आर्थिक दिवालियापन की ओर धकेलने और कर्नाटक को 10 साल पीछे धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा वोट जीतने के लिए सरकार ने गारंटी के नाम पर गरीबों पर बोझ डाला है, राज्य के लोगों पर 1.05 लाख करोड़ रुपये का कर्ज का बोझ डाला है। पहले उन्होंने मोटर टैक्स, शराब की कीमतें और स्टांप ड्यूटी बढ़ाई। अब उन्होंने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं। इस सरकार को राज्य पर शासन करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

भगवान महावीर ने संसारी जीवों को सुखी जीवन का बताया राजमार्ग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंत नगर के तत्वावधान एवं प्रज्ञा ज्योति महासती सुधा कंवर जी के पावन सानिध्य में आयोजित धर्म सभा में प्रखर व्याख्याता साध्वी सुयशा श्री जी ने गुरुवार को हनुमंत नगर जैन स्थानक में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संसार के भौतिक सुख क्षणिक नाशवान है।

अतः साधक को चिरस्थायी सच्चा सुख पाने के लिए हमें अपने अंतरमन की गहराई में जाकर चिंतन करने की जरूरत है। उन्होंने श्रावक के 21 गुणों पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रावक को दीर्घदृष्टि वाला बनना चाहिए। अपने सुख दुःख का

निर्णय दुसरों को देखकर नहीं बल्कि स्वयं के भूत, भविष्य, वर्तमान को देखकर अपने जीवन के लिए क्या हितकर है, यह सोचकर फिर काम में आगे बढ़ना चाहिए। जिससे उसे बाद में पछतावा नहीं हो। भगवान महावीर ने संसारी जीवों को संयमित जीवन के साथ सुखी जीवन का राजमार्ग बताया है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जीवन के प्रेरक घटना प्रसंग पर भी अपनी बात रखी। अंत में साध्वी सुधा कंवर जी ने सबको मंगल पाठ सुनाया। साध्वी मंडल का शुक्रवार का विहार त्यागराज नगर की ओर संभावित है। हनुमंत नगर संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने संघ की गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभा का संचालन किया।

चार दिवसीय अमृत ज्ञान वर्षा का हुआ आगाज

पूज्य सुधांशु जी महाराज देंगे अमृत सन्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजनकुंटे में स्थित श्रीधाम आश्रम में गुरुवार को विश्व जागृति मिशन के संस्थापक अध्यक्ष परम श्रद्धेय सदगुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज का चार दिवसीय अमृत संदेश का आगाज हुआ। इस अवसर पर पूज्य गुरुदेव भगवान का स्वागत एवं अभिनन्दन मण्डल के प्रधान के.के. टांटिया, सुभाष गोयल, गुलशन खन्ना के अलावा और कई गन्यमान लोगों ने किया। इस मौके पर उपस्थित साधकों एवं गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए सुधांशु जी महाराज ने कहा कि श्रद्धा पूर्वक गुरु निर्देशन में जीवन जीने से व्यक्ति का दुख दूर होता

है। सदुरु की प्रेरणा से व्यक्ति नव सृजन के लिए तत्पर होता है। शिष्य का जीवन कीमती बनता है। जीवन में शांति, सफलता, सुख, प्रसन्नता, तृप्ति सदुरु की कृपा से प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि शिष्य के लिए गुरु ही नेत्र है गुरु ही दीप है गुरु ही देवता है गुरु ही सद्गति है। गुरु ही परम आराध्य है। गुरु पूर्णिमा महोत्सव एक सुन्दर अवसर है सदुरु की कृपा पाने के लिए उनके चरणों में अपनी श्रद्धा प्रकट करने का, जीवन के लिए कुछ नवीन संकल्प धारण करने का, अपनी गलतियों के लिए सदुरु से क्षमा मांगने का, सदुरु से

दिव्य वरदान पाने का। पूज्यश्री ने उपस्थित सभी भक्तों को मुख्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव में दिल्ली आने के लिए आह्वान किया। गुरु पूजन, गुरु आरती मंडल अध्यक्ष एवं विशिष्ट अधिकारी गणों द्वारा संपन्न हुआ। विश्व जागृति मिशन बेंगलूरु मण्डल के प्रधान के.के. टांटिया ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी अमृत ज्ञान वर्षा 20 जून से 23 जून तक जय नगर स्थित पूर्णिमा कन्वेंशन सेंटर में अयोजित किया गया है। यह कार्यक्रम रविवार प्रातःकालीन सत्र के उपरांत मंत्र दीक्षा के साथ संपन्न होगा।

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति मेंगलूरु की 74 वीं अर्धवार्षिक बैठक का आयोजन रेणु के नायर, महा प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अंचल कार्यालय, मेंगलूरु की अध्यक्षता में किया गया। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से इस बैठक में मुख्य अथिति के रूप में अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय बेंगलूरु की उपस्थिति रही। साथ ही बैठक में मेंगलूरु शहर में स्थित केंद्र सरकार के विभागों, सरकारी उपक्रमों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों एवं उनके राजभाषा अधिकारियों ने भाग लिया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *बापूजी नगर क्षेत्र में आयोजित दौड़ताई अम्मा देवी उत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

आरडीपीआर इंजीनियर पीने के पानी को दूषित होने से बचाने के लिए एहतियाती कदम उठाएं: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियंक खड़गे ने बुधवार शाम को अपने विभाग के इंजीनियरों को मानसून के मौसम में पीने के पानी को दूषित होने से बचाने के लिए एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया।

बेंगलूरु में आरडीपीआर विभाग के सभी इंजीनियरों की बैठक को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि उन्हें पीने के पानी को दूषित होने से बचाने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है, खासकर इस मानसून के दौरान अच्छी बारिश की उम्मीद है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पीडीओ, जूनियर इंजीनियरों, वाटरमैन और ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों को पीने के पानी की गुणवत्ता का आकलन करने का प्रशिक्षण दें। उन्होंने पेयजल परियोजनाओं, खासकर जल जीवन मिशन और बहु-ग्राम परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी पर चिंता व्यक्त की और देरी के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा।

गारंटी योजनाओं के लिए धन जुटाने के लिए, कांग्रेस सरकार ने ईंधन की कीमतों में की वृद्धि: शेट्टर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कर्नाटक के कित्तूर में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि राज्य की कांग्रेस सरकार राज्य में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को वापस ले। हुब्बल्ली में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग को लेकर भाजपा की हुब्बल्ली धारवाड़ पूर्व विधानसभा इकाई के सदस्यों ने न्यू इंग्लिश स्कूल के पास प्रदर्शन किया और कुछ समय के लिए वहां सड़क भी जाम कर दी। कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के पुतले जलाए। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए नगर पार्षद

और भाजपा नेता शिवकुमार मेनसिनाकाई ने कहा कि ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण चावल, दालें, खाद्य तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें अपने आप महंगी हो जाएंगी, जिससे गरीबों का जीवन दयनीय हो जाएगा। भाजपा पदाधिकारियों प्रभु नवलगुंडमठ, दत्तमूर्ति कुलकर्णी, सतीश शेजवाड़कर, रंगा बड्डी और अन्य ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। भाजपा शाखाओं द्वारा विभिन्न विरोध प्रदर्शन किए गए, जिनमें सुलागा-हिंडाल्गा चेक-पोस्ट और बेलगावी में धर्मवीर संभाजी राव सर्कल पर एक और विरोध प्रदर्शन शामिल था। धर्मवीर संभाजी राव सर्कल में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए, नवनिर्वाचित सांसद जगदीश शेट्टर ने कहा कि गारंटी योजनाओं के लिए धन जुटाने के लिए, कांग्रेस सरकार ने ईंधन की कीमतों में वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि इस कदम से गरीबों का जीवन दयनीय हो जाएगा। मुख्यमंत्री की टिप्पणी कि भाजपा शासित राज्यों में पेट्रोल की कीमतें अधिक हैं, उन्होंने सिद्धरामैया से कर्नाटक की तुलना में गोवा में पेट्रोल की कीमतें सस्ती होने पर जवाब मांगा।

जमानत अर्जी में लग सकता है एक सप्ताह: दर्शन के वकील

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभिनेता दर्शन के वकील ने कहा कि अभिनेता को अपनी जमानत याचिका दायर करने के लिए समय की आवश्यकता हो सकती है। अन्नपूर्णेश्वरी नगर पुलिस स्टेशन का दौरा करने और आरोपी से चर्चा करने के बाद, दर्शन के वकील अनिल बाबू ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा जांच लगभग पूरी हो चुकी है। हमने जमानत के बारे में दर्शन से बात की। जमानत के लिए आवेदन करने में एक सप्ताह का समय लग सकता है। हम चर्चा करेंगे और फिर आवेदन करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका स्वास्थ्य अच्छा है। उनके वकील ने कहा कि आरोपियों को हिरासत में लेने के लिए कहना जांच अधिकारियों का फैसला है। उन्होंने कहा कि पूछताछ लगभग पूरी हो चुकी है। डीएनए परीक्षण नमूना प्राप्त करने के लिए अदालत की अनुमति की आवश्यकता होती है। क्या इसे पुलिस ले गयी? डीएनए टेस्ट हुआ? फिलहाल हम नहीं जानते। उन्होंने कहा चार्जशीट दाखिल होने के बाद हमें पता चलेगा।

ईएमसी और सेमीकंडक्टर इकाइयों के लिए भूमि चिन्हित

ईआईए की मंजूरी लंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) और सेमीकंडक्टर इकाइयों के लिए मैसूरु के कडाकोला के पास कोचनाहल्ली में 234 एकड़ जमीन निर्धारित की है। ₹

यह टांड्या और कडाकोला औद्योगिक क्षेत्र के विकास के दूसरे चरण का हिस्सा है और पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) के हिस्से के रूप में एक सार्वजनिक सुनवाई 8 जुलाई, 2024 को आयोजित की जाएगी। मैसूरु इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के महासचिव सुरेश कुमार जैन ने कहा कि कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड ने जमीन का अधिग्रहण कर लिया है और जन सुनवाई मैसूरु जिले के वरुणा होबली के कोचनाहल्ली में सुबह 11 बजे होगी। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने

पर भूमि के विकास के लिए ईआईए अनिवार्य है और एक बार जब सार्वजनिक सुनवाई पूरी हो जाती है और कोई आपत्ति नहीं होती है, तो भूमि को संभावित निवेशकों के लिए नियत समय में आवंटन के लिए तैयार किया जाएगा। 70 औद्योगिक इकाइयों के आने की संभावना थी और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और ईएमसी इकाइयों के लिए पूरी भूमि आरक्षित की गई है, जिसके लिए मैसूरु हाल के वर्षों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरा है। जैन ने कहा कि आधे एकड़ से लेकर 10 एकड़ तक के औद्योगिक भूखंड वितरण के लिए उपलब्ध हैं और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में दो प्रमुख खिलाड़ियों ने न केवल रुचि दिखाई है, बल्कि उनके प्रस्तावों को एकल खिड़की मंजूरी प्रणाली के तहत मंजूरी दी गई है ताकि गर्भधारण अवधि को कम किया जा सके। विस्तार के लिए इच्छुक मैसूरु स्थित इलेक्ट्रॉनिक फर्मों के अलावा हैदराबाद स्थित एक उद्यमी ने मैसूरु में 800 करोड़ से 1000 करोड़ के बीच निवेश करने में रुचि दिखाई है और इकाई स्थापित करने की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए औद्योगिक क्षेत्र का पता लगाया है, जिसके लिए लगभग 50 एकड़ जमीन की आवश्यकता थी। जैन ने कहा कि केआईएडीबी मैसूरु में निवेश लाने के लिए उत्सुक है, लेकिन उद्योगपति का अंतिम निर्णय प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता, कनेक्टिविटी, सरकार द्वारा दिए जाने वाले प्रोत्साहन या सब्सिडी आदि सहित विभिन्न कारकों पर आधारित होगा। उन्होंने कहा कि एक बार जब ईआईए हो जाता है और रिपोर्ट अनुकूल होती है तथा पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है, तो ईएमसी इकाइयों के संबंध में मैसूरु में निवेश का माहौल और बेहतर होने की संभावना है। सुरेश कुमार जैन ने कहा हमें 1000 करोड़ रुपये से कम के निवेश की उम्मीद नहीं है, जिससे 4000 से 5000 नौकरियां पैदा होने की संभावना है। इसके अलावा, 1000 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षुता प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

मैसूरु में अपनी इकाइयों का विस्तार करने के इच्छुक

जैन ने कहा कि बेंगलूरु स्थित उद्योग मैसूरु में अपनी इकाइयों का विस्तार करने के इच्छुक हैं, क्योंकि वहां जमीन अपेक्षाकृत सस्ती है। लेकिन गैर-उद्देश्यों के लिए कृषि भूमि के रूपांतरण के खिलाफ किसानों और कार्यकर्ताओं के संगठित समूहों की ओर से प्रतिरोध भी था। आलोचकों ने यह भी तर्क दिया है कि जो औद्योगिक भूखंड आवंटन के वर्षों बाद भी खाली पड़े हैं, उन्हें सरकार द्वारा पुनः प्राप्त किया जाना चाहिए और नए सिरे से आवंटित किया जाना चाहिए, न कि नए भूमि अधिग्रहण के साथ आगे बढ़ना चाहिए, जिसका लंबे समय में कृषि पर प्रभाव पड़ेगा।

कुमारस्वामी को अपशब्द कहने वाली महिला के खिलाफ शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस ने सोशल मीडिया पर केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी का अपमान करने वाली एक महिला के खिलाफ शहर के पुलिस आयुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई है। मंगला नाम की महिला ने सोशल मीडिया पर कुमारस्वामी को बेहद अभद्र भाषा में अवर्णनीय शब्दों में गाली दी थी। जद (एस) कानूनी विभाग के महासचिव प्रदीप कुमार एस.पी. ने कहा कि महिला ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से उनके साथ दुर्व्यवहार किया है। भले ही कुमारस्वामी और अभिनेता दर्शन पर लगे आरोपों के मामले का कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया पर एक महिला द्वारा कुमारस्वामी के नाम पर दुर्व्यवहार करने की बात से जेडीएस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता आहत हुए हैं। शिकायत में उन्होंने मांग की है कि इस संबंध में मंगला और उनके सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

साइकिल जुलूस निकाल कर किया प्रदर्शन

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के धोखेबाज फैसले को छोड़े सरकार: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने मांग की कि राज्य सरकार और मुख्यमंत्री को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के धोखेबाज फैसले को छोड़ देना चाहिए। वह जगन्नाथ भवन से विधानसौधा तक साइकिल जुलूस की शुरुआत के मौके पर बोल रहे थे। इस बोझिल फैसले को तुरंत छोड़ देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक निर्णय वापस नहीं लिया जाता है तब तक भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा। सरकार के फैसले के खिलाफ भाजपा पूरे राज्य में संघर्ष कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक मुख्यमंत्री अपने फैसले से पीछे नहीं हटते तब तक वे इस संघर्ष से पीछे नहीं हटेंगे। प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. अश्वत्थ नारायण, विधान परिषद सदस्य सीटी रवि, चलवाडी नारायणस्वामी और अन्य महत्वपूर्ण लोगों ने प्रदर्शन में भाग लिया। बेंगलूरु भाजपा के 3 जिलों ने इस जत्थे का आयोजन किया। साइकिल जत्था तेल की कीमत कम करो, इससे छुटकारा पाओ, इससे छुटकारा पाओ, राज्य सरकार से छुटकारा पाओ, यह चाहिए, यह चाहिए, यह चाहिए, न्याय करो, राज्य सरकार का तिरस्कार करो जैसे नारे लगाते हुए चल रहा था। पूर्व मंत्री, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, बीबीएमपी के पूर्व सदस्य, भाजपा बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सीके राममूर्ति और पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जैसे ही साइकिल जत्था विरोध प्रदर्शन कुछ दूर आगे बढ़ा, पुलिस ने रोक दिया और साइकिल जत्था में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले विजयेंद्र ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की निंदा करने के लिए राज्य भर के सभी जिला और तालुका केंद्रों में सड़क जाम किया जा रहा है। मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में साइकिल जत्था के माध्यम से सरकार को चेताने का काम चल रहा है। हमारा राज्य संकट में है। किसानों को भी परेशानी हो रही है। पिछले 6 महीने से किसान सूखे की मार झेल रहे हैं। वहीं उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सरकार के फैसलों से आम लोगों पर बोझ पड़ रहा है। यह अक्षम्य अपराध है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार और मुख्यमंत्री को भ्रष्ट फैसले को छोड़ देना चाहिए।

भाजपा पूरे प्रदेश में संघर्ष कर रही

कांग्रेस सरकार के फैसले के खिलाफ भाजपा पूरे प्रदेश में संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि जब तक मुख्यमंत्री अपने फैसले से पीछे नहीं हटते तब तक वे इस लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे। जब गृह मंत्री के उस बयान की ओर ध्यान दिलाया गया कि अगर सड़क जाम की गई तो वह लाठीचार्ज करेंगे, तो उन्होंने कहा कि यह मूर्खता की पराकाष्ठा है। भाजपा, भाजपा के कार्यकर्ता लाठी-डंडों से नहीं डरते। प्रदेश की जनता, किसानों और गरीबों के हक में आवाज उठाने वालों पर लाठियां बरसाई जाती हैं तो यह दर्प का कृत्य है। उन्होंने आपत्ति जताई कि वह सत्ता के अहंकार में बोल रहे हैं। उनसे डरने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने साफ किया कि जब तक सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम कम नहीं करती तब तक संघर्ष नहीं रुकेगा।

विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हुई तीखी नोकझोंक

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार द्वारा ईंधन की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ मेंगलूरु मंडल भाजपा द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक के साथ समाप्त हुआ। यह मौखिक झगड़ा तब शुरू हुआ जब उल्लाल पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर एच एन बालकृष्ण ने भाजपा मेंगलूरु मंडल युवा मोर्चा के अध्यक्ष मुरली कोनाजे को कथित तौर पर पकड़ लिया, जब उन्होंने राजमार्ग पर यातायात को रोकने का प्रयास किया। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कांग्रेस सरकार की वृद्धि के विरोध में भाजपा मंडल ने गुरुवार को थोकोट्टू जंक्शन फ्लाईओवर के नीचे सड़क जाम कर दिया। जयराम शेट्टी, संतोष राय बोलियार, के रवींद्र शेट्टी उलिदोट्टू, दिनेश अमटूर, महेश जोगी, हेमंत शेट्टी डेरालाकाटे और धनलक्ष्मी गट्टी सहित भाजपा नेत-ाओं ने ईंधन की कीमतों में वृद्धि की निंदा करते हुए प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया।

बैठक के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने राजमार्ग पर यातायात को अवरुद्ध करने का प्रयास किया। उल्लाल में ड्यूटी पर तैनात स्टेशन इंस्पेक्टर बालकृष्ण ने राजमार्ग अवरोधों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों का हवाला देते हुए हस्तक्षेप किया। मुरली कोनाजे कथित तौर पर यातायात को बाधित करने के लिए राजमार्ग के बीच में घुस गए, जिससे बालकृष्ण ने उनकी शर्ट का कॉलर पकड़ लिया और उन्हें सड़क के किनारे ले गए। इस विवाद के कारण भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई। सहायक पुलिस आयुक्त रवीश नाइक ने हस्तक्षेप किया और वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ बातचीत करके स्थिति को शांत किया। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने घटना के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ किए गए व्यवहार पर चिंता व्यक्त की।

राज्य सरकार कर रही विपक्षी दल को दबाने का काम: चलवाडी नारायणस्वामी

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी निंदनीय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद के सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी निंदनीय है। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण दालों की कीमत में वृद्धि हुई है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि अब पानी की दरों में बढ़ोतरी का बयान सामने आया है। स्टांप पेपर की कीमतें बढ़ने से प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के लिए ज्यादा पैसे चुकाने होंगे।

उन्होंने जैसा कहा वैसा नहीं किया। उन्होंने सिद्धरामैया की आलोचना करते हुए कहा कि वह जो कहते हैं वह नहीं करते हैं। इसके विरोध में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र, सीटी रवि, डॉ अश्वत्थ नारायण ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि हमने इसके लिए साइकिल यात्रा की योजना बनाई थी। ऐसे विरोध को दबाने का काम मुख्यमंत्री ने बुधवार से ही शुरू कर दिया है। गृह मंत्री ने कहा है कि हम अपना डंडा दिखाएंगे। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह अहंकार की पराकाष्ठा नहीं है। एक विपक्षी दल के रूप में गलतियों को उजागर करना हमारा काम है? विपक्ष को लगा कि संघर्ष के माध्यम से जनता की बात आपके ध्यान में लाना हमारा कर्तव्य है। क्या यह हिटलर की सरकार है? उन्होंने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि क्या सीएम या गृह मंत्री हिटलर हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने कभी भी इस तरह का दमनकारी कार्य नहीं किया है। वे गिरफ्तार करने के लिए हमारे कार्यालय के दरवाजे पर आते हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति कुछ भी हो लेकिन यह संघर्ष जारी रहेगा। राज्य में चुनाव के दौरान गरीबों को लालच दिखाकर लोगों को आकर्षित किया और उनकी नाक में घी डाला?

सरकार लोगों के घावों पर नमक डालने का काम कर रही है। ऐसी चीजों को बैठकर सहन करना नामुमकिन है। हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने पूरे राज्य में आपके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है और इस सरकार को जल्द से जल्द घर भेजने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में किसान संगठन, दलित संगठन, ट्रांसपोर्ट संगठन आदि एकजुट होकर आपके खिलाफ बड़ा संघर्ष करने के लिए तैयार रहेंगे। एक दिन पहले ही उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को संकेत दिया था कि शहर में मासिक जल शुल्क में संभावित वृद्धि की संभावना है, क्योंकि उन्होंने बेंगलूरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) द्वारा सामना किए जा रहे वित्तीय तनाव को उजागर किया। शिवकुमार, जो बेंगलूरु विकास के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने कहा कि घाटे में चल रहा बीडब्ल्यूएसएसबी नई परियोजनाएं शुरू नहीं कर पाया है। राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह ईंधन पर बिक्री कर बढ़ा दिया था, जिससे पेट्रोल और डीजल क्रमशः 3 रुपये और 3.5 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा पिछले दस वर्षों से बेंगलूरु में जल शुल्क में वृद्धि नहीं की गई है। यह (बीडब्ल्यूएसएसबी) बहुत घाटे में है।

हमें नई परियोजनाएं शुरू करनी हैं

हमें नई परियोजनाएं शुरू करनी हैं। कोई भी बैंक बीडब्ल्यूएसएसबी को वित्तपोषित करने के लिए आगे नहीं आ रहा है। अब (कावेरी) पांचवां चरण (जल आपूर्ति परियोजना) पूरा होने जा रहा है। मंत्री ने कहा 70 प्रतिशत बिजली बिल और श्रम लागत है और हर साल हमें (बीडब्ल्यूएसएसबी) बड़ा घाटा हो रहा है। इसलिए, कोई विकल्प नहीं है। मैं संभावनाओं पर काम कर रहा हूं, हम इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि कंपनी को कैसे सही किया जाए। यहां तक कि जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) और विश्व बैंक जैसी विकास एजेंसियों ने भी तर्क दिया है कि पानी के टैरिफ में बढ़ोतरी के मुद्दे का राजनीतिकरण किया जा रहा है, और यह सुनिश्चित करने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है कि बीडब्ल्यूएसएसबी ब्रेक-ईवन हासिल करे। हम चीजों का विस्तार करना चाहते हैं, हमने बेंगलूरु के लिए (कावेरी से) छह टीएमसी (हजार मिलियन क्यूबिक फीट) अधिक पानी दिया है, हमें उस पानी को निकालने के लिए एक और चरण शुरू करना होगा। कोई विकल्प नहीं है।

भाजपा ने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ किया प्रदर्शन

सड़क जाम कर लगाए नारे

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के खिलाफ जिला भाजपा ने गुरुवार को पीवीएस सर्किल पर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, विधायक वेदव्यास कामथ, महापौर सुधीर शेट्टी कन्नूर और पार्षदों सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता पीवीएस सर्किल पर एकत्र हुए और राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाए। कैप्टन बृजेश चौटा ने कहा कांग्रेस सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाकर जनता पर बोझ डाला है। सिद्धरामैया ने कीमतों में बढ़ोतरी करके कर्नाटक के लोगों को भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हिंदुत्व विचारध-ारा का समर्थन करने की सजा दी है। भाजपा हमेशा वंचित जनता के पक्ष में खड़ी रही है। कांग्रेस सरकार हाल ही में हुए चुनावों में हार के बाद असमंजस की स्थिति में है और सरकार का खजाना भरने के लिए जनता से पैसे लूट रही है। उन्होंने कहा दो दिन पहले भाजपा ने विरोध प्रदर्शन कर सरकार को चेतावनी दी थी। आज हम सड़क जाम कर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। आगामी सत्र में भाजपा के सभी विधायक इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएंगे और न्याय मिलने तक संघर्ष करेंगे। विधायक वेदव्यास कामथ ने कहा सिद्धरामैया का दावा है कि सरकार घाटे में नहीं है और खजाने में पर्याप्त धन है। मुख्यमंत्री को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सरकारी खजाने में पर्याप्त धन होने के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतें क्यों बढ़ाई जा रही हैं, जिससे जनता पर बोझ पड़ रहा है। बाद में भाजपा नेताओं ने सड़क जाम कर नारेबाजी जारी रखी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया।

जल्द ही जेडीएस का भाजपा में हो सकता है विलय: कृषि मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कृषि मंत्री एन. चेलुवरयास्वामी ने कहा कि भाजपा-जेडीएस ने गठबंधन कर लोकसभा चुनाव लड़ा था। अब कुछ लोगों ने मुझसे कहा है कि जेडीएस का भाजपा में विलय हो सकता है। तीन विधानसभा सीटों पर उप-चुनाव की घोषणा कभी भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि उप-चुनाव की तैयारी और उम्मीदव-ारों के चयन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। पूर्व सांसद डीके सुरेश ने क्षेत्र में अच्छा काम किया है। उन्हें भी अच्छा मौका मिलेगा। चूंकि डीके शिवकुमार केपीसीसी के अध्यक्ष हैं, इसलिए वह उचित निर्णय लेंगे। मुझे एक छोटी सी जिम्मेदारी दी गई है। चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए उम्मीदवार का फैसला अभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि

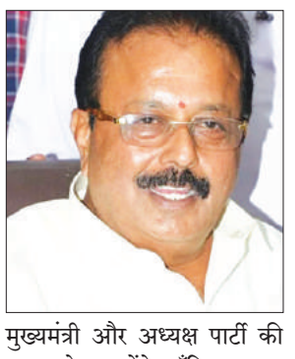

मुख्यमंत्री और अध्यक्ष पार्टी की जनता से राय लेंगे। चूँकि यह एक हाई वोल्टेज क्षेत्र है, इसलिए यदि उम्मीदवार के नाम की घोषणा पहले ही कर दी जाए तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को 85 हजार वोट मिले। उन्होंने कहा कि डीके शिवकुमार के नेतृत्व के कारण इतने वोट मिले। पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर लंबे समय से सपना देख रहे हैं। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी चाहते हैं कि उन्हें चुनाव लड़ने दिया जाए। कुमारस्वामी अपने बेटे को भी टिकट देना चाहते हैं। उनकी पार्टियों का फैसला उन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि हम इस बारे में बात नहीं करेंगे। तेल की कीमतों में वृद्धि का विरोध करना भाजपा की कौन सी नैतिकता है? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें शर्म आनी चाहिए कि पेट्रोल की कीमत, जो 70 रुपये था उसे बढ़ा दिया। रसोई गैस की कीमत भी ज्यादा कर दी गई। जनता को भाजपा शासित राज्यों में तेल की कीमत पर ध्यान देना चाहिए। क्या शासकों को कर नहीं वसूलना चाहिए? भाजपा के 17 सांसदों ने कहा, कीमत कम करने के लिए केंद्र के सामने विरोध जताना स्वाभाविक है। लेकिन इसका बोझ जनता पर नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य में तेल की कीमत अन्य राज्यों की तुलना में कम है।

भुवनेश्वरी की कांस्य प्रतिमा की स्थापना के लिए भूमि पूजन

राज्य में कन्नड़ माहौल बनाने के लिए सभी को कन्नड़ में करनी चाहिए बात : सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को माँ भुवनेश्वरी की कांस्य प्रतिमा की स्थापना के लिए भूमि पूजन किया, जिसका निर्माण कर्नाटक के नामकरण की स्वर्ण जयंती के हिस्से के रूप में विधान सौधा के परिसर में कन्नड़ और संस्कृति विभाग द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांस्य प्रतिमा का अनावरण 24 नवंबर को किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रतिमा के निर्माण के लिए धन की कोई कमी नहीं है। यह अच्छा है कि प्रतिमा का निर्माण विधान सौधा के पश्चिम दिशा में किया जा रहा है। यह 25 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा है जो स्थायी मानी जाती है। यह खूबसूरती से सामने आना चाहिए। कर्नाटक नाम रखे जाने की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर, हमने कर्नाटक का जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया है। कन्नड़ मशहूर हो गई है, हमने हर सांस में कन्नड़ कर ली है। हमने पूरे साल कन्नड़ कार्यक्रम किया है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम की शुरुआत पिछले साल नवंबर में हम्पी से की गई थी।

1973 में जब देवराज उर्स मुख्यमंत्री थे तब इसका नाम बदलकर कर्नाटक कर दिया गया। कर्नाटक के एकीकरण से पहले माँ भुवनेश्वरी की पूजा की जाती थी। उन्होंने कहा कि राजा महाराजा भी ऐसा करते थे। हम कन्नड़ भूमि, जल और भाषा को बचा रहे हैं। राज्य में कन्नड़ माहौल बनाने के लिए सभी को कन्नड़ में बात करनी चाहिए। यहां अन्य भाषाओं के लोग बसे हुए हैं।

उन्हें कन्नड़ भी सीखनी और बोलनी चाहिए। सभी को कन्नड़ सिखाई जानी चाहिए। अन्य राज्यों में ऐसा नहीं है। वहां संबंधित राज्य की भाषा सीखनी पड़ती है। हम कट्टर नहीं हैं। लेकिन कन्नड़ के प्रति प्रेम विकसित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कन्नड़ तभी बचेगी जब सभी के मन में कन्नड़ भाषा और देश के प्रति सम्मान होगा। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि हम ही लोग हैं जो प्रशासन में कन्नड़ अनिवार्य कानून लेकर आए। आज हमने विधान सौधा परिसर में भुवनेश्वरी की कांस्य प्रतिमा बनाने के लिए भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि सभी को कन्नड़ की सांसों को बचाने का प्रयास करना चाहिए। कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज ने कहा कि यह हर किसी की इच्छा थी कि नादादेवी भुवनेश्वरी की मूर्ति बनाई जाए। हम आगामी 1 नवंबर तक प्रतिमा का निर्माण पूरा कर लेंगे। कर्नाटक की 50वीं वर्षगांठ के मद्देनजर हमने राज्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने कन्नड़ भूमि-जल-भाषा पर जोर दिया है। इस मौके पर मंत्री रामलिंग-रेड्डी, एचके पाटिल, डॉ. एमसी सुधाकर, के.एन. राजन्ना, सतीश जारकीहोली जैसे कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

शिवकुमार की चन्नपट्टना से उपचुनाव लड़ने की पहल हास्यास्पद: सुरेश कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा विधायक सुरेश कुमार ने कनकपुरा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित डीके शिवकुमार का मजाक उड़ाया, जो राज्य के उपमुख्यमंत्री भी हैं और अब उन्होंने चन्नपट्टना से उपचुनाव लड़ने का फैसला किया है। ऐसा लगता है कि अब डी.के. शिवकुमार राजनीति में नई शुरुआत करने की तैयारी में हैं। पिछले साल, मई 2023 में, एचडी कुमारस्वामी चन्नपटना विधानसभा क्षेत्र से चुने गए थे। कुमारस्वामी लोकसभा चुनाव में मांड्या लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए और केंद्रीय मंत्री बने, इस प्रकार, कुमारस्वामी ने चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र से विधायक के रूप में अपनी सीट से इस्तीफा दे दिया है।

अब चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र से उपचुनाव की आवश्यकता है, जहां विधायक की सीट खाली है। इसलिए उस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए डी.के. शिवकुमार की पहल हास्यास्पद है। कनकपुरा से निर्वाचित होने के बाद डी.के. शिवकुमार के पास 2028 तक विधायक बने रहने का अवसर और कर्तव्य है। यह एक अनावश्यक तमाशा है कि शिवकुमार चन्नपट्टना उपचुनाव लड़ने जा रहे हैं।

जैसा कि मीडिया में सुना गया, उन्होंने चन्नपट्टना से चुनाव लड़ने और जीत हासिल करने की बात की है। पहले से चयनित कनकपुरा सीट से इस्तीफा देंगे और वहां से अपने भाई डी.के. सुरेश को लड़ाएंगे। डीके शिवकुमार का मुख्य उद्देश्य सुरेश को चुनाव लड़ाना और जिताकर विधायक बनाना है। अब इस पर क्या कहें। यह इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि सार्वजनिक धन, राष्ट्रीय संपत्ति को व्यक्तिगत प्रतिष्ठा पर कैसे खर्च किया जा सकता है। सुरेश कुमार ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा है कि डीके शिवकुमार का यह कदम विवेक और बुद्धिमत्ता से भरा एक अपमानजनक कदम है। राहुल गांधी इस बात से सहमत होंगे?

एमसीसी ने घर-घर जाकर कचरा संग्रहण के लिए ई-ऑटो की शुरुआत की

सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने किया उद्घाटन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) ने शहर के इलाके में घर-घर जाकर कचरा संग्रहण के लिए 24 इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा की शुरुआत की है। बेंगलूरु की प्रज्ञा ऑटोमोबाइल्स द्वारा आपूर्ति किए गए इन वाहनों का उद्घाटन सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने किया। कैप्टन चौटा ने जोर देकर कहा ये ऑटो स्वच्छ मेंगलूरु-हसिरू मेंगलूरु के विजन को साकार करने में योगदान देंगे। इन्हें पीएम मोदी की आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा के तहत बनाया गया है और इनका निर्माण भारत में ही किया गया है।

विधायक वेदव्यास कामथ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मौजूदा आसमान छूती ईंधन कीमतों के बीच ये वाहन विशेष रूप से आवश्यक हैं। जहां अन्य वाहनों पर 12 रुपये प्रति किमी का खर्च आता है, वहीं ये ऑटो सिर्फ 50 पैसे प्रति किमी पर चलते हैं। ये एक बार चार्ज करने पर 90 किमी तक की यात्रा कर सकते हैं। कामथ ने कहा ये ऑटो पांच फीट जितनी संकरी गलियों में भी चल सकते हैं, जिससे गलियों में घरों से कचरा इकट्ठा करना आसान हो जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कन्नूर के मेयर सुधीर शेट्टी ने कहा प्रत्येक ऑटो तीन वार्डों में गीला और सूखा कचरा इकट्ठा करने का काम करेगा। एमसीसी धीरे-धीरे सभी कार्यों में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उपयोग को लागू करने की योजना बना रही है। बिजली से चलने वाले ऑटो टिपर कचरे को रिसाइकिलिंग इकाइयों तक पहुंचाएंगे। कार्यक्रम में विधायक डॉ. भरत शेट्टी, उप महापौर सुनीता, स्थायी समिति के अध्यक्ष गणेश कुलल, लोहित अमीन, वरुण चौटा, भरत कुमार, विपक्ष के नेता प्रवीण चंद्र अल्वा, एमसीसी पार्षद दिवाकर पांडेश्वर, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंजिया शेट्टी और प्रज्ञा ऑटोमोबाइल के एमडी आदित्य सुराना शामिल हुए। प्रत्येक वाहन की क्षमता 310 किलोग्राम कचरा ले जाने की है और इसकी अधिकतम गति 25 किमी प्रति घंटा है। प्रत्येक वाहन की लागत 2.08 लाख रुपये है।

उपचुनाव में भी भाजपा-जेडीएस गठबंधन जारी रहेगा

दो पर भाजपा व एक पर जेडीएस लड़ सकती है चुनाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा चुनाव की तरह आगामी विधानसभा उपचुनाव में भी भाजपा और जेडीएस पार्टियां अपना गठबंधन जारी रखेंगी। पूर्व मुख्यमंत्रियों एचडी कुमारस्वामी (चन्नपटना), बसवराज बोमई (शिगगांव) और तुकाराम (संदुर) ने लोकसभा चुनाव में निर्वाचित होने के बाद अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। चन्नपट्टना, शिगगांव और संदुर विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव होंगे, जो इस्तीफे के कारण खाली हैं। इन तीन निर्वाचन क्षेत्रों के लिए होने वाले उपचुनाव में, सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ने के लिए भाजपा दो निर्वाचन क्षेत्रों में और जद (एस) एक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ेगी। चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र जद (एस) को दिया जाएगा जबकि भाजपा शिगगांव और संदुर निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेगी। भाजपा आलाकमान ने तीन विधानसभा क्षेत्रों में आंतरिक सर्वे कराकर रिपोर्ट लेने का फैसला किया है। रिपोर्ट के आधार पर उम्मीदवारों का चयन किया जाना है। लोकसभा चुनाव की तरह गठबंधन के प्रत्याशियों को जीत मिलनी चाहिए। नेताओं ने इसके लिए अनुकूल माहौल बनाने का फैसला किया है। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उपचुनाव के संबंध में बातचीत की। जेडीएस सूत्रों ने कहा कि शाह ने कहा कि वह चन्नपट्टना को हमारी पार्टी के लिए छोड़ देंगे और बाकी दो सीटों पर भाजपा चुनाव लड़ेगी। हालांकि, विधान परिषद सदस्य सीपी योगेश्वर चन्नपट्टना उपचुनाव लड़ना चाहते हैं। अगर वह भाजपा छोड़कर जेडीएस के सिंबल पर चुनाव लड़ते हैं तो गठबंधन में कोई संकट नहीं आएगा।

अगर जेडीएस योगेश्वर के भाजपा से चुनाव लड़ने पर राजी नहीं हुई तो गठबंधन में संकट खड़ा हो जाएगा। जेडीएस सूत्रों ने कहा कि जेडीएस की युवा इकाई के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी उपचुनाव नहीं लड़ेंगे। ऐसी संभावना है कि स्थानीय लोगों को गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा जाएगा। इस बीच, केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार, जो बुधवार को क्षेत्रीय दौरे पर थे, ने कहा कि अगर लोग चाहेंगे तो वह उपचुनाव लड़ेंगे। इसलिए एनडीए गठबंधन को एक मजबूत और सक्षम उम्मीदवार को मैदान में उतारना होगा। तीन निर्वाचन क्षेत्रों में तीन राजनीतिक दलों में से प्रत्येक ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों को बरकरार रखने के लिए फिर से एक सक्षम उम्मीदवार की तलाश शुरू कर दी है। इससे उपचुनाव में कांग्रेस और सहयोगी दलों के बीच एक बार फिर प्रतिष्ठा की लड़ाई होगी।

एक दिन पहले ही शिवकुमार ने दिए थे उपचुनाव लड़ने के संकेत

इससे पहले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को चन्नपटना विधानसभा उपचुनाव लड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया, क्योंकि उन्होंने कहा कि उन्हें पार्टी और क्षेत्र के मतदाताओं के निर्णय का पालन करना होगा। पड़ोसी रामनगर जिले के शहर के दौरे से पहले शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा चन्नपटना मेरे दिल में है। चन्नपटना वह जगह भी है, जिसने मुझे राजनीतिक जन्म दिया। चन्नपटना उपचुनाव इसलिए जरूरी है, क्योंकि हाल ही में हुए चुनावों में जेडी(एस) नेता और अब केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के लोकसभा में चुने जाने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। इस विधानसभा सीट के लिए उप-चुनाव का कार्यक्रम अभी चुनाव आयोग द्वारा घोषित किया जाना बाकी है। शिवकुमार ने कहा चन्नपटना पहले सथानूर (शिवकुमार द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाने वाला पूर्ववर्ती क्षेत्र) का हिस्सा था। मुझे चन्नपटना से प्यार है, मैं चन्नपटना की मदद करना चाहता हूं। मैं चन्नपटना को बदलना चाहता हूं। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके भाई और पूर्व सांसद डी के सुरेश चन्नपटना से चुनाव लड़ेंगे, उन्होंने कहा यह तय नहीं है। कमोबेश मैं अपने लिए वोट मांग रहा हूं। हालांकि पहले चर्चा थी कि सुरेश, जो हाल के चुनावों में बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से हार गए थे, चन्नपटना से मैदान में उतर सकते हैं, लेकिन अब राजनीतिक हलकों, खासकर पुरानी पार्टी में अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवकुमार अपने भाई की हार का बदला लेने और क्षेत्र में अपना दबदबा फिर से स्थापित करने के लिए मैदान में उतर सकते हैं।

भद्रा जलाशय के बैकवाटर में एक नाव डूबने से तीन की मौत

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नरसिम्हाराजपुर तालुक में भद्रा जलाशय के बैकवाटर में एक नाव डूबने से शिवमोग्गा के तीन पर्यटकों की मौत हो गई। मृतकों में शिवमोग्गा के विद्यानगर बरंगे के अदाखान (23), आदिल (19) और साजिद (24) शामिल थे।

मैरीडिब्बा के पास से बैकवाटर के मनोरम दृश्य का आनंद लेने के लिए चार युवक एक साथ पहुंचे थे। उनमें से एक किनारे पर बैठा था। बाकी तीनों ने नाव किनारे कर लिया और कुछ दूर तक बैकवॉटर में चले गए। चूँकि वे नाव चलाना नहीं जानते थे, नाव पलट गया और पानी में डूब गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, नाव का मालिक भी वहां नहीं था। पुलिस और दमकल कर्मी शवों की तलाश कर रहे हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक विक्रम आमटे ने कहा कि बुधवार रात 8 बजे तक तलाश की गई। हालाँकि, कोई शव नहीं मिला और ऑपरेशन गुरुवार को भी जारी रहा।

कैबिनेट ने केजीएफ खदान पट्टे पर दी सहमति: कानून मंत्री

मानसून सत्र की तारीख मुख्यमंत्री करेंगे तय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि विधानमंडल के दोनों सदनों के मानसून सत्र की तारीख तय करना मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के विवेक पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को कैबिनेट की बैठक हुई और तारीख मुख्यमंत्री तय करेंगे।

कैबिनेट बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने केजीएफ खदान पट्टे पर सहमति दे दी है और 1300 एकड़ क्षेत्र को पट्टे पर देने का अवसर मिलेगा। इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। पुनः पट्टे देने से न केवल रोजगार पैदा होगा बल्कि औद्योगिक संपदा की स्थापना में भी आसानी होगी। इसलिए कैबिनेट की बैठक में विशेष अनुमति दी गयी है। प्रधानमंत्री उच्चतर अभियान योजना के तहत राज्य के 6 विश्वविद्यालयों के उन्नयन के लिए 279.77 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के अनुदान के तहत बुनियादी ढांचे और अन्य कार्य किये जायेंगे। कैबिनेट ने 29.19 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से राज्य के सभी सरकारी स्कूलों और स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की योजना को लागू करने के लिए प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। राज्य के विभिन्न शहरी स्थानीय निकायों में संपत्ति कर और जल शुल्क की वसूली के लिए स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों की सेवाएं लेने पर सहमति दी गई है। इसे निगम, नगर परिषद, नगर पालिका, नगर पंचायत के दायरे में लागू किया जाएगा। 30 से 40 फीसदी बकाया वसूल नहीं हो पाता है। इस प्रकार, स्वयं सहायता समितियों को एकत्र करने का अवसर दिया गया है, और प्रगति पथ योजना के तहत समितियों को 5 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि उपलब्ध होगी। 5,190 करोड़ रुपये की लागत से 7,110 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया जाएगा। लागत पर क्रियान्वयन हेतु प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक से ऋण प्राप्त कर 2 वर्ष के अन्दर सड़क का कार्य पूर्ण कराया जाएगा। रोटरी इंटरनेशनल के साथ साझेदारी में 2.37 करोड़ रुपये की लागत से कर्नाटक एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के तहत आवासीय विद्यालयों के छात्रों के लिए व्यापक व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। कैबिनेट ने राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों, सरकारी स्वामित्व वाले संस्थानों और शैक्षणिक संस्थानों में 26 नवंबर को संविधान दिवस और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के चित्र के साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चित्र अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि मैसूरु के केआर अस्पताल के परिसर में 75 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक नए बाह्य रोगी विभाग के निर्माण के लिए प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय की 33 इकाइयों को विशेष पुलिस स्टेशन घोषित किया गया है और इन स्टेशनों के प्रबंधन के लिए आवश्यक 450 विभिन्न पदों को मंजूरी दी गई है।

गोली लगने से दो की मौत

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के होयसला नगर में गुरुवार को दो लोग गोली लगने से मृत पाए गए। पुलिस मृतक की पहचान का पता लगाने की कोशिश कर रही है। उन्हें संदेह है कि एक व्यक्ति ने दूसरे को गोली मारी और फिर खुद को गोली मार ली।

घटना दोपहर करीब 12.30 बजे हुई। इलाके के अन्य निवासियों के अनुसार, दो लोग खाली जगह पर चर्चा करते देखे गए। बाद में, उनके पड़ोसियों ने गोलियों की आवाज सुनी और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति जमीन पर पड़ा था जबकि दूसरा कार के अंदर था। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। हासन के पुलिस अधीक्षक मोहम्मद सुजीता ने मीडियाकर्मियों को बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, एक व्यक्ति ने दूसरे को गोली मारी और फिर खुद को गोली मार ली। मौके पर एक हथियार मिला है। उन्होंने कहा वे दोपहर करीब 12.30 बजे यहां आए। कार मैसूरु में पंजीकृत है। हम उनकी पहचान का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। फोरेंसिक साइंस टीम मौके पर पहुंची। हम आगे की जांच के बाद ही अधिक जानकारी साझा कर सकते हैं।

युद्ध स्तर पर चल रही है अमरनाथ यात्रा की तैयारी

29 जून से शुरू होगी बाबा बर्फानी के दर्शन की यात्रा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 20 जून।

इस साल 29 जून से 52 दिन लंबी वार्षिक अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है। पहलगाम-चंदनवाड़ी और बालटाल दोनों ट्रैक पर पवित्र गुफा तक बिना किसी परेशानी के तीर्थयात्रा की व्यवस्था युद्ध स्तर पर चल रही है। पवित्र गुफा तक बालटाल ट्रैक पर बर्फ हटाने का काम लगभग पूरा हो चुका है, जबकि नुनवान-चंदनवाड़ी ट्रैक पर महागुनस टॉप और पोशपथरी के दो पैच अभी भी बर्फ से साफ नहीं हुए हैं, जिन पर काम चल रहा है। इन दो पैच से भी कुछ दिनों में बर्फ हटा दी जाएगी। बालटाल और नुनवान के बेस कैंपों पर कैंप स्थापित किए गए हैं। बालटाल और चंदनवाड़ी में एक-एक 100 बिस्तरों वाले दो अस्पताल भी स्थापित किए गए हैं और तीन से चार दिनों में काम करना शुरू कर देंगे।

इन अस्पतालों का प्रबंधन अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) द्वारा किया जाएगा और इनका संचालन जम्मू कश्मीर स्वास्थ्य सेवा विभाग के माध्यम से किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय के 2012 के निर्देशों के अनुपालन में तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए दोनों तरफ से ट्रैक को बेहतर बनाया गया है तथा इसे

12 फीट तक चौड़ा किया गया है। इसके अलावा, पूरे यात्रा क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की जा रही है तथा इसका कार्य जम्मू-कश्मीर सरकार के ग्रामीण स्वच्छता निद-शालय को सौंपा गया है। इसके अलावा, दोनों आधार शिविरों में पानी, बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की गई है, जबकि ऊपरी क्षेत्रों में ये व्यवस्थाएं अग्रिम चरण में हैं तथा कुछ दिनों में पूरी हो जाएंगी।

अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर सेवाओं की व्यवस्था की गई है तथा बालटाल ट्रैक पर श्रीनगर से पहलगाम तथा श्रीनगर से नीलग्राथ तक सीधी हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। पवित्र गुफा के निकट 2022 की आपदा के मद्देनजर, एसएएसबी ने तीर्थयात्रियों और सेवा प्रदाताओं की समग्र सुरक्षा के लिए पवित्र गुफा से सटे आपदा संभावित क्षेत्रों के पास कोई भी शिविर स्थापित नहीं करने का फैसला किया है।

पवित्र गुफा के निकट 2022 में आपदा का कारण बनने वाले नाले को भी दोनों तरफ सुरक्षा दीवार का निर्माण करके और तल को गहरा करके नियंत्रित कर दिया गया है ताकि जब पानी उफान पर हो तो पवित्र गुफा के नीचे बहने वाली उमरावती धारा में पानी बह सके। इसके अलावा, पवित्र गुफा और निचली पवित्र गुफा क्षेत्र में लगभग 10 घाटों का निर्माण किया गया है, जहां पर्याप्त संख्या में तीर्थ यात्रा अनुष्ठान स्नान कर सकते हैं, जो गुफा मंदिर में दर्शन से पहले अनिवार्य है।

एहतियात के तौर पर तीर्थयात्रियों और सेवा प्रदाताओं की सुरक्षा हेतु दोनों पटरियों पर लगभग 14 किमी क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों को दोनों तरफ से रेलिंग से ढक दिया गया है। दोनों ट्रैक पर दो दर्जन पुल भी बनाए गए हैं। बालटाल ट्रैक के जरिए देश के विभिन्न हिस्सों से पवित्र गुफा आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए श्रीनगर के पंथा चौक पर नवनिर्मित तीन मंजिला यात्री निवास का उपयोग इस साल तीर्थयात्रियों के आरामदायक आवास के लिए किया जाएगा। बालटाल ट्रैक और नुनवान-चंदनवाड़ी मार्ग से पवित्र गुफा तक दोनों ट्रैक पर लंगर स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है।

पहले की तरह अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिटी चिप अनिवार्य कर दी है और इसके बिना किसी भी यात्री को तीर्थयात्रा पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस बीच, इस साल वार्षिक तीर्थयात्रा पर जाने वाले साधु देश के विभिन्न हिस्सों से यहां पहुंचने लगे हैं। साधु यहां पुरानी मंडी मंदिर पहुंच गए हैं, जहां मंदिर प्रबंधन हर साल उनके लिए मुफ्त लंगर चलाने के अलावा उनके रहने की भी व्यवस्था करता है।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में हिमालय की गहराई में 3880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा की 52 दिवसीय वार्षिक अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को रक्षाबंधन के त्यौहार के साथ ही श्रावण पूर्णिमा पर समाप्त होगी। इस साल देशभर में तीर्थयात्रियों का ऑनलाइन पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू हो गया था।

तमिलनाडु जहरीली शराब कांड

अन्नामलाई ने सीबीआई जांच की मांग की

तमिलनाडु सरकार पर बरसी शशिकला

चेन्नई, 20 जून (एजेंसियां)।

तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में अवैध शराब पीने से 34 लोगों की मौत हो गई। इस मामले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई गृह मंत्री को पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की है। वहीं पूर्व अन्नाद्रमुक नेता वीके शशिकला ने कहा कि राज्य सरकार इसकी जिम्मेदारी ले।

तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में अवैध शराब कांड मामले को भले ही राज्य की स्टालिन सरकार ने जांच के लिए सीबी-सीआईडी की सौंप दिया है।

लेकिन विपक्ष इस मामले को लेकर पूरी तरह हमलावर है। जहरीली शराब पीने से हुए मामले में अब तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 50 से ज्यादा लोगों का अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। शराब कांड के बाद पूर्व एआईएडीएमके नेता वीके शशिकला ने कल्लाकुरिची सरकारी मेडिकल कॉलेज में पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात की। तमिलनाडु की पूर्व सीएम जयललिता की करीबी वीके शशिकला ने कहा कि राज्य सरकार को इस पूरे शराब कांड की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

शशिकला ने कहा कि हर साल शराब से होने वाली मौतें लगातार बढ़ रही हैं, घट नहीं रही हैं। इस घटना के जिम्मेदार व्यक्ति को एक हफ्ते में गिरफ्तार किया जाए। सरकार को इस मामले में अधिकारी के तबादले की जगह निलंबित करना चाहिए। अगर सरकार इस मामले में कार्रवाई नहीं करेगी तो लोग कार्रवाई करेंगे। मेरा मानना है कि बिना सरकार की जानकारी के बिना यह घटना घटित हुई होगी।

तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष कुप्पुसामी अन्नामलाई ने भी कल्लाकुरिची सरकारी अस्पताल में पहुंचकर शराब कांड के पीड़ितों से मुलाकात की। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत के दौरान के. अन्नामलाई ने कहा कि शराब कांड में मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। पिछले चार घंटे में हमने सभी पीड़ितों के घर पहुंचे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि तमिलनाडु भाजपा सभी मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपए की मदद देगी। इस मामले में हमारे वरिष्ठ उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में एक कमेटी सभी के घरों पर जाएंगे। और वो एक केंद्रीय योजना पर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे जो इन घरों तक पहुंचनी चाहिए।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि जहां तक डीएमके की बात है, यह काफी निराशाजनक है कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अभी तक कल्लाकुरिची नहीं पहुंचे हैं। लेकिन वो अपने बेटे उदयनिधि स्टालिन को भेज रहे हैं। ऐसे समय में भी वे वंशवादी राजनीति करना चाहते हैं। हम मांग करते हैं कि मुख्यमंत्री जल्द से जल्द कल्लाकुरिची का दौरा करें और अगले 24 घंटों में मद्य निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री को बर्खास्त करें। शनिवार को भाजपा अपनी मांग को लेकर राज्यव्यापी प्रदर्शन करेगी। अन्नामलाई ने कहा, अगर हमारी मांगें पूरी नहीं हुईं तो हम चेन्नई कोटाई तक मार्च करेंगे।

कल्लाकुरिची में अवैध शराब कांड को लेकर के अन्नामलाई ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की है। इससे पहले अन्नामलाई ने आरोप लगाया था कि डीएमके पार्टी के पदाधिकारियों और स्थानीय स्तर पर शराब बेचने वालों के बीच मिलीभगत की वजह से ये घटना हुई है। और ये घटना कोर्ट और पुलिस स्टेशन से कुछ मीटर की दूरी पर हुई है।

यूट्यूबर अजीत भारती की गिरफ्तारी की कोशिश कर्नाटक सरकार की तानाशाही: भाजपा

बेंगलुरु, 20 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने गुरुवार को प्रमुख हिंदूवादी कार्यकर्ता एवं यूट्यूबर अजीत भारती की गिरफ्तारी के हालिया प्रयास के लिए राज्य की सिद्दारमैया सरकार की तीखी आल-ोचना की।

श्री येदियुरप्पा ने इस कदम को तानाशाही वाला कदम कहा जिसका उद्देश्य असहमति का मुंह बंद कराना और विपक्षी आवाजों को दबाना है। उनकी गिरफ्तारी के प्रयास ने भाजपा में आक्रोश उत्पन्न कर दिया है, जिसने राज्य सरकार पर कानून-व्यवस्था के महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के बदले राजनीतिक विरोधियों को लक्षित करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

श्री विजयेंद्र ने एक्स पर कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का अजीत भारती को मनमाने तरीके से गिरफ्तार करने का प्रयास पूरी तरह तानाशाही है, कर्नाटक भाजपा उनके साथ मजबूती से खड़ी है और इस मामले को लड़ने के लिए उन्हें सभी आवश्यक समर्थन प्रदान करेगी।

श्री येदियुरप्पा ने कहा कि यह घटना मौजूदा प्रशासन की शासन की विफलता को दर्शाती है, जो श्री सिद्दारमैया को बाहरी ताकतों के नियंत्रण वाले व्यक्ति के रूप में चित्रित करती है। विपक्षी दल ने कानून व्यवस्था की स्थिति को ठीक करने और अजीत भारती जैसे कार्यकर्ताओं का राजनीतिक रूप से प्रेरित उत्पीड़न रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया है।

श्री विजयेंद्र ने यह भी दावा किया कि वर्तमान प्रशासन के अंतर्गत, कर्नाटक में आपराधिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें हाई-प्रोफाइल हत्याएं और महिलाओं का उत्पीड़न शामिल है, जिसे सरकार ने कथित रूप से नजरअंदाज किया है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि राजनीतिक प्रतिशोध में शामिल करने के लिए पुलिस बल और संसाधनों को सार्वजनिक सुरक्षा से हटाया जा रहा है।

आठ लोकसभा सीटों पर ईवीएम सत्यापन की मांग

चुनाव आयोग को मिले प्रत्याशियों के आवेदन

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग को लोकसभा चुनाव में ईवीएम से छेड़छाड़ के मामले में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस सहित आठ उम्मीदवारों के आवेदन प्राप्त हुए हैं।

इससे पहले सर्वोच्च अदालत ने 26 अप्रैल को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में हेरफेर के संदेह को निराधार बताया था। इसके साथ ही पेपर बैलेट प्रणाली को बहाल करने की मांग को भी खारिज किया गया था। हालांकि उसी दौरान सर्वोच्च अदालत ने असफल उम्मीदवारों को एक विकल्प दिया था। अदालत ने

कहा था कि चुनाव परिणाम में दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वाले उम्मीदवार प्रत्येक चुनावी क्षेत्र से पांच प्रतिशत ईवीएम के सत्यापन के लिए लिखित अनुरोध कर सकते हैं। कोर्ट ने इस प्रक्रिया के लिए चुनाव आयोग को एक निश्चित शुल्क निर्धारित करने की अनुमति दी थी।

महाराष्ट्र के अहमदनगर से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार सुजय विखे पाटिल ने 40 मतदान केंद्रों की मशीनों के सत्यापन की मांग की है। पाटिल को लोकसभा चुनाव में राकांपा (एसपी) प्रत्याशी नीलेश लंके ने हराया था। इसके अलावा भाजपा उम्मीदवारों ने तमिलनाडु के वेल्लोर और तेलंगाना की जहीराबाद सीटों से ईवीएम सत्यापन की मांग की है। हरियाणा की करनाल और फरीदाबाद सीट, छत्तीसगढ़ की कांकेर सीट से कांग्रेस उम्मीदव-ारों ने ईवीएम सत्यापन की मांग की है। चुनाव आयोग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार आंध्र प्रदेश में युवजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआ-रसीपी) और तमिलनाडु में देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम (डीएमडीके) के एक-एक उम्मीदवार ने भी सत्यापन के लिए आवेदन किया है। चुनाव आयोग के मुताबिक कुल छह राज्यों की आठ संसदीय सीटों के उम्मीदव-ारों ने ईवीएम के सत्यापन की मांग की है। कुल मिलाकर 92 मतदान केंद्रों की मशीनों के सत्यापन की मांग की गई है।

एक जून को चुनाव आयोग द्वारा मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई थी। दूसरे या तीसरे स्थान पर आने वाले उम्मीदवार अगर ईवीएम का सत्यापन कराना चाहते हैं तो उन्हें प्रति ईवीएम 47200 रुपए का भुगतान करना होगा।

तिहाड़ में बंद केजरीवाल को मिली जमानत आज बाहर आने की संभावना

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।

दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के आरोप में 21 मार्च को गिरफ्तार और तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गुरुवार को यहां एक विशेष अदालत ने बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी।

राऊज एवेन्यू स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अवकाशकालीन न्यायाधीश नियाय बिंदू ने केजरीवाल और ईडी की दलीलें दो दिनों तक सुनने के बाद गुरुवार देर शाम जमानत संबंधी अपना आदेश पारित किया। अदालत ने उन्हें एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया।

आदेश पारित होने के बाद ईडी ने जमानत को उच्च न्यायालय में चुनौती देने की दलील देते हुए विशेष अदालत से अनुरोध किया कि जमानत बांड पर हस्ताक्षर को 48 घंटे के लिए टाला जा सकता

है, लेकिन विशेष न्यायाधीश ने ईडी की इस गुहार को ठुकराते हुए आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि जमानत बांड कल ड्यूटी जज के समक्ष पेश किया जाना है। आम आदमी पार्टी (आपा) के संयोजक केजरीवाल की जमानत बांड संबंधी प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुक्रवार को जेल से बाहर निकालने की संभावना है।

सुनवाई के दौरान केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील विक्रम चौधरी ने ईडी द्वारा पेश की गई सामग्री की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि मामले में गवाहों, माफी दिए गए और सरकारी गवाह बन गए लोगों के बयानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि आम चुनाव की घो-षणा के तुरंत बाद याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया था, जिससे एजेंसी की जांच की निष्पक्षता पर संदेह होता है।

श्री चौधरी ने अदालत के समक्ष यह भी दलील दी कि केजरीवाल को अभी तक सीबीआई द्वारा गिरफ्तार नहीं किया गया है। सीबीआई ने उन्हें मामले में गवाह बताया था। उन्होंने यह भी दलील दी कि केजरीवाल के मामले की तुलना पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के मामले से नहीं की जा सकती, क्योंकि उन्हें सीबीआई और ईडी दोनों ने गिरफ्तार किया था। वरिष्ठ अधिवक्ता ने मामले में मुख्यमंत्री केजरीवाल को फंसाने के लिए सह आरोपियों चनप्रीत सिंह, विनोद चौहान और विजय नायर को शामिल करने की ईडी की कोशिश पर भी सवाल उठाया।

ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने जमानत का जोरदार विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने जांच के दौरान सहयोग नहीं किया। केजरीवाल ने अपने मोबाइल फोन का पासवर्ड भी नहीं बताया था, जो सामान्य आपराधिक मामले में इनकार करने का आधार भी हो सकता है। इससे पहले विशेष अदालत ने श्री केजरीवाल को अपने खराब स्वास्थ्य जांच के लिए सात दिनों की अंतरिम जमानत देने से पांच जून को इनकार कर दिया गया था। उच्चतम न्यायालय ने हालांकि श्री केजरीवाल को लोकसभा चुनाव प्रचार में भाग लेने ने के लिए 10 मई को एक जून तक की अंतिम जमानत दी थी। शीर्ष अदालत ने उन्हें दो जून को जेल प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण करने का भी निर्देश दिया था, जिसका उन्होंने पालन किया था।

आप संयोजक को दिल्ली आबकारी नीति -2021-22 (जो विवाद के बाद रद्द कर दी गई थी) में कथित घोटाले में ईडी ने 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया था। श्री केजरीवाल को गिरफ्तार करने वाली ईडी ने उन पर मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप लगाया है। उन पर पूर्व के गोवा विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए 100 करोड़ रुपये गलत तरीके से हासिल करने का आर-ोप है। श्री केजरीवाल ने ईडी की ओर से अपनी गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती दी थी।

पानी नहीं छोड़ने के दिल्ली सरकार के आरोप निराधार और तथ्यों से परे : डॉ. यादव

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा के सिंचाई एवं जल संसाधान राज्य मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने गुरुवार को जल संकट को लेकर दिल्ली सरकार के आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि हरियाणा दिल्ली को उसके हिस्से का पूरा पानी दे रहा है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में पानी की किल्लत केवल दिल्ली की आंतरिक खराब व्यवस्था के कारण है। हरियाणा पानी पर राजनीति नहीं करता क्योंकि हम पानी को आवश्यकता के रूप में देखते है। राष्ट्रीय राजधानी को पानी मिले यह सबकी जिम्मेदारी है और हम दिल्ली को पानी देने में कोई कमी नहीं कर रहे है। उन्होंने कहा कि निर्धारित 719 क्यूसेक से अधिक 1050 क्यूसेक पानी हरियाणा दे रहा है।

डॉ. अभय यादव ने आज दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में पत्रकारों को आकंड़ो के साथ हरियाणा द्वारा दिल्ली को दिए जा रहे

जलापूर्ति की जानकारी दी। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। सिंचाई राज्य मंत्री ने कहा कि पानी को लेकर दिल्ली सरकार राजनीतिक ड्रामेबाजी कर रही है। समय-समय पर अलग-अलग एजेंसियों की ओर से बार-बार आंकड़े दिए गए हैं। हरियाणा द्वारा दिया गया डाटा सही पाया गया है। एक भी एजेंसी यह नहीं कह सकती कि हरियाणा ने पानी कम दिया है। दिल्ली सरकार अपने कुप्रबंधन को ठीक करने की बजाय बार-बार हरियाणा पर आरोप लगा रही है। हरियाणा नियमित रूप से दिल्ली को पानी की पूर्ण अधिकृत हिस्सेदारी की आपूर्ति कर रहा है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली द्वारा 13 जून को उच्चतम न्यायालय के समक्ष दायर याचिका का उत्तर देते हुए हरियाणा सरकार ने 23 मई से 12 जून तक की अवधि के लिए दिल्ली संपर्क बिंदु, बवाना पर आपूर्ति किए गए पानी का डेटा प्रस्तुत किया है। जिसमें बताया गया कि हरियाणा मुनक हेड पर दिल्ली के लिए 1050 क्यूसेक पानी लगातार छोड़ रहा है और दिल्ली संपर्क बिंदु बवाना प्वाइंट पर यूवाईआरबी द्वारा तय 924 क्यूसेक से अधिक पानी दिया जा रहा है।

आमजन की पीड़ा का समय से निस्तारण करें: सीएम योगी

जनता दर्शन में सीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन किया। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न कोनों से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने मुख्यमंत्री को अपनी पीड़ा सुनाई। सीएम ने प्रत्येक पीड़ितों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के अंदर समाधान के निर्देश दिए। जनता दर्शन कार्यक्रम में महिलाएं, पुरुष व युवाओं ने अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह ही अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' में पहुंचे प्रत्येक पीड़ितों से मुलाकात की। सीएम ने उनकी समस्याओं को सुना, फिर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीड़ितों को समय सीमा के अंदर न्याय मिले। किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दर्शन में पुलिस की प्रताड़ना से सम्बंधित शिकायत को मुख्यमंत्री ने गम्भीरता से लिया। बोले कि पीड़ितों के प्रति पुलिस संवेदनशील रहे और स्थानीय स्तर पर ही सुनवाई सुनिश्चित होती रहे। वहीं उपचार के लिए आर्थिक सहायता के प्रार्थना पत्र भी आए, जिस पर मुख्यमंत्री ने कागजी कार्रवाई कर मरीजों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जमीन पर कब्जे की शिकायत को लेकर आए पीड़ितों को भी सीएम ने आश्वस्त किया कि कहीं भी ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि जमीन कब्जा की शिकायत पर सख्ती बरतते हुए इस पर अंकुश लगाया जाए। वहीं युवाओं ने भी अपनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को रूबरू कराया, जिस पर उन्हें भी त्वरित समाधान का आश्वासन मिला। सीएम ने सभी प्रार्थना पत्रों का समय सीमा के अंदर निस्तारण कर पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने का भी निर्देश दिया।

चुनाव खत्म होते ही ढेर होने लगे अपराधी

अपराधियों के खिलाफ यूपी पुलिस का अभियान तेज

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। यूपी में निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव के साथ ही विभिन्न पर्व-त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न कराने वाली यूपी पुलिस का इकबाल एक बार फिर बुलंदी पर है। अपराध और अपराधियों के विरुद्ध मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीरो टॉलरेंस की नीति को अमलीजामा पहनाने में जुटी यूपी पुलिस की निगाहें अपराधियों के खिलाफ दोबारा टेढ़ी हो चुकी हैं। बीते 15 दिनों की रिपोर्ट पर नजर डालें तो बदमाशों के खिलाफ चली 79 ताबड़तोड़ कार्रवाई से अपराधियों के पांव एक बार फिर उखड़ने शुरू हो गये हैं। 4 जून से 19 जून के बीच हुए इन मुठभेड़ों में दो दुर्दांत बदमाशों को ढेर किया जा चुका है, जबकि 96 अपराधी घायल हुए हैं। एनकाउंटर के दौरान अब तक 139 बदमाशों को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है। हालांकि इन मुठभेड़ों के दौरान सात पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के अनुसार राज्य स्तर के चिह्नित 68 माफिया गैंग के सदस्य और सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। अब तक विभिन्न माफिया गिरोह के 9 सदस्यों के खिलाफ विभिन्न स्तरों पर कार्रवाई की गई है। इनमें से तीन की गिरफ्तारी की जा चुकी है, जबकि 1 के खिलाफ गैंगस्टर और 2 के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

2027 तक यूपी को मलेरिया मुक्त कर देगी सरकार

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार वर्ष 2027 तक प्रदेश को मलेरिया मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में योगी सरकार मलेरिया के हर केस की जांच व हर मरीज के पूर्ण इलाज पर जोर दे रही है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जून को मलेरिया रोधी माह के तौर पर मनाया जा रहा है। बता दें कि प्रदेश में इस साल अब तक 771 मलेरिया के मरीज मिले हैं।

मलेरिया उन्मूलन की दिशा में आ रही चुनौतियों को दूर करने के लिए भारत ने देश के विभिन्न हिस्सों में बेहतर केस रिपोर्टिंग और प्रबंधन पर ज़ोर दिया है। वेक्टर नियंत्रण प्रक्रिया मे तेजी लाते हुए निरंतर महामारी विज्ञान और कीट विज्ञान निगरानी को बढ़ाया है।

साथ ही सामुदायिक भागीदारी, प्रशिक्षण और क्षमता विकास पर बल दिया है। साथ ही क्षेत्रीय रणनीति तैयार कर उन्मूलन के लिए प्रतिबद्धता दर्शायी है। राज्य मलेरिया अधिकारी डॉ. विकास सिंघल ने बताया कि मलेरिया मामलों की रिपोर्टिंग और पूर्ण उपचार सुनिश्चित करने पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। वास्तव में यह सुनिश्चित करने के लिए हर मामले की जांच और पूरा इलाज किया जाता है। सभी जिला मलेरिया अधिकारियों, संबंधित कर्मचारियों और प्रथम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया

गया है और सभी जिलों मे मलेरिया की जांच के लिए रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट उपलब्ध कराई गई है।

इस क्रम में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा अधिक से अधिक सर्वेक्षण कर बुखार पीड़ितों की मलेरिया की जांच की जा रही है। समुदाय में लोगों को मलेरिया से बचाव एवं लक्षणों के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

राज्य मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जून के आखिरी सप्ताह में मानसून आने की उम्मीद है। इस दौरान मच्छर जनित बीमारियां भी पनपती हैं। इनसे बचाव की व्यापक तैयारियों के मद्देनजर जून को मलेरिया माह के रूप मनाया जाता है। इसको लेकर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

मलेरिया मच्छर जनित बीमारी है, जो मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होती है। इसके परजीवी के शरीर में प्रवेश करने के बाद 14 से 21 दिन के अंदर बुखार आता है।

इससे बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि इसके लक्षणों को पहचान कर इसका समय से इलाज किया जाए। इसका पूर्ण इलाज और रोकथाम किया जा सकता है। लखनऊ की जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रितु श्रीवास्तव ने बताया कि मच्छर नियत्रंण के लिए इंसेक्टिसाइड का छिड़काव और फॉगिंग की जा रही है। समुदाय को जागरूक करने के लिए गोष्ठियां की जा रही हैं। शहरी क्षेत्र में इन्सेक्ट कलेक्टर द्वारा उन क्षेत्रों की पहचान की जा रही है, जहां मच्छरों का घनत्व अधिक है और वहां पर प्राथमिकता के आधार पर इंसेक्टिसाइड का छिड़काव और फॉगिंग की जा रही है। शहरी क्षेत्र में यह काम नगर निगम तथा ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत द्वारा किया जा रहा है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा डेंगू, मलेरिया से बचाव एवं लक्षणों के बारे में समुदाय को बताया जा रहा है एवं बुखार पीड़ितों की रैपिड डायग्नोस्टिक किट के द्वारा मलेरिया की जांच की जा रही है।

माफिया अतीक के भाई अशरफ की फरार पत्नी का घर ध्वस्त

प्रयागराज, 20 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद एक बार फिर से उत्तर प्रदेश में योगी सरकार का बुलडोजर काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने गुरुवार को माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ के ससुराल वालों पर बड़ी कार्रवाई की। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने अशरफ की पत्नी जैनब और उसके भाई फैजी के करोड़ों के मकान को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। अतीक और अशरफ की पिछले साल अप्रैल

में हत्या हो गई थी।

जैनब का यह मकान 400 वर्ग गज में बना हुआ था और कानपुर हाईवे से सटा हुआ था। इसकी कीमत करोड़ों में है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अनुसार यह मकान वक्फ बोर्ड की जमीन पर बनाया गया था। यानी यह सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा था।

इसी मामले में जैनब और उसके भाइयों पर वक्फ बोर्ड के केयरटेकर ने मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद राजस्व विभाग ने इसकी जांच की थी। इसके बाद पता चला कि सलाहपुर में अशरफ के साले और जैनब ने वक्फ की जमीन पर कब्जा कर दुकान बनवा ली और उसे बेंच दी गई। बची जमीनों पर अपने लिए कोठियां बनवा ली।

अशरफ के साले और उसकी पत्नी के घर पर तीन बुलडोजर को चलवा कर ध्वस्त किया गया। इस मकान की कीमत करीब 3 करोड़ रुपए बताई जा रही है। सोमवार को भी जैनब की आलीशान कोठी पर बुलडोजर चलेगा। यह सबसे महंगी कोठी है। प्रशासन ने कहा कि अशरफ की पत्नी जैनब ने 50 करोड़ से अधिक की वक्फ संपत्ति पर कब्जा कर मकान बनवाया है और इसके ध्वस्तीकरण का आदेश जारी हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को फैमिली आईडी योजना की समीक्षा की और अफसरों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिवार आईडी से हर वंचित और गरीब को योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। ये ईज़ ऑफ लिविंग और गुड गवर्नेंस का आधार बनेगा।

माता विंध्यवासिनी देवी से जुड़ी कथाओं का शोकेस बनेगा

आर्ट गैलरी बनेगी माध्यम

लखनऊ/ मिर्जापुर, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिक चेतना के केंद्रों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने श्री काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या के कायाकल्प के बाद मिर्जापुर में माता विंध्यवासिनी देवी के धाम को भी नव्य-भव्य रूप देने की शुरुआत कर दी है। यहां आने वाले भक्तों को अब माता विंध्यवासिनी की लीलाओं से जुड़ी कथाओं और तीर्थ के महात्म्य को दर्शाने वाली विभिन्न कलाकृतियों को आर्ट गैलरी के माध्यम से शोकेस किया जाएगा। आर्ट गैलरी के निर्माण ये यहां आने वाले पर्यटकों को आस्था, कला और संस्कृति का अनुपम संगम देखने को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भगवती विंध्यवासिनी आद्या महाशक्ति हैं तथा विन्ध्याचल सदा से उनका निवास-स्थान रहा है।

यही कारण है कि विंध्यगिरी को एक जागृत शक्तिपीठ माना जाता है और न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश-दुनिया से भक्त माता विंध्यवासिनी के चरणों में निरंतर शीश नवाने आते हैं।

विंध्य कॉरिडोर योजना के अंतर्गत मां विंध्यवासिनी माता मंदिर के अंतर्गत परिक्रमा पथ समेत विभिन्न प्रकार के निर्माण व विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

इसी क्रम में, आर्ट गैलरी के निर्माण के जरिए विंध्य क्षेत्र के पर्यटन विकास की प्रक्रिया को और बल मिलेगा। गौरतलब है कि सीएम योगी की मंशा अनुरूप मिर्जापुर व विंध्य क्षेत्र के समेकित विकास का जो खाका खींचा गया था उसे क्रियान्वित करते हुए सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। यही कारण है कि आर्ट गैलरी के निर्माण कार्य को गति देने की प्रक्रिया भी तेज हुई है।

आर्ट गैलरी के निर्माण का जिम्मा यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को सौंपा गया है। यूपीपीसीएल द्वारा कार्यों की पूर्ति के लिए स्पेशलाइज्ड एजेंसियों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ई-निविदा माध्यम के जरिए संबंधित एजेंसियों की नियुक्ति के लिए यूपीपीसीएल ने आवेदन मांगे हैं। गौरतलब है कि आर्ट गैलरी से संबंधित सभी निर्माण कार्यों को 3.43 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। कार्यावंटन के बाद नियुक्त एजेंसियों को वर्षा अवधि के अतिरिक्त 6 माह में सभी निर्माण कार्यों को पूर्ण किया जाएगा।

विंध्य कॉरिडोर योजना के अंतर्गत मां विंध्यवासिनी माता मंदिर के अंतर्गत परिक्रमा पथ परकोटा (ए ब्लॉक से लेकर एच ब्लॉक तक) बनाया जा रहा है। परकोटों के छत पर ए ब्लॉक से लेकर एच ब्लॉक तक कुल आठ केंद्र बिंदु हैं। 16 स्थानों पर मंदिर का अलग-अलग गुम्बद नुमा डिजाइन पत्थरों से बनाया जा रहा है। यहां देवी-देवताओं की मूर्तियों की स्थापना की जाएगी जो मां विंध्यवासिनी मंदिर की छत से इसकी भव्यता और दिव्यता प्रदर्शित करेगी। इसके अतिरिक्त, गलियों का चौड़ीकरण करने के पश्चात सड़क के बीच डिवाइडर का भी निर्माण कार्य चल रहा है। डिवाइडर को तरह-तरह के रंग बिरंगे पौधे, आर्क लैंप्स और रौशनी सज्जा युक्त किया जाएगा।

नोएडा एयरपोर्ट के पास आम लोगों को मिलेंगे सस्ते घर

यमुना सिटी में 6000 सस्ते प्लॉट्स की योजना प्रस्तावित

लखनऊ/नोएडा, 20 जून (एजेंसियां)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास अपने मकान का सपना देखने वाले प्रदेश के लोगों के लिए यह हकीकत बन सकता है। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास जल्द ही एक प्लॉट स्कीम लाने जा रहा है, जिसमें करीब 6 हजार प्लॉट्स को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है। उल्लेखनीय है कि यीडा क्षेत्र में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विकासकर्ता के चयन के बाद प्राधिकरण क्षेत्र में स्थित विभिन्न संपत्तियों के आवंटन के लिए जन सामान्य ने रुचि दिखाई है। प्राधिकरण की विगत आवासीय भूखंड योजना में लगभग 1.50 लाख से अधिक आवेदकों द्वारा भूखंड आवंटन के लिए आवेदन किया गया था। इसके बाद से ही प्राधिकरण क्षेत्र के अंतर्गत आर्थिक रूप से दुर्बल एवं निम्न आय वर्ग के लिए छोटे आकार के भूखंडों का नियोजन और आवंटन किए जाने की आवश्यकता जताई जा रही है।

यीडा के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि प्राधिकरण तेजी से इस योजना की तैयारी कर रहा है। प्राधिकरण के द्वारा सेक्टर 16, 17, 18, 20 व 22 डी में 60 वर्ग मीटर से 4000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल तक के लगभग 28900 भूखंडों का आवंटन किया गया है, जिसमें इनफॉर्मल सेक्टर के लिए चिह्नित भूमि पर 30 वर्ग मीटर के भूखंडों की योजना प्रस्तावित है। प्राधिकरण की ओर से कोशिश की जा रही है कि छोटे प्लॉट्स आम आदमी की पहुंच में हों। 30 वर्ग मीटर के एक भूखंड का कुल प्रीमियम वर्तमान आवंटन दर पर 25,900 रुपए प्रति वर्ग मीटर के अनुसार 7 लाख 77 हजार रुपए होगा। यमुना एक्सप्रेस-वे दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, आगरा, मथुरा, अलीगढ़ के बीच स्थित है। यह फरीदाबाद से भी कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इसलिए यह स्कीम बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस योजना में आरक्षण का भी प्राविधान किया जाना प्रस्तावित है। इसमें सर्वाधिक 25 प्रतिशत आरक्षण उन वर्कर्स को दिया जाएगा जो यीडा द्वारा आवंटित कार्यरत औद्योगिक इकाइयों में काम कर रहे हैं। इसके साथ ही 5 प्रतिशत आरक्षण यीडा द्वारा आवंटित कार्यरत संस्थाओं के कर्मचारियों को प्रदान किया जाएगा।

ग्रामीण कौशल योजना में 2.35 लाख युवा प्रशिक्षित हुए

1.25 लाख युवकों को मिला रोजगार

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत योगी सरकार ग्रामीण युवाओं की क्षमता को पहचान कर उन्हें उनकी रुचि के आधार पर रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। इस योजना के तहत अब तक 2,35,334 ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है और 1,25,822 युवाओं को सेवायोजित किया गया है। यह योजना विशेष रूप से बीपीएल सूची में शामिल परिवारों के 15-35 आयु वर्ग के सदस्यों (महिलाओं के लिए 15-45 वर्ष), मनरेगा के श्रमिकों, बेरोजगारों, अल्प शिक्षित अथवा स्कूल ड्रॉपआउट को लक्ष्य बनाती है।

उल्लेखनीय है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 98वें जन्मदिन के अवसर पर भारत सरकार ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना का शुभारंभ किया था। इस योजना का उद्देश्य गरीब ग्रामीण युवाओं को नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ना है। उत्तर प्रदेश में यह योजना उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित की जा रही है।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि इस योजना के तहत, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ग्रामीण युवाओं की क्षमता को पहचान कर उन्हें उनकी रुचि के आधार पर रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

युवाओं को आधुनिक कक्षाओं और लैब में प्रशिक्षण के साथ-साथ नि:शुल्क आवास, भोजन, प्रशिक्षण सामग्री, यूनिफॉर्म आदि की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। विभिन्न विषयों जैसे अपैरल, ऑटोमोटिव, ब्यूटी एंड वेलनेस, कैपिटल गुड्स, कंस्ट्रक्शन, डॉमेस्टिक वर्क्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर, फूड प्रोसेसिंग, ग्रीन जॉब्स, लेदर, आईटी-आईटीईएस, लॉजिस्टिक्स, पावर, रिटेल, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट, टेलीकॉम, टेक्सटाइल, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी आदि के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स भी सिखाई जा रही हैं।

इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें अपने हुनर से स्वावलंबी बनाकर विकास के कीर्तिमान स्थापित करने में सक्षम बनाना है। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले युवाओं को कौशल से जोड़कर उनके भविष्य को उज्जवल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से कौशल से सशक्त बन रहे युवा बेहतर कल का निर्माण कर रहे हैं, जिससे विकसित गांव और विकसित प्रदेश का सपना साकार हो रहा है।

संपादकीय

गांधी उत्तर-दक्षिण के

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी पारिवारिक संसदीय सीट रायबरेली से ही सांसद रहेंगे, लेकिन केरल की वायनाड सीट से इस्तीफा देंगे। वायनाड से छोटी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा अपनी चुनावी सियासत की शुरुआत करेंगी। वैसे वह 2004 से कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार करती रही हैं। वह पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव भी हैं, लेकिन 20 लंबे सालों के बाद अब उन्हें चुनाव लडने का मौका मिल रहा है, क्योंकि वायनाड की राजनीति को भी सुरक्षित रखना है। यदि प्रियंका उपचुनाव में जीत हासिल कर लेती हैं, तो वह पहला मौका होगा, जब गांधी परिवार के तीनों सदस्य सांसद होंगे। भाई-बहन लोकसभा सांसद हो सकते हैं, जबकि मां सोनिया गांधी राज्यसभा सदस्य हैं। यदि मेनका-वरुण गांधी को भी 'गांधी परिवार' में गिना जाए, तो यह पहला मौका है कि मां-बेटा दोनों ही संसद में नहीं हैं। बहरहाल हम कांग्रेस के गांधी परिवार की बात कर रहे हैं। लंबे चिंतन और विमर्श के बाद राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोडने का फैसला किया है। वायनाड ने राहुल गांधी की राजनीति और सांसदी का अस्तित्व बचाए रखा था, क्योंकि 2019 में भाजपा की स्मृति ईरानी ने अमेठी सीट पर उन्हें पराजित कर दिया था। तब वह वायनाड से जीत कर संसद में पहुंचे थे। अब 2024 के चुनाव में भी वायनाड सीट पर उनका मुकाबला सीपीआई की वरिष्ठ नेता एनी राजा से था। केरल में वाममोर्चे की ही सत्ता है, लेकिन वायनाड में जातीय, मजहबी समीकरण ऐसे हैं और फिर मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन है, जिससे कांग्रेस उम्मीदवार की जीत लगभग तय हो जाती है। वायनाड से राहुल गांधी 3,64,422 वोट से विजयी हुए थे। केरल राज्य कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि डेढ़ साल बाद वहां विधानसभा चुनाव हैं। लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने एकतरफा जीत हासिल की है, लिहाजा कांग्रेस के भीतर विचार किया गया कि दक्षिण भारत को सहेज कर रखा जाए। चूंकि राहुल ने रायबरेली सीट भी 3,90,030 वोट से जीती है और उप्र में सपा के गठबंधन में कांग्रेस के 6 सांसद जीते हैं, बल्कि भाजपा को 33 सीट पर समेट दिया है। इस तरह भाजपा को 29 सीट का नुकसान हुआ है। कांग्रेस-सपा ने भाजपा को करारा राजनीतिक आघात दिया है। विधानसभा में कांग्रेस के मात्र 2 विधायक हैं, लिहाजा संसदीय चुनाव पार्टी के लिए 'वरदान' माने जा रहे हैं। अब कांग्रेस 2027 में विधानसभा चुनाव के लिए भी सपा के साथ गठबंधन बरकरार रखना चाहती है। कांग्रेस की खोई जमीन हासिल कर पार्टी को पुनरोत्थान के रास्ते पर लाना चाहती है, लिहाजा तय किया गया है कि उत्तरी भारत में राहुल गांधी कांग्रेस का चेहरा होंगे। दक्षिण में प्रियंका की भूमिका कितनी कारगर और सार्थक रहती है, यह वायनाड उपचुनाव के जनादेश के बाद की राजनीति से ही तय होगा। वैसे दक्षिण भारत कांग्रेस और गांधी परिवार पर अतिरिक्त भरोसा करता रहा है। कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस सरकारें हैं। इतिहास में जाएं, तो आपातकाल के बाद 1977 के चुनाव में इंदिरा गांधी हार गई थीं, तो उन्होंने कर्नाटक के चिकमंगलूर से उपचुनाव लड़ा और वह जीत कर लोकसभा पहुंची। 1980 के चुनाव में वह रायबरेली और आंध्रप्रदेश की मेडक दो सीटों पर चुनाव लड़ीं। दोनों पर ही विजयी रहीं, लेकिन उन्होंने रायबरेली से इस्तीफा दे दिया और संसद में मेडक का प्रतिनिधित्व किया। तब इंदिरा गांधी एक बार फिर देश की प्रधानमंत्री चुनी गई थीं। सोनिया गांधी ने पहला चुनाव कर्नाटक की बेल्लारी सीट से लड़ा और जीता। चूंकि तब वह अमेठी से भी चुनाव जीत गई थीं, लिहाजा बेल्लारी सीट छोड़ दी। कांग्रेस ने उत्तर-दक्षिण के गांधी भाई-बहन तय कर नई सियासत खेली है। उसकी सफलता अभी देखनी है। बहरहाल सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि क्या अब राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने को सहमत होंगे? यदि वह तैयार होते हैं, तो राजनीति के समीकरण बदलेंगे और राहुल को ज्यादा गंभीर और अध्ययनशील होना पड़ेगा। इस पद के लिए शशि थरूर और गौरव गोगोई के नाम भी लिए जा रहे हैं।

> राहुल गांधी अपनी पारिवारिक संसदीय सीट रायबरेली से ही सांसद रहेंगे, लेकिन केरल की वायनाड सीट से इस्तीफा देंगे। वायनाड से छोटी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा अपनी चुनावी सियासत की शुरुआत करेंगी। वैसे वह 2004 से कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार करती रही हैं। वह पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव भी हैं, लेकिन 20 लंबे सालों के बाद अब उन्हें चुनाव लड़ने का मौका मिल रहा है, क्योंकि वायनाड की राजनीति को भी सुरक्षित रखना है। यदि प्रियंका उपचुनाव में जीत हासिल कर लेती हैं, तो वह पहला मौका होगा, जब गांधी परिवार के तीनों सदस्य सांसद होंगे। भाई-बहन लोकसभा सांसद हो सकते हैं, जबकि मां सोनिया गांधी राज्यसभा सदस्य हैं। यदि मेनका-वरुण गांधी को भी 'गांधी परिवार' में गिना जाए, तो यह पहला मौका है कि मां-बेटा दोनों ही संसद में नहीं हैं। बहरहाल हम कांग्रेस के गांधी परिवार की बात कर रहे हैं। लंबे चिंतन और विमर्श के बाद राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़ने का फैसला किया है। वायनाड ने राहुल गांधी की राजनीति और सांसदी का अस्तित्व बचाए रखा था, क्योंकि 2019 में भाजपा की स्मृति ईरानी ने अमेठी सीट पर उन्हें पराजित कर दिया था। तब वह वायनाड से जीत कर संसद में पहुंचे थे।

गठबंधन सरकार को लेकर लोग आशंकाएं उठाएंगे लेकिन मोदी के अंदर सरकार चलाने तथा काम करने की इच्छा है

गठबंधन जनादेश का पूरा ध्यान रखेंगे मोदी

अवधेश कुमार

> 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगता कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सड़क परिवहन, रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही है। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगता कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सड़क परिवहन, रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही है। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं। उनकी आलोचना अभी भी जारी है और वे कह रहे हैं कि मोदी गठबंधन सरकार नहीं चला पाएंगे क्योंकि उनका स्वभाव ही गैर लोकतांत्रिक है। इस तरह की विरोधी आलोचनाओं पर टिप्पणी करने की जगह हमें समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए। यह बात सही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2001 से अभी तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रुप में कभी बहुमतविहीन सरकार नहीं चलाया। वह जिस तरह बड़े कठोर निर्णय साहस के साथ करते रहे हैं उनका ध्यान करते हुए अनेक लोगों का मानना है कि यह स्वभाव गठबंधन सरकार चलाने के रास्ते की बाधा बन जाएगा। गठबंधन सरकार को लेकर लोग आशंकाएं उठाएंगे लेकिन मोदी के अंदर सरकार चलाने तथा काम करने की इच्छा है। साथी दलों के सामने साथ मिलकर काम करने का जनादेश मिला है तो वो इसका ध्यान बिलकुल रखेंगे। वैसे मंत्रिमंडल गठन से लेकर विभागों के बंटवारे तक यह कहना कठिन है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दबाव में काम कर रहे हैं। थोड़े शब्दों में कहें तो नरेंद्र मोदी का 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल भारत के भविष्य को लेकर उनकी योजनाओं, राजनीतिक आवश्यकताओं, साथी दलों के बीच संतुलन बनाने के साथ अनुभव, उम्र आदि के बीच समन्वय बनाने की कोशिश है। पिछली सरकार के 37 मंत्री इसमें हैं। प्रधानमंत्री सहित कैबिनेट की संख्या 31 है। पिछली सरकार में कैबिनेट की संख्या 26 थी। 16 सांसदों वाले तेलुगू देशम और 12 वाले जद यू को दो-दो मंत्री मिले हैं। कैबिनेट में 21 चेहरे पुराने हैं। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की स्वास्थ्य मंत्री के रुप में वापसी हुई है। सहयोगी दलों में हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री 78 वर्षीय जीतन राम मांझी, जद यू के राजीव रंजन सिंह, तेलुगू देशम के 36 वर्षीय के राममोहन नायडू, लोजपा के 41 वर्षीय चिराग पासवान और 37 साल की रक्षा खड्से जैसी सरकार की सबसे युवा मंत्री को आधार बनाएं तो कैबिनेट का चेहरा आपकी समझ में आ जाएगा। पिछली सरकार में केवल तीन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के थे। इस बार इनकी संख्या 5 हो गई है। इनमें हरियाणा से रविंदरजीत सिंह, जम्मू कश्मीर से जितेंद्र सिंह और राजस्थान से अर्जुन राम मेघवाल की स्थिति पिछले सरकार के समान है। उत्तर प्रदेश से रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्य मंत्री बनाया गया है। पिछली बार 29 राज्य मंत्री थे, इस बार 36 हैं। मंत्रिमंडल में पांच पूर्व मुख्यमंत्री हैं।

33 मंत्री पहली बार केंद्र सरकार का हिस्सा बने हैं जिनमें सात सहयोगी दलों के हैं। इससे आगे सामाजिक संतुलन की दृष्टि से देखें तो पिछड़ी जातियों के 27, अनुसूचित जाति के 10, अनुसूचित जनजाति के पांच और अल्पसंख्यक समुदाय के पांच मंत्री बनाए गए हैं। इस तरह पिछड़ा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक समुदाय के 47 मंत्री हुए। देशव्यापी प्रतिनिधित्व की दृष्टि से देखें तो इनमें 24 राज्यों का प्रतिनिधित्व है। पंजाब से भाजपा का कोई सांसद नहीं है लेकिन रवनीत सिंह बिट्टू को राज्य मंत्री बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के परिणाम को देखते हुए माना जा रहा था कि वहां से कम मंत्री होंगे लेकिन 10 मंत्री बनाए गए हैं और बिहार से आठ। सात महिलाएं हैं। केरल में भाजपा की पहली बार विजई हुई है इसलिए सुरेश गोपी को मंत्री पद मिलना ही था। दूसरे नेता केरल भाजपा के महासचिव जॉर्ज कोरियन हैं जिन्होंने 1970 में जनसंघ से लेकर लगातार भाजपा के लिए संघर्ष किया था। बंगाल से दो लोकसभा सदस्यों डॉक्टर सुकांत मजूमदार और मतुआ समुदाय के शांतनु ठाकुर को राज्य मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। इनमें सुकांत पहली बार मंत्री बने हैं लेकिन शांतनु पिछली सरकार में जुलाई 2021 से जहाजरानी राज्य मंत्री रहे हैं। सुकांत उत्तरी बंगाल से हैं तो शांतनु ठाकुर दक्षिण बंगाल के मतुआ समुदाय से हैं जो अनुसूचित जाति वर्ग में आते हैं। भाजपा ने उत्तर बंगाल की आठ में से 5 सीट पर जीत दर्ज की है। शांतनु ठाकुर कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले में बनगांव सीट से जीते तो सुकांत उत्तर बंगाल की बालूरघाट सीट से। बंगाल में यदि बेहतर विजय मिली होती तो वहां से और मंत्री बनाए जाते। इस तरह कोई नहीं कह सकता कि यह मंत्रिमंडल कुछ क्षेत्र, समूह, कुछ जातियां या परिवारों तक सीमित है। इन सबको एक साथ मिलाकर देखें तो पहले निष्कर्ष आएगा कि यह नीतियों और व्यवहार में निरंतरता का मंत्रिमंडल है। सीसीएस यानी सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2019 से हैं। इसलिए नीति में कोई बदलाव होगा ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। वास्तव में भाजपा के अंदर बहुमत न मिलने से निराशा और चिंता अवश्य होगी किंतु 10 वर्षों के शासन में आंतरिक और बाह्य नीतियों में स्थायित्व आ चुका है। निश्चित रूप से विश्व की दृष्टि मंत्रिमंडल पर रही होगी और संदेश जा चुका है कि रक्षा, सुरक्षा, विदेश, वित्त सहित अन्य प्रमुख मामलों में नीतियां और व्यवहार स्थिर रहने वालीं हैं। सड़क परिवहन एवं अन्य निर्माण के क्षेत्र में नितिन गडकरी की भूमिका की प्रशंसा सभी दलों ने की है और सड़कों के मामले में भारत की विश्व स्तरीय पहचान बन चुकी है। विश्व भर के निवेशक सड़क सहित भारत की आधारभूत संरचना में निवेश करने के लिए खजाना खोल बैठे हैं और मंत्री परिषद की निरंतरता से वे आश्वस्त हुए होंगे। एक पार्टी की बहुमत तथा गठबंधन की सरकार के कार्य व्यवहारों में अंतर रहा है। लेकिन कोई सरकार ऐसी नहीं होगी कि पुलवामा जैसी घटना के प्रत्युत्तर पर गठबंधन में मतभेद की चिंता में उस तरह का कदम न उठाया जाए। देश का आर्थिक विकास, सड़कों का विस्तार, अंतरिक्ष सुरक्षा तथा रक्षा के मामले में सक्षमता और आत्मनिर्भरता का विरोध कौन पार्टी करेगा? जिन्हें विवादास्पद कहा जा रहा है उनमें सर्वोपरि समान नागरिक संहिता है जो भाजपा के चुनावी वादों में शामिल है। इस संदर्भ में मोदी सरकार के कदमों को लेकर दृष्टि रखनी होगी। हालांकि जद यू ने इसका विरोध नहीं किया केवल ठीक प्रकार से विचार कर लाने की बात की थी। भाजपा को बहुमत होता तो समान नागरिक संहिता को संसद के पटल पर लाने और पारित करने में समस्या नहीं होती। क्या मोदी सरकार इस विषय को कुछ समय के लिए एजेंडा से बाहर रखेगी? अगर गठबंधन से 72 में केवल 11 मंत्री हैं तो इसे दबाव में आना तो नहीं कह सकते। इनमें जदयू के ललन सिंह को छोड़कर कोई ऐसा नहीं जो अतिवादी सेक्युलरवाद का प्रतिनिधि कहा जा सके। वैसे भी मंत्रिमंडल में इतने अनुभवी व्यक्ति हैं कि कोई मतभेद या सहमति उभरने पर अपने अनुभव के आधार पर वह समाधान कर लेंगे। 43 ऐसे मंत्री हैं जो तीन या उससे अधिक बार सांसद रह चुके हैं।

दृष्टि कोण

परीक्षा घोटालों के लिए कौन है जिम्मेवार?

नीट परीक्षा को लेकर पूरे देश के शिक्षा जगत में जबरदस्त मायूसी की लहर देखने को आ रही है। इस मेडिकल प्रवेश परीक्षा के आयोजन से जुड़ी अनेक अनियमितताएं विदित हो रही हैं। नीट परीक्षा एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी) आयोजित कराती है। देश भर के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और बीडीएस यानी डॉक्टरी की व दांतों की डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए करीब एक लाख सीटें हैं। इनमें से करीब 40 हजार सीटें सरकारी कॉलेजों में हैं। 60 हजार के करीब सीटें प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में हैं। प्रवेश का खेल इन्हीं 40 हजार सीट्स के लिए होता है, क्योंकि प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में 5 साल के कोर्स के लिए एक से सवा करोड़ रुपए तक लगते हैं, जबकि सरकारी मेडिकल कॉलेज से मेडिकल की पढ़ाई के लिए 5 साल में औसतन सिर्फ 5 लाख रुपए ही लगते हैं। इस बार 5 मई को पूरे देश में नीट की परीक्षा आयोजित हुई थी। कुल 23 लाख 33 हजार 297 छात्रों ने परीक्षा दी थी। एग्जाम का रिजल्ट पहले 14 जून को आना था, मगर 10 दिन पहले 4 जून को घोषित कर दिया गया। इस बार रिजल्ट आया तो कई तरह की खामियां नजर आईं। धीरे-धीरे आवाज उठी तो यह पूरा एग्जाम ही दाल में काला नजर आने लगा। मीडिया पर उपलब्ध एक न्यूज रिपोर्ट बताती है कि गुजरात के एक नामवर जिले में पैसों के दम पर पूरा का पूरा सेंटर ही बिक गया था। एक स्कूल में नीट का एग्जामिनेशन सेंटर था। इस सेंटर में 30 छात्रों

को गलत तरीके से एग्जाम दिलवाया जा रहा था। यहां गुजरात के लोकल स्टूडेंट्स तो थे ही, लेकिन यहां पर महाराष्ट्र, उड़ीसा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों से भी स्टूडेंट्स आए थे। अब कोई छात्र अपने प्रदेश को छोड़कर गुजरात के इस सेंटर में जाकर परीक्षा क्यों देगा? क्योंकि इस सेंटर पर बच्चों को पास कराने की पूरी सेटिंग हो चुकी थी। इन सारे बच्चों के माता-पिता से लाखों रुपए लिए गए थे। यहां इन छात्रों से कहा गया था कि उन्हें जितने सवाल आते हों, अपनी आंसर शीट में मार्क कर दें, बाकी सेंटर पर मौजूद लोग देख लेंगे, क्योंकि एक बार एग्जाम का वक्त खत्म होने से लेकर सारी कॉपियां पैक होकर भेजने तक में ढाई से तीन घंटे का वक्त लगता है। एग्जाम खत्म होने के सिर्फ आधे घंटे के भीतर कई सारे बड़े कोचिंग सेंटर सारे सवालों की आंसर की, यानी सही जवाब ऑनलाइन जारी कर देते हैं। इस सेंटर के कर्मचारियों को उन्हीं आंसर की की मदद से सारे छात्रों की ओएमआर शीट पर सही आंसर को सर्किल कर देना था। इस तरह से यह सारे छात्र पास हो जाते, लेकिन यह सब हो पाता, उससे पहले ही जिला प्रशासन को यह सूचना मिल गई। उन्होंने इस सेंटर को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद प्रशासन की देखरेख में फिर यह एग्जाम हुआ। अब जब एक सेंटर पर यह हो सकता है तो फिर देश के किसी भी सेंटर पर यह सेटिंग हो सकती है। गड़बडियां तो कई सारे सेंटरों में हुई हैं, लेकिन बस कुछ गड़बडियों का ही पता चल रहा है। हरियाणा के एक परीक्षा केंद्र का घटनाक्रम सोशल मीडिया पर हैरान करने वाला है। एग्जाम पेपर सरकारी बैंकों के पास होता है और एग्जाम वाले दिन वहीं से एग्जाम सेंटर पर पहुंचता है। ऐसे एग्जाम के दो अलग-अलग प्रश्न पत्र होते हैं। एक वो जो सभी छात्रों को मिलता है और दूसरा वो जो इमरजेंसी के लिए होता है। मगर, ऐसा नहीं हो सकता कि कहीं इमरजेंसी वाला प्रश्न पत्र इस्तेमाल हो और कहीं सामान्य वाला इस्तेमाल हो। इन प्रश्न पत्रों में सवाल आगे-पीछे होते हैं, लेकिन सारे सवाल एक जैसे ही होते हैं। सुनते हैं कि इस एग्जाम सेंटर पर सामान्य और इमरजेंसी दोनों प्रश्न पत्र पहुंचा दिए गए। यदि यह सच निकलता है तो किसकी जिम्मेवारी तय होती है? इस केंद्र पर खबरों के मुताबिक छात्रों को एग्जाम सॉल्व करने के लिए इमरजेंसी प्रश्नपत्र दे दिया गया, यानी देश के बाकी छात्रों के लिए नीट की परीक्षा देने के लिए सामान्य प्रश्न पत्र था और इस सेंटर पर उन्हें वह प्रश्न पत्र दिया गया जो इमरजेंसी के लिए था। जिन छह छात्रों को पूरे 720 मार्क्स मिले हैं, उन्होंने यही एग्जाम पेपर सॉल्व किया था। कहना ही होगा कि जैसे-जैसे परीक्षा के तरीके आधुनिक होते गए, तो शिक्षा माफिया से जुड़े कुछ लोग भी 'जहां चाह, वहां राह' बनाते गए। उनके जाल से कोई राज्य या परीक्षा बाहर नहीं रहती है। देश का शायद ही कोई राज्य होगा और शायद ही कोई परीक्षा होगी, जहां धांधली का ग्राफ ऊंचा ही ऊंचा उठता न गया हो। परीक्षाएं ऑनलाइन होने के बाद तो जैसे परीक्षा घोटालों में तेजी आई है और घोटालेबाज खुलेआम व्यवस्था को चुनौती देते नजर आ रहे हैं। इसकी वजह नौकरियों के घटते मौके हों या कुछ और, लोग भी इन परीक्षाओं में पास होने के लिए लाखों की रकम देने को तैयार बैठे हैं। जानकार मानते हैं कि हर साल यह धंधा कई सौ करोड़ रुपए का होता है। ऑनलाइन परीक्षा की हामी भरने वाले मानते हैं कि जब परीक्षाएं ऑनलाइन होने लगीं तो कहा गया कि इनमें धोखाधड़ी संभव नहीं है। इनमें प्रश्नपत्र कागज पर नहीं छपते। विशेषज्ञ सवालों का बैंक तैयार करते हैं और सॉफ्टवेयर एल्गोरिदम उन्हें चुनता है। प्रश्नपत्र टेस्ट सेंटर पर भेजे जाने से पहले एनक्रिप्टेड होते हैं। परीक्षार्थी के क्लिक करने पर ही वह खुलता है। परीक्षार्थियों के प्रश्नपत्र भी अलग-अलग होते हैं।

कुछ अलग

कवि की चाह ख्वामख्वाह

लगना तो नहीं चाहिए, पर न लगने का मुगालता पाले हुए भी कई बार तो अब खुद को भी लगता है कि मैं एक व्यर्थ कवि हूं। मैं एक असमर्थ कवि हूं। लगना तो नहीं चाहिए, पर लगता है, ज्यों मैं कविता केवल कविता के लिए लिख रहा हूं। मैं केवल लिखने के लिए लिख रहा हूं। कभी कभार किसी सरकारी पत्रिका में छप दो चार सौ में बिक रहा हूं। मेरे पास कविताओं का अकाल नहीं, कविताओं का मेरे पास मॉल है, पर श्रोताओं का अकाल है। श्रोता पिपासु चक्षुओं से स्पष्ट देख रहा हूं कि दूर दूर तक कोई श्रोता नहीं। अब तो कोई मेरी कविता कॉफी पिलाने का झांसा देने के बाद भी नहीं सुनता। उसे पता है कि मैं उसे पचास रुपए की कॉफी पिलाऊंगा तो पांच सौ की कविताएं सुना जाऊंगा। ऐसे में पैसे पैसे का हिसाब रखने वाला साढ़े चार सौ का घाटा कौन समझदार उठाएगा। ये कैसे दिन आ गए रे कवि! जो कविता लू से श्रोताओं को बचाती थी, आज वही सावन में भी झुलस रही है। कई बार तो अब अपनी कविता का श्रोता खुद ही होना पड़ता है। कविता का मन रखने के लिए कि उसे कोई तो सुन रहा है। भाग्यशाली है वह कवि! जो झूठा ही सही, पर सीना ठोंक ठोंक कर यह दावा करता है कि उसकी कविता सुनने को उसके पास अभी भी श्रोता उपलब्ध है। औरों को तो छोड़िए, अब तो कवि भी कवि को नहीं सुनना चाहता। केवल उसे हर सरकारी कवि गोष्ठी में अपनी कविता सुना वहां से तत्काल भाग जाता है पारिश्रमिक का फार्म भर। कवि गोष्ठियों में जहां तक नजर दौड़ाता हूं वहां तक अब केवल कवि ही कवि नजर आते हैं। हाय! समाज से सारे रिवाज तो जनाजे की तरह उठते ही जा रहे थे, पर अब कविता सुनने का रिवाज ही उठ रहा है री मां शारदा! हे कविता रसिको! माना, आज यह समाज के कविता के रस से भी उम्दा रसों से लबालब है। पर कविता भी तो एक रस है। नीरस ही सही। रसता को कोई भंग कर सकती है तो केवल नीरसता ही। रसता से ऊब कर बंदा आखिर नीरसता की शरण में ही जाता है। तो आओ! मेरी कविता सुनो। हे मां सरस्वती! मुझे भले ही कविता लिखने की शक्ति दो या न दो! अब मैं कविता लिखने में इतना माहिर हो गया हूं कि अब मुझे कविता लिखने को किसी की शक्ति की जरूरत नहीं। पर लिखी हुई कविताओं को सुनाने के लिए श्रोता की बहुत जरूरत है। हे मदर! कवि खाए बिना रह सकता है। कवि पिए बिन रह सकता है। कवि दिसंबर में भी लिहाफ बिन रह सकता है, पर कवि श्रोताओं को अपनी कविताएं सुनाए बिन बिल्कुल नहीं रह सकता। हे आदरणीय, परमादरणीय श्रोताओ! आखिर तुम्हारे हृदय को ये हो क्या रहा है! बीवी की तरह कविता की ओर से तुम इतने पत्थर दिल क्यों हुए जा रहे हो? क्या दैनिक उपभोग की वस्तुओं के भाव पल पल आसमान छूने के चलते तुम्हारे हृदय के भाव मर गए? माना, आज धीरे धीरे सब कुछ मर रहा है। कहानी मर रही है। निबंध मर रहे हैं। उपन्यास तो बहुत पहले मरने लग गए थे। जबसे हर आदमी नाटक हुआ है, नाटक मर रहा है। हे मां सरस्वती! मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है कि जिसे भी मैं अपनी ताजी कविता सुनाना चाहता हूं, वही मुझे देखते ही नौ दो तेरह हो लेता है। तुम्हारी कृपा से कविता तो मैं सोए सोए भी रच लेता हूं। तुम्हारी कृपा से कविता तो मैं रोटी खाते खाते भी रच लेता हूं। कविता रचना मेरे लिए बच्चों का खेल है। कविता मेरे लिए गंगू तेली का तेल है। जो भी मैं बकता हूं, अब वही कविता हो जाती है। हे मां शारदे! आज आदमी जब सब कुछ सुनना चाहता है, तो कविता सुनना क्यों नहीं चाहता? मैं कविता के लिए प्रकाशक ढूंढ सकता हूं। मैं कविता के लिए सरकारी खरीद में जुगाड़ अफसर ढूंढ सकता हूं। पर पता नहीं क्यों मैं अपनी कविता के लिए एक सच्चा तो छोड़िए, साधारण सा श्रोता भी नहीं ढूंढ पा रहा हूं। हे मां सरस्वती! तुमने मुझे कविता लिखने की अथाह शक्ति दी। मैंने व्हाट्सएप पर जमकर कविता लेखन किया। मैंने फेसबुक पर जमकर कविता लेखन किया।

देश दुनिया से

तपते टापू बनते शहरों में जनजीवन पर मंडराया संकट, कौन है जिम्मेदार?

> लू से आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। क्योंकि लू के दिनों की संख्या इस बार दो गुनी से ज्यादा हो गई है। आंकड़े बता रहे हैं कि लू की चपेट में आने से अबतक दर्जनों लोगों की जान चली गई है। वैसे तो ऐसा हर साल मई और जून के महीनों में होता आया है, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन से स्थिति साल दर साल और गम्भीर ही होती जा रही है, जो सार्वजनिक और सामूहिक चिंता की बात है। इस स्थिति से निबटने के लिए सरकार और सामाजिक संगठनों, दोनों को जागृत होना पड़ेगा, अन्यथा जिम्मेदारी और जवाबदेही दोनों तय किये जाने की मांग भी जोर पकड़ेगी, जो जायज होगी।

उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू से आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। क्योंकि लू के दिनों की संख्या इस बार दो गुनी से ज्यादा हो गई है। आंकड़े बता रहे हैं कि लू की चपेट में आने से अबतक दर्जनों लोगों की जान चली गई है। वैसे तो ऐसा हर साल मई और जून के महीनों में होता आया है, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन से स्थिति साल दर साल और गम्भीर ही होती जा रही है, जो सार्वजनिक और सामूहिक चिंता की बात है। इस स्थिति से निबटने के लिए सरकार और सामाजिक संगठनों, दोनों को जागृत होना पड़ेगा, अन्यथा जिम्मेदारी और जवाबदेही दोनों तय किये जाने की मांग भी जोर पकड़ेगी, जो जायज होगी। जानकारों के मुताबिक, देश के कुछेक शहर अब तपते टापू यानी हीट आइलैंड प्रतीत हो रहे हैं। सामान्य शब्दों में हीट आइलैंड का मानक 44 डिग्री और उससे ऊपर का तापमान है। चूंकि यह सामान्य से 4 डिग्री अधिक होता है। इसलिए हीट आइलैंड का शिकार हो रहे शहरों में लू का प्रकोप भी भयावह हो जाता है। इससे शहर की गतिविधियां लगभग ठप पड़ जाती हैं। अमूमन हर साल मई और जून के महीनों में इन शहरों में तापमान 45 से 49 डिग्री तक पहुंच चुका है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो उठता है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर अंधाधुंध विकास की आंधी में झुलस रहे इन शहरों की मौजूदा स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है और इससे बचने का सही रास्ता क्या है, जिसे सुझाने में सरकार भी लापरवाही बरत रही है! मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के साथ उपयुक्त और अनुपयुक्त भूमि के बिगड़ते संतुलन, शहरों में कंक्रीट के बढ़ते जंगल, वातानुकूलित (एयर कंडीशनर) इमारतें, वाहन और उद्योगों के उगलते धुओं के चलते व्याप्त गर्मी से जगह-जगह पर हीट आइलैंड बन रहे हैं। गांवों की अपेक्षा कंक्रीट वाले शहर इससे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, जिन इलाकों में पेड़-पौधे कम होते हैं और कंक्रीट के भवन, घनी आबादी और एसी ज्यादा होते हैं, वहां पर हीटलैंड बन जाते हैं। वहां पर अन्य जगहों के मुकाबले 2 से 3 डिग्री अधिक तापमान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट है कि हीट आइलैंड बनने के वास्ते किसी भी शहर में जो स्थानीय कारण हैं, उनमें बढ़ते भवनों की संख्या, पौधों का कटना, एसी की संख्या बढ़ना, वाहन बढ़ना, घनी आबादियां आदि शामिल हैं। इनका सीधा असर जलवायु परिवर्तन पर पड़ता है, इसलिए इस नजरिए से भी चिंतन जरूरी है। चिकित्सक बताते हैं कि हीट वेब का असर हीट आइलैंड पर ज्यादा होता है। इसके चलते हृदय रोगियों के साथ मस्तिष्काघात (ब्रेन स्ट्रोक) के मामले भी बढ़ रहे हैं। वहीं अनिंद्रा से तनाव-बेचैनी के साथ लोगों की दिनचर्या भी स्पष्ट तौर पर प्रभावित हुई है। इससे गम्भीर बीमारियां भी बढ़ रही हैं। किसी को त्वचा सम्बन्धी सर्वाधिक बीमारियां हो रही हैं तो कोई घमौरियों से परेशान महसूस कर रहा है। वहीं, काम की गति कम होने से शहर के विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। हीट वेब

का वनस्पतियों और फसलों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिससे सब्जियों पर महंगाई के बादल मंडराने लगे हैं। वहीं, ऐसे शहरों में लोग बिजली व पानी के संकट के भी शिकार हो रहे हैं। दैनिक मजदूरों के लिए संकट तो आम बात है। वहीं, पशु-पक्षी तक इससे प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए इन सबके लिए एहतियाती उपाय करना राज्य प्रशासन की जिम्मेदारी है। कुछ शोध रपट बताते हैं कि मकानों में लगाये जा रहे वातानुकूलन संयंत्र (एसी) अंदर तो ठंडक का एहसास करा रहे हैं, लेकिन इसकी कीमत वातावरण के बढ़ते तापमान से चुकाई जा रही है। वहीं, सेंसर आधारित शोध में कंकरीट की इमारतों का तापमान मिट्टी की दीवारों की तुलना में पांच से छह डिग्री तक ज्यादा पाया गया है। वहीं, एक अध्ययन बताते हैं कि हीट आइलैंड बन चुके शहरों में कम बारिश हो रही है, जिसके चलते मौसम की उग्रता बढ़ रही है। खास बात यह है कि प्राकृतिक तौर पर ठंडक बनाये रखने की प्रणाली (नेचुरल कूलिंग सिस्टम) की भी ऐसे शहरों में कमी दिख रही है। इससे शहर के भीतर और बाहर के तापमान में बड़ा अंतर आया है। इसलिए सरकार को चाहिए कि ऐसे शहरों के लिए वह विशेष रिहायशी व औद्योगिक नीति बनाए, ताकि पर्यावरण और आधुनिकता में एक समन्वय स्थापित हो सके। जनजीवन की रक्षा के लिए ऐसा करने की नितांत आवश्यकता है। विशेषज्ञों की मानें तो विभिन्न प्रदेशों में हीट आइलैंड चित्रित करने का कोई तंत्र नहीं है, लेकिन लू की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है। जबकि बिहार-झारखंड, यूपी-उत्तराखंड, दिल्ली-हरियाणा-पंजाब, राजस्थान-मध्यप्रदेश के हीट आइलैंड बन चुके कतिपय शहरों में इन्हें चित्रित करने का तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। क्योंकि हीट वेब का सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव ऐसे लोगों पर पड़ा है जो सड़क के किनारे रोजगार चलाते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली में 49 फीसदी स्ट्रीट वेंडरों का कहना है कि लू के चलते उनकी आय में कमी हुई है। ग्रीन पीस और नेशनल हॉकर फाउंडेशन की अध्ययन बताती है कि 80 प्रतिशत स्ट्रीट वेंडरों ने ग्राहकों की संख्या में गिरावट को स्वीकार किया है, जिससे उनकी आय घटी। इसलिए इनके स्वास्थ्य जोखिम, आजीविका की चुनौतियां और अनुकूलन रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। वहीं, बाहरी श्रमिक जो धूप में काम करते हैं, उन्हें गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का अधिक सामना करना पड़ता है। इसलिए ग्रीन पीस इंडिया ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) से आग्रह किया है कि वे लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें, जिससे अनुकूलन, शमन और राहत के लिए उचित धन की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। शासन को चाहिए कि वह त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था से जुड़े लोगों को लू, बाढ़ और शीतलहर से बचने-बचाने के लिए प्रशिक्षण दे और ऐसी एहतियाती व्यवस्था करे, ताकि किसी को मौसम की मार झेलनी ही न पड़े। आधुनिक विज्ञान और प्रशासन के लिए यह कोई बड़ी बात नहीं है।

आप का नजरिया

उपचुनाव के लड्डू

समाज में सियासत और सियासत में समाज की पड़ताल में चुनावों का वर्तमान परिदृश्य, पुनः हिमाचल के तीन विधानसभा क्षेत्रों के मुहाने पर खड़ा है। चुनावों की वजह जो भी रही हो, मतदान की परिभाषा में समाज का नए सिरे से अवलोकन होगा। जिस समाज ने पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टियों के उम्मीदवारों को दरकिनार करते हुए निर्दलीयों को अपनाया, वही अब अलग मोर्चे पर कहीं अलग निशान और निशाने देख रहा है। भाजपा ने अपने हाथों पर तीनों निर्दलीयों के नाम खुदवाकर मतदाता की कचहरी में निर्दोष होने की गवाही दी है, तो कांग्रेस के महाप्रयास में मिसरी की डलियां चुन-चुन कर रखी जा रही हैं। हमीरपुर से डाक्टर पुष्पिंदर और नालागढ़ से हरदीप सिंह बावा कांग्रेस की स्वाभाविक पसंद साबित हुए हैं, जबकि देहरा में पेंच व पड़ताल के बीच मुख्यमंत्री की पत्नी कमलेश ठाकुर का नाम एक टर्निंग प्वाइंट है और जहां वकालत व वसीहत का फैसला, राजनीतिक इतिहास का अहम मोड़ है। उपचुनावों के दूसरे चरण में भाजपा की चरण पादुकाएं थामे कल तक के निर्दलीय आज पार्टी के बीच आकर, चुनावी फिल्म के मध्यांतर के बाद अपनी कहानी को मुकम्मल करना चाहेंगे। हालांकि इनकी जीत-हार से प्रदेश की राजनीति में कोई बड़ा नफा या नुक्सान किसी तरफ नहीं हो रहा है, फिर भी ये मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की हैसियत में अहम मोड़ तो रहेंगे ही। कांग्रेस की जीत-हार पहले भी छह उपचुनावों के गणित में मुख्यमंत्री के लिए एक शगुन की तरह थे और अब भी ये तीन मकसद हिमाचल में सरकार की हिफाजत में अवसर प्रदान कर रहे हैं। यह दीगर है कि जिस ढर्रे पर राजनीति चल रही है, वहां मतदाता की कसौटियां भी अस्पष्ट होती जा रही हैं। अगर भाजपा तक पहुंचे निर्दलीय पुनः जीत हासिल करते हैं, तो यह पिछले चुनाव की अमानत में जनता का विश्वास अर्जित करेगा, वरना सारे समीकरण सत्ता की भक्ति में लीन माने जाएंगे। जाहिर तौर पर चुनाव का लड्डू सभी को आकर्षित कर रहा है, लेकिन जनता अपनी महत्त्वाकांक्षा की हिफाजत में दो टूक बात कर सकती है। इन उपचुनावों के रोचक पहलू मुख्यमंत्री के पास सरकार के अधिकार और सत्ता की पुकार में निहित हो सकते हैं। यह इसलिए कि दो उपचुनावों के दायरे में पुनः हमीरपुर संसदीय क्षेत्र अपनी परीक्षा के संदर्भ बदल रहा है। हालांकि लोकसभा के मायनों में पहले ही हमीरपुर की पसंद भाजपा यानी अनुराग ठाकुर रही है, फिर भी इस बार उपचुनावों की मंशा में आशाओं का फलीभूत होना, एक अलग पैरवी की तरह है। अगर सुजानपुर में 'एक वोट प्रधानमंत्री, एक वोट मुख्यमंत्री' परवान चढ़ सकता है, तो इस बार हमीरपुर की अस्मिता का सवाल सुखविंदर सुक्खू के नजदीक नहीं होगा, यह कठिन पहेली नहीं हो सकता। उपचुनाव की किश्ती देहरा के पत्तन पर होशियार सिंह को फिर से बैठने देती है। क्या वह आसानी से भाजपा के उम्मीदवार स्वीकार कर लिए जाते हैं या उन्हें अनुराग ठाकुर की सल्तनत का प्रश्रय मिल जाएगा, यह पेचीदगी से भरा इम्तिहान होगा। अगर कांग्रेस से मुख्यमंत्री की पत्नी कमलेश ठाकुर आती हैं, तो उपचुनाव के हस्ताक्षर सत्ता की गवाही में एक शपथपत्र की तरह होंगे।

रूस और उत्तर कोरिया के बीच नाटो जैसा समझौता, एक देश पर हमला हुआ तो दूसरा देश तुरंत देगा सैन्य मदद

प्योंगयांग, 20 जून (एजेंसियां) ।

दुनिया पहले से ही तनाव के दौर से गुजर रही है। अब एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने संघर्ष की आशंका को और बढ़ा दिया है। दरअसल उत्तर कोरिया दौरे पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने किम जोंग उन के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया है। इस समझौते के तहत दोनों देश युद्ध की स्थिति में एक दूसरे को तुरंत सैन्य मदद देंगे। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने इस समझौते की पुष्टि की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक समझौते पर उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में आयोजित शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षर हुए। अमेरिका और सहयोगी देशों की बढ़ेगी चिंता दोनों देशों के बीच हुए समझौते के अनुच्छेद 4 में प्रावधान है कि अगर एक देश पर हमला होता है या वह युद्ध की स्थिति में है तो दूसरा देश तुरंत सैन्य और अन्य मदद देगा। शीत युद्ध समाप्त होने के बाद रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुआ यह सबसे अहम समझौता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने इस समझौते को दोनों देशों के संबंधों में बेहतर बदलाव बताया, जो सुरक्षा, व्यापार, निवेश, संस्कृति और मानवीय मदद जैसे पहलुओं को कवर करेगा। रूस और उत्तर कोरिया के बीच यह समझौता ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने यूक्रेन युद्ध में उत्तर कोरिया द्वारा रूस को हथियार और गोला बारूद उपलब्ध कराने पर गहरी चिंता जाहिर की है।

अमेरिका को ये भी डर है कि रूस की आर्थिक और तकनीकी मदद से उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों और मिसाइल प्रोग्राम को तेजी से बढ़ा सकता है। सोवियत संघ के समय भी दोनों देशों के बीच था ऐसा समझौता उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन ने दोनों देशों के बीच हुए इस सुरक्षा समझौते को अब तक की सबसे मजबूत संधि करार दिया। किम जोंग उन ने यूक्रेन युद्ध में रूस को पूरा समर्थन देने की बात दोहराई। वहीं पुतिन ने इस समझौते को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि इससे दोनों देशों की साझा इच्छा झलकती है और यह संबंधों को नए आयाम पर लेकर जाएगा। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया और सोवियत संघ के बीच भी साल 1961 में ऐसा ही एक समझौता हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति बाइडन के चुनावी अभियान ने दो सप्ताह में जुटाई बंपर रकम, चार करोड़ डॉलर से ज्यादा फंड किया एकत्र

वॉशिंगटन । अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाला है। इस दौड़ में मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही एक दूसरे पर आरोप लगाने का कोई अवसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस बीच, जो बाइडन के पुनर्निर्वाचन अभियान ने पिछले दो हफ्तों में चार करोड़ डॉलर से अधिक की राशि जुटाई है। यह जानकारी सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के उप राष्ट्रीय वित्त अध्यक्ष ने दी है। इन लोगों ने भी दिया समर्थन उन्होंने बताया कि इसमें दो तटों पर धन जमा करने के लिए रखे गए मात्र दो लोगों (फंडराइजर) ने तीन करोड़ डॉलर की राशि जुटाई है। धन जुटाने के दो कार्यक्रम लॉस एंजिल्स में आयोजित किए गए, जिनमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और जॉर्ज क्लूनी तथा जूलिया रॉबर्ट्स जैसी हस्तियां शामिल हुईं। इसके अलावा वर्जीनिया के पूर्व गवर्नर टेरी मैकऑलिफ के घर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। टीवी विज्ञापनों के जरिए कितने कमाए सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के उप राष्ट्रीय वित्त अध्यक्ष अजय भुतोरिया ने कहा, हमारा अभियान लगातार धन जुटाने की मजबूत गति दिखा रहा है। हमने इस महीने टीवी विज्ञापनों के जरिए पांच करोड़ डॉलर जमा किए हैं। तीन दिन पहले बाइडन ने मशहूर हस्तियों और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ मिलकर लॉस एंजिलिस में तीन करोड़ डॉलर की धनराशि जुटाई। पिछले दो सप्ताह में ही चार करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए। यह चुनाव केवल राजनीतिक नहीं उन्होंने कहा, डेमोक्रेट्स के तौर पर हम अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने और अपने देश द्वारा हासिल किए गए विकास को और आगे बढ़ाने की अपनी प्रेरणा में एकजुट हैं। आगामी 2024 का चुनाव एक कठोर विकल्प प्रस्तुत करता है और वो है- हमारे लोकतंत्र की सुरक्षा या फासीवादी - डोनाल्ड ट्रंप का चुनाव। यह चुनाव केवल राजनीतिक नहीं है, यह हमारे राष्ट्र के भविष्य के लिए एक निर्णायक पल है। भारतीय-अमेरिकी समुदाय का महत्व इस यात्रा में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए, भुतोरिया ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन के लिए उनका मजबूत समर्थन कई युद्ध के मैदानों में जीत का अंतर हो सकता है।

हज यात्रा पर गर्मी का कहर: अब तक 600 से अधिक जायरीनों की मौत, इसमें 68 भारतीय, सऊदी प्रशासन ने कहा

रियाद । सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान भीषण गर्मी से मरने वालों की संख्या 600 से अधिक हो गई, जिसमें 68 भारतीय भी शामिल हैं। वहां के एक राजनयिक ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसा मना जा रहा है कि हज यात्रा करने आए जायरीन में अधिकतर बुजुर्ग थे और मौसम परिवर्तन के कारण कुछ लोगों की मौत हो गई। सऊदी अरब में राजनयिक ने कहा, हमने लगभग 68 मरने वाले लोगों की पुष्टि की है। कुछ प्राकृतिक कारणों से मारे गए। यहां आने वाले कई जायरीन बुजुर्ग थे। कुछ लोगों की मौत बदलते मौसम के कारण हो गई। अरब के दो राजनयिक ने इस बात की पुष्टि की कि हज के दौरान 550 जायरिनों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 323 मिस्र के और जॉर्डन के 60 लोग शामिल हैं। इनके अलावा इंडोनेशिया, ईरान, सेनेगल, ट्यूनीशिया और ईराक के द्वारा भी मौतों की पुष्टि की गई है। हालांकि, कई मामलों में अधिकारियों ने मौतों के कारणों का खुलासा नहीं किया।

लैटिना में दुर्घटना के बाद भारतीय मजदूर को मरने के लिए छोड़ दिया गया, इटली की श्रम मंत्री ने की निंदा

रोम । इटली में काम करने वाले एक भारतीय मजदूर की एक दुर्घटना के बाद सड़क किनारे मौत हो गई। इस हादसे में उसका हाथ भी कट गया। इटली की श्रम मंत्री मरीना कैलदेरोन ने इसे बर्बरतापूर्ण कृत्य बताया। मरने वाले भारतीय मजदूर की पहचान सतनाम सिंह के तौर पर की गई है। लैटिना में एक फार्म में काम करने के दौरान वह घायल हो गया था। बता दें कि लैटिना में हजारों भारतीय प्रवासी रहते हैं। इटली की श्रम मंत्री ने की घटना की निंदा संसद में इटली की श्रम मंत्री मरीना कैलदेरोन ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा, लैटिना के ग्रामीण इलाके में काम वाला एक भारतीय श्रमिक गंभीर दुर्घटना का शिकार हो गया था और गंभीर परिस्थिति में छोड़ दिया गया, जिस वजह से उसकी मौत हो गई। उन्होंने आगे कहा, यह एक बर्बरतापूर्ण कृत्य है। श्रमिक मंत्री ने बताया कि इस मामले की कार्रवाई जारी है और उम्मीद है कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाएगा।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के दलाई लामा से मिलने पर आखिर क्यों तिलमिलाया चीन

वॉशिंगटन, 20 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिकी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने चीन से धमकी मिलने के बावजूद भारत के हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में तिब्बत के निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मुलाकात की। मुलाकात के बाद ड्रैगन बौखलाया हुआ है।

चीन और अमेरिका के रिश्ते सुधरने की बजाय और बिगड़ते दिख रहे हैं। अब ऐसा लग रहा है कि वॉशिंगटन ने एक बार फिर ड्रैगन की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। दरअसल, अमेरिकी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत के हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में

वॉशिंगटन, 18 जून (एजेंसियां) । दलाई लामा से मुलाकात की। मुलाकात से पहले ही बीजिंग ने अमेरिका से दलाई गुट के किसी भी शख्स से मिलने से बचने की चेतावनी दी थी। अब इस मुलाकात के बाद चीन भड़क गया है।

भारत में अमेरिका का प्रतिनिधिमंडल क्या कर रहा

द्विदलीय अमेरिकी सांसदों का सात सदस्यीय समूह नोबेल शांति पुरस्कार विजेता दलाई लामा से मिलने भारत पहुंचा। अमेरिका की हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के चेयरमैन माइकल मैक्कॉल के नेतृत्व में सात सदस्यीय दल विशेष विमान से धर्मशाला के गगल एयरपोर्ट पहुंचा था। शाम को माइकल और अमेरिकी संसद के प्रतिनिधि सदन की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी ने निर्वासित तिब्बत सरकार की संसद को संबोधित किया और तिब्बत की आजादी का समर्थन किया। वहीं इन लोगों ने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात की और इस दौरान जमकर चीन के खिलाफ बोल बोले।

तिब्बत का दोस्त अमेरिका

अमेरिका ने लंबे समय से तिब्बती लोगों के अपने धर्म और संस्कृति का पालन करने के अधिकारों का समर्थन किया है और चीन पर भारत की सीमा से लगे सुदूर हिमालयी क्षेत्र तिब्बत में मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

क्या है अमेरिका में पास नया विधेयक

बता दें कि अमेरिका ने हाल ही एक ऐसा विधेयक पास किया है, जिससे कि तिब्बत पर चीन के दावे को चुनौती मिलती है। इसके साथ ही इसमें चीन और दलाई लामा के बीच संवाद की बात पर भी जोर दिया गया है। 12 जून को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव से मुहर लगने के बाद इसे सीनेट में हरी झंडी मिल गई। प्रमोटिंग ए रेजोल्यूशन टू द तिब्बत चीन डिस्प्यूट एक्ट के बारे में कहा जा रहा है कि इससे तिब्बत के इतिहास और लोगों के बारे में चीन की ओर से फैलाई जा रही गलत सूचना से लड़ने में मदद मिलेगी। दरअसल, ये विधेयक चीन के इस दावे को खारिज करता है कि तिब्बत हमेशा से उसका हिस्सा रहा है।

कौन हैं दलाई लामा

सन 1935 में ल्हामो थोंडुप के रूप में जन्मे दलाई लामा को दो साल की उम्र से ही अपने पूर्ववर्ती तिब्बती धर्मगुरु का पुनर्जन्म माना गया है। उन्हें सन् 1940 में तिब्बत की राजधानी ल्हासा में 14वें दलाई लामा के रूप में तिब्बती धर्मगुरु की मान्यता दी गई थी। सन् 1950 में चीन ने तिब्बत पर हमला किया। दलाई लामा सन् 1959 में चीन के खिलाफ एक विद्रोह के असफल होने के बाद भारत आ गए थे। तब से वे हिमाचल प्रदेश के शहर धर्मशाला में निर्वासन में रह रहे हैं। सन् 1989 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। दलाई लामा ने मॉनेस्टिक शिक्षा प्राप्त की है और वह सालों से तिब्बतियों को न्याय दिलाने के लिए संघर्षरत हैं। वह छह महाद्वीपों और 67 से ज्यादा देशों की यात्रा कर चुके हैं। चीन के तिब्बत पर कब्जे के बाद भारत में दलाई लामा को आए हुए 62 साल से ज्यादा हो गए हैं।

इस मुलाकात पर विवाद क्यों

अमेरिकी सांसदों के भारत आगमन से चीन को ऐसे समय में नाराज हो गया है, जब बीजिंग और वाशिंगटन संबंधों को सुधारने की कवायद चल रही है। जबकि भारत के चीन के साथ पहले से ही संबंध तनावपूर्ण हैं, क्योंकि सन 2020 में चीन सीमा पर सैन्य गतिरोध के चलते भारत के 24 सैनिक मारे गए थे। अमेरिका ने भले ही रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पास कर लिया है, लेकिन वाशिंगटन तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र को चीन का हिस्सा मानता है। चीन दलाई लामा पर अलगाववादी होने का आरोप लगाता है। हालांकि दलाई लामा का कहना है कि वे अपनी सुदूर हिमालयी मातृभूमि के लिए वास्तविक स्वायत्तता चाहते हैं। सबसे विवादास्पद मुद्दा दलाई लामा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति का है। चीन का कहना है कि तिब्बत पर अपना नियंत्रण मजबूत करने के लिए उसे उत्तराधिकारी को मंजूरी देने का अधिकार है, जबकि दलाई लामा का कहना है कि केवल तिब्बती लोग ही यह फैसला ले सकते हैं तथा उनका उत्तराधिकारी भारत में मिल सकता है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख और विधेयक के एक लेखक माइकल मैककॉल ने वाशिंगटन से रवाना होने से पहले कहा था, इस यात्रा से तिब्बत को अपने भविष्य में अपनी बात रखने के लिए अमेरिका के सदन में द्विदलीय समर्थन को रेखांकित किया जाना चाहिए।

दूसरे कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे एस जयशंकर पड़ोसी पहले नीति पर फोकस

कोलंबो, 20 जून (एजेंसियां) ।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर श्रीलंका पहुंचे। यह उनके लगातार दूसरे कार्यकाल में पहली विदेश यात्रा है। श्रीलंका दौरे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। जयशंकर का कोलंबो पहुंचने पर श्रीलंका के विदेश राज्य मंत्री थारका बालासुरिया और पूर्वी प्रांत के राज्यपाल सेंथिल थोंडामन ने उनका स्वागत किया।

श्रीलंका पहुंचने पर विदेश मंत्री ने साझा की पोस्ट

एस जयशंकर ने श्रीलंका पहुंचने पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा नए कार्यकाल में पहली बार कोलंबो पहुंचा हूं। गर्मजोशी से स्वागत के लिए राज्य मंत्री थारका बालासुरिया और पूर्वी प्रांत के राज्यपाल एस थोंडामन का शुक्रिया। शीर्ष नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों का बेसब्री से इंतजार है। विदेश मंत्री ने लिखा कि श्रीलंका, भारत की पड़ोसी पहले और सागर नीतियों का केंद्र है। अपनी पड़ोसी पहले नीति के तहत भारत अपने सभी पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण और परस्पर लाभकारी संबंध विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विदेश मंत्री की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और हिंद महासागर में समुद्री सहयोगा भू-राजनीतिक ढांचा बनाने का है। एस जयशंकर ने बीती 11 जून को देश के विदेश मंत्री के रूप में लगातार दूसरी बार कार्यभार संभाला था। जयशंकर पिछले सप्ताह इटली के अपुलिया में आयोजित हुए जी7 शिखर सम्मेलन में भी शामिल हुए थे, लेकिन उस समय वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। वहीं श्रीलंका का दौरा उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा है। एस जयशंकर के श्रीलंका दौरे पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि भारत की पड़ोसी पहले नीति के तहत यह यात्रा श्रीलंका को सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी के रूप में भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

अमेरिकी सेना का दावा- सीरिया में आईएसआईएस के वरिष्ठ अधिकारी को मार गिराया, उसामा जमाल के रूप में हुई पहचान

वॉशिंगटन डीसी, 20 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिकी सेना ने दावा किया है कि सीरिया में हवाई हमले में आईएसआईएस का एक वरिष्ठ अधिकारी मारा गया है। यूएस सेंट्रल कमांड ने जानकारी देते हुए बताया कि मारे गए आईएसआईएस संगठन के सदस्य की पहचान उसामा जमाल मुहम्मद इब्राहिम अल-जनाबी के रूप में की गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसकी मौत से आईएसआईएस की क्षमता कम हो जाएगी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल माडिया एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'सीरिया में 16 जून को यूएस सेंट्रल कमांड ने सीरिया में हवाई हमला किया, जिसमें आईएसआईएस के एक वरिष्ठ अधिकारी उसामा जमाल मुहम्मद इब्राहिम अल-जनाबी की मौत हो गई। उसकी मौत से आईएसआईएस की संसाधन जुटाने और आतंकी हमले करने की क्षमता कम होगी। तीन हफ्ते पहले आईएसआईएस के तीन आतंकियों को मारा था यूएस अफ्रीका कमांड ने लगभग तीन हफ्ते पहले, सोमालिया में धरदार के पास एक दूरदराज के इलाके में किए गए हवाई हमले में तीन आईएसआईएस आतंकवादियों के मारे

जाने का अनुमान लगाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी से मार्च तक, सेंटकॉम और उसके सहयोगियों ने सीरिया में सात आईएसआईएस गुर्गों को मार डाला और 27 अन्य को हिरासत में लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी समय के दौरान इराक में 11 आतंकवादी मारे गए और 36 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इससे पहले अप्रैल में कमांडर जनरल एरिक कुरिला ने कहा कि हम आईएसआईएस के पूरी तरह खात्मा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आईएसआईएस क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरा है। कुरिला ने आगे कहा कि इराक और सीरिया के बाहर हिरासत में लिए गए आईएसआईएस सदस्यों को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

अब एयर न्यूजीलैंड के विमान में खतरनाक टर्बुलेंस छत से टकराई केबिन क्रू, यात्री पर गिरी गर्म कॉफी

; वेलिंगटन , 20 जून (एजेंसियां) ।

एयर न्यूजीलैंड की एक उड़ान को खतरनाक टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। इस टर्बुलेंस के कारण चालक दल के सदस्यों समेत कई यात्रियों का सिर विमान की छत से टकरा गया। यह घटना 16 जून की है, जब एयरबस ए320 वेलिंगटन से क्रीसटाउन के लिए उड़ान भर रहा था। इस हादसे के बाद यात्रियों ने अपना अनुभव साझा किया।

सूजे नाम की एक यात्री ने कहा, उड़ान 15 मिनट तक हवा में थी, जब ड्रिंग कार्ट नीचे की तरफ गिरने लगा। जब कार्ट रुका तो विमान में एक तेज झटका लगा। इस दौरान चालक दल का एक सदस्य हवा में उड़ा और उसका सिर छत से टकरा गया। टर्बुलेंस के कारण एक यात्री पर गर्म कॉफी गिर गई।

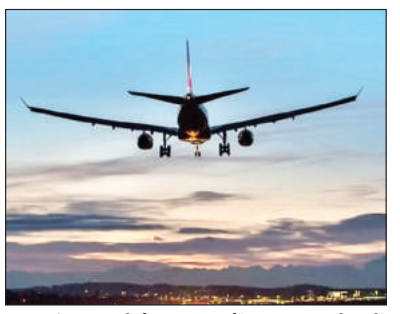

महिला यात्री ने कहा, इसमें आप कुछ भी नहीं कर सकते हैं। आप बंधे हुए हैं। टर्बुलेंस आगे भी होगा। आपको गर्म कॉफी से जलने के बाद खुद निपटना होगा। मैं एक ठंडे बोतल को पकड़ने में कामयाब रही और उसे अपने ऊपर डालने लगी। मैंने जमीन पर गिरी चालक दल के सदस्य से बात करने की कोशिश की। मैंने उनसे पूछा कि क्या मैं और भी बोतल का इस्तेमाल कर सकती हूं, क्योंकि मैं इस समय यही कर सकती थी। उन्होंने मुझे इसकी इजाजत दे दी। महिला के पास एक पैरामेडिक बैठा था, जिसने उसकी मदद की। स्थानीय मीडिया ने बताया कि दोनों को विमान से उतार लिया गया है और इलाज के लिए पास के लेक डिस्ट्रिक्ट अस्पताल भेजा गया। इस घटना के बाद यात्री ने कहा कि वह चाहती है कि एयर न्यूजीलैंड छोटी उड़ानों में गर्म पेय परोसने पर पुनर्विचार करे और अपने कॉफी पॉट पर ढक्कन में सुधार करे। एयर न्यूजीलैंड के मुख्य परिचालन अखंडता और सुरक्षा अधिकारी कैप्टन डेविड मॉर्गन ने कहाकंपनी अपनी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अपनी परिचालन प्रक्रियाओं की समीक्षा कर रही है।

कैप्टन डेविड मॉर्गन ने आगे कहा कि यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा ही हमारी पहली प्रथमिकता है। हमारे दल को इन परिस्थियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार किया गया है। हम अपने ग्राहकों और चालक दल की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विनियमन और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम अभ्यास दोनों के अनुरूप अपनी परिचालन प्रक्रियाओं की हमेशा समीक्षा करते रहते हैं।

लगातार तीसरे महीने अंधेरे में डूबा इक्वाडोर, ट्रांसमिशन लाइन खराब होने से देश की बिजली गुल

क्यूटो, 20 जून (एजेंसियां) ।

एक करोड़ से अधिक आबादी वाला इक्वाडोर कई सालों से ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। बुनियादी ढांचे की विफलता, रखरखाव की कमी और आयातित ऊर्जा पर निर्भरता इन सभी ने पूरे देश में बिजली नहीं रहने में योगदान दिया है।

पूरी दुनिया बदलती जलवायु के कारण अजीबोगरीब मौसम की मार झेल रही है। ऐसे में कहीं भीषण गर्मी तो कहीं बारिश का मौसम बना हुआ है। गर्मी के कारण कई देशों में बिजली की मांग बढ़ गई। इन सबके बीच, इक्वाडोर में हाहाकार मच गया। दरअसल, पूरे देश में अचानक से बिजली चली गई। इससे सब लोग परेशान हो गए। वहीं सार्वजनिक अवसंरचना मंत्री रॉबर्टो ल्यूक ने बिजली जाने के पीछे का कारण ट्रांसमिशन लाइन में खराबी आना बताया।

बिजली क्यों चली गई

रॉबर्टो ल्यूक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मुझे राष्ट्रीय बिजली ऑपरेटर सीईएनओसीई एक रिपोर्ट मिली है, इसमें बताया गया है कि बिजली क्यों चली गई। दरअसल, ट्रांसमिशन लाइन में खराबी के कारण कैस्केड डिस्कनेक्शन हुआ। इसलिए पूरे देश में कहीं भी बिजली नहीं थी। मंत्री ने आगे कहा कि अधिकारी बिजली को वापस लाने के लिए लगातार काम कर रहे थे। कुछ ही घंटों में इक्वाडोर की राजधानी क्विटो के कुछ हिस्सों में बिजली लौटना शुरू हो गई थी।

इक्वाडोर कई सालों से ऊर्जा संकट से जूझ रहा

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 1.8 करोड़ आबादी वाला इक्वाडोर कई सालों से ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। बुनियादी ढांचे की विफलता, रखरखाव की कमी और आयातित ऊर्जा पर निर्भरता, इन सभी ने पूरे देश में बिजली नहीं रहने में योगदान दिया है। वहीं, चीन द्वारा निर्मित 2.25 अरब डॉलर की लागत वाला कोका कोडो सिंक्लेयर बांध नामक पनबिजली संयंत्र इक्वाडोर की समस्या को हल करने में मदद करने वाला था। हालांकि, यह परियोजना इक्वाडोर के अधिकारियों के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन गई है। निर्माण में कई त्रुटियां हुई हैं, जिसके परिणामस्वरूप इक्वाडोर के अधिकारियों और चीनी कंपनी के बीच कानूनी विवाद हुआ है।

इक्वाडोर के अधिकांश हिस्से में बिजली गायब

इक्वाडोर के अधिकांश हिस्से में बिजली गायब थी। शाम को क्विटो और गुआयाकिल की सड़कों पर कारों के हॉर्न और ड्राइवरों के चिल्लाने की आवाजें गूंजने लगीं। इसका कारण यह था कि बिजली जाने के कारण ट्रैफिक लाइटों ने काम करना बंद कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों और कुछ जल आपूर्ति कंपनियों ने दोनों प्रमुख शहरों में अपनी सेवाएं निलंबित कर दी हैं।

इससे पहले भी बन चुकी है ब्लैकआउट की स्थिति

रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल की शुरुआत में इक्वाडोर में ब्लैकआउट की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जिसके बारे में ऊर्जा मंत्रालय ने कहा था कि इसका कारण लंबे समय तक सूखे के बाद ऐतिहासिक रूप से कम जल प्रवाह, बढ़ते तापमान और देश की विद्युत प्रणाली के रखरखाव की कमी है। मई की शुरुआत में भी ब्लैकआउट हुआ था, जो बाद में सही हो गया था। ल्यूक, जो कार्यवाहक ऊर्जा मंत्री भी हैं, ने सात जून को कहा कि बिजली कटौती का जोखिम कम हो गया है। हालांकि, 16 जून को क्विटो के कुछ हिस्सों में फिर से बिजली कटौती हुई। तीन दिन बाद, पूरे देश में बिजली कटौती हुई।

सॉल्ट और बेयरस्टो की तूफानी पारी, इंग्लैंड ने सुपर-8 में वेस्टइंडीज को हराया

ग्रोस आइलेट, 20 जून (एजेंसियां)।

डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप 2024 के दूसरे सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। इंग्लिश टीम की इस जीत में फिल सॉल्ट और जॉनी बेयरस्टो ने अहम भूमिका निभाई।

सेंट लूसिया के डैरेन सैमी स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। टूर्नामेंट की सह-मेजबान वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 180 रन बनाए।

जवाब में इंगलैंड ने वेस्टइंडीज को 15 गेंद शेष रहते 8 विकेट से हरा दिया। जोस बटलर (25 रन) ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। इसके बाद मोईन अली 13 रन बनाकर जल्द पवेलियन लौट गए। लेकिन फिल सॉल्ट ने टीम की पारी संभालते हुए सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 47 गेंद पर 5 छक्के और 7 चौके जड़ते हुए नाबाद 87 रन की तूफानी पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस दौरान उनका पूरा साथ जॉनी बेयरस्टो ने दिया। बेयरस्टो (नाबाद 48 रन) अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए लेकिन उनकी तेज पारी ने वेस्टइंडीज को मैच में बैकफुट पर धकेल दिया। फिल सॉल्ट और बेयरस्टो के बीच नाबाद 97 रनों की साझेदारी इस मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुई।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और मार्क वुड की टीम में वापसी हुई थी। ब्रैंडन किंग और जॉनसन चार्ल्स ने वेस्टइंडीज को एक ठोस शुरुआत दिलाई थी।

किंग को बीच में ही मांसपेशियों में खिंचाव आया और उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा लेकिन निकोलस पूरन ने चार्ल्स के साथ मिलकर पहले अर्धशतकीय साझेदारी की और फिर रोवमन पॉवेल के साथ भी पूरन की साझेदारी पनपी। इन छोटी-छोटी साझेदारी के दम पर वेस्टइंडीज ने एक अच्छा टोटल सेट किया।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 181 रन का टारगेट दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जॉनसन चार्ल्स 38, रोवमेन पॉवेल 36, निकोलस पूरन 36 और शेरफेन रदरफोर्ड नाबाद 28 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ब्रैंडन किंग 23 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर, आदिल रशिद, मोइन अली और लियाम लिविंगस्टोन को 1-1 विकेट मिला।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण विजेता एथलीटों पर बरसेगा धन

पेरिस । पेरिस ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों को इसबार काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने ट्रैक एवं फील्ड के 48 स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को 50,000 डॉलर करीब 41.60 लाख रुपये की पुरस्कार राशि देने की बात कही है। इस प्रकार डब्ल्यूए ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ भी बन जाएगा। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि की शुरुआत एथलेटिक्स के महत्व को देखते हुए की गयी है। साथ ही कहा कि हमने उन एथलीट की सहायता का फैसला किया है जो अपने प्रदर्शन से खेलों को वैश्विक स्तर पर सफल बनाते हैं। उन्होंने कहा, '' अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के राजस्व आवंटन से कुल 2.4 मिलियन डॉलर लगभग 18.63 अरब रुपये पुरस्कार के लिए रखे गये है, जो हर चार साल में विश्व एथलेटिक्स को मिलता है। इसका उपयोग 48 एथलेटिक्स खेलों में से स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को 50,000 डॉलर की राशि देकर किया जाएगा। इसके अलावा रिले टीमों को भी इसी राशि से सम्मानित किया जायेगा, जिसे टीम के सभी खिलाड़ी आपस में साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से जुड़ी पुरस्कार राशि के प्रारूप और संरचना की घोषणा खेलों के समय के करीब की जाएगी। इस पुरस्कार राशि का भुगतान हालांकि विश्व एथलेटिक्स की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा, जिसमें सामान्य डोपिंग रोधी प्रक्रियाओं से गुजरने और अन्य जरूरी प्रक्रिया का पालन करने वाले एथलीटों को ही शामिल किया जाएगा।

टी20 क्रिकेट के लायक नहीं बाबर : सहवाग

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम टी20 क्रिकेट के लायक नहीं हैं। उनके पास वह तेजी नहीं है जो इसके लिए जरुरी है। टी20 विश्वकप में पाक टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही आजम आलोचना का शिकार हुए हैं। पाक टीम टी20 विश्वकप में सुपर आठ में भी नहीं पहुंच पायी है। उसे अमेरिका से भी हार झेलनी पड़ी है। इस टूर्नामेंट के दौरान बाबर अपने कम स्ट्राइक रेट को लेकर भी निशाने पर रहे हैं। इसी को लेकर सहवाग ने कहा कि बाबर टी20 टीम के योग्य नहीं हैं। बाबर ने चैंपियंस 2017 ट्रॉफी 2017 और टी20 विश्व कप में 2022 में अच्छा खेल दिखाया पर अब उनका फार्म चला गया है। सहवाग ने एक शो के दौरान कहा कि बाबर उस तरह के बल्लेबाज नहीं हैं जो छक्के मार सकें। वह ऐसा तभी करते हैं जब वह सेट होते हैं और स्पिन गेंदबाजी का सामना करते हैं। मैंने उन्हें कभी भी पिच पर आगे बढ़ते या तेज गेंद मारते नहीं देखा। यह उसका खेल नहीं है। वह सुरक्षित क्रिकेट खेलता है, इसलिए वह लगातार रन बनाता है पर उसका स्ट्राइक रेट अच्छा नहीं है।

अगले माह जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं श्रेयस

मुम्बई । पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी करीब है।

अगर गौतम गंभीर मुख्य कोच बनते हैं तो उन्हें टीम में जगह मिलना तय है। ऐसे में श्रेयस जुलाई अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं। श्रेयस को 5 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली 5 मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भी चुना जा सकता है पर श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए उन्हें जगह मिलने की ज्यादा उम्मीदें हैं। गंभीर आईपीएल में केकेआर के मेंटोर थे जबकि श्रेयस कप्तान। ऐसे में दोनों में अच्छा तालमेल है। श्रेयस को रणजी ट्रॉफी खेलने से आनाकानी करने के कारण बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से भी बाहर कर दिया गया था पर अब वह भी उन्हें दिया जा सकता है। जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 टी20 मैचों की श्रृंखला के लिये टीम की घोषणा अगले सप्ताह होगी। ऐसी संभावना है कि श्रेयस को श्रीलंका में 3 मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भी शामिल किया जा सकता है। उसने विश्व कप में 500 से अधिक रन बनाए थे और उसका औसत 50 के करीब है। वहीं माना जा रहा है कि कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ी अब एकदिवसीय और टेस्ट पर ही ध्यान देंगे।

भारत ने अफगानिस्तान को 47 रनों से हराया

ब्रिजटाउन 20 जून (एजेंसियां)।

सूर्यकुमार यादव (53) और हार्दिक पांड्या (32) की जूझारु परियों और उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भारत ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप के सुपर आठ ग्रुप एक के मुकाबले में अफगानिस्तान को हरा दिया है।

आज यहां भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रोहित शर्मा और विराट कोहली की भारतीय सलामी एक बार फिर फ्लॉप साबित हुई। तीसरे ओवर में फजलहक फारूकी ने रोहित शर्मा (8) को राशिद खान के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पहला झटका दिया। सातवें ओवर में ऋषभ पंत 11 गेंदों में (20) रन बनाकर आउट हुये। उन्हें राशिद खान ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद नौवें ओवर में राशिद ने विराट कोहली (24) का भी शिकार कर लिया। 11वें ओवर में शिवम दुबे (10) को भी राशिद ने पवेलियन भेजा। इसके बाद सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 60 रनों की साझेदारी हुई। 17वें ओवर में फजलहक फारूकी ने सूर्यकुमार यादव को आउट कर अफगानिस्तान को बड़ी सफलता दिलाई। सूर्यकुमार यादव ने 28 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (53) रनों की पारी खेली। हार्दिक पांड्या 24 गेंदों में 32 रन और रवींद्र जडेजा सात रन बनाकर आउट हुये। अक्षर पटेल ने छह गेंदों में 12 रन बनाये। अर्शदीप सिंह दो रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 181 रन का स्कोर खड़ा किया। अफगानिस्तान की ओर से राशिद खान और फजलहक फारूकी ने तीन-तीन विकेट लिये। नवीन उल हक़ को एक विकेट मिला।

182 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ओवर में रहमानउल्लाह गुरबाज (11) का विकेट गवां दिया। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने आउट किया। चौथे ओवर में अक्षर पटेल ने इब्राहिम जदरान (8) को आउट कर अफगानिस्तान को दूसरा झटका दिया। पांचवें ओवर में बुमराह ने हजरतुल्लाह जजई (2) को भी पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। गुलबदीन नईब (17) कुलदीप यादव ने पवेलियन का रास्ता दिखाया। अजमतउल्लाह उमरजई और नजीबउल्लाह जदरान ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 12वें ओवर में रविन्द्र जडेजा ने उमरजई (26) को आउट कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। 16वें ओवर में बुमराह ने नजीबउल्लाह जदरान (19) को आउट कर अपना तीसरा विकेट लिया। 17वें ओवर में कुलदीप ने मोहम्मद नबी (17) को आउट कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। 18वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने राशिद खान (2) और नवीन उल हक (शून्य) के विकेट चटकाए। अर्शदीप ने 20वें ओवर की आखिर गेंद पर नूर अहमद (12) को आउट कर अफगानिस्तान 134 रन समेट दिया।

पेरिस ओलंपिक के बाद डॉक्टरों की सलाह लेंगे नीरज चोपड़ा, इस गंभीर तकलीफ से जूझ रहे हैं स्टार जेवलिन थ्रोअर

तुर्कु(फिनलैंड), 20 जून (एजेंसियां)।

ओलंपिक और विश्व चैंपियन भारतीय भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह पेरिस ओलंपिक के बाद एडक्टर (जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों) में होने वाली तकलीफ के इलाज के लिए डॉक्टरों से सलाह लेंगे। एक महीने के ब्रेक के बाद ट्रैक और फील्ड पर लौटे चोपड़ा ने पावो नुरमी खेलों में तीसरे प्रयास में 85.97 मीटर के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

चोपड़ा ने पिछले महीने एहतियात के तौर पर ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से नाम वापिस ले लिया था चूंकि वह जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहज महसूस कर रहे थे।

उन्होंने जीत के बाद कहा, मौसम अच्छा था और थोड़ी ठंडक थी। अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं क्योंकि सभी छह थ्रो फेंक सका। हर वर्ष मुझे एडक्टर में दिक्कत होती है। ओलंपिक के बाद मैं डॉक्टरों से राय लूंगा।

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण के दावेदार चोपड़ा ने दो वर्ष पहले इस टूर्नामेंट में 89.30 मीटर के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने सत्र की शुरुआत मई में दोहा डाइमंड लीग में 88.36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहकर की। उन्होंने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी भाग लेकर 82.27 मीटर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

अब वह सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे। पंचकूला में 27 जून से होने वाली राष्ट्रीय अंतर प्रांत एथलेटिक्स में वह नहीं खेलेंगे। वह यूरोप में कोच क्लाउस बर्तोनीज और फिजियो ईशान मारवाहा के साथ तीन अलग-अलग स्थानों पर अभ्यास करेंगे। उन्होंने फिनलैंड के कुओर्तने में तैयारियों का आगाज किया और अब जर्मनी के सारब्रकेन जाएंगे। इसके बाद वह तुर्किये में अभ्यास करेंगे और 28 जुलाई तक वहीं रहेंगे।

विदेश लीग क्रिकेट खेलने के लिए विलियम्सन नहीं कर रहे केन्द्र अनुबंध

ऑकलैंड, 20 जून (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियम्सन ने केन्द्रीय अनुबंध करने से इंकार कर दिया है। इससे पहले तेज गेंदबाज टेंट बोल्ट ने भी लीग क्रिकेट खेलने के लिए अनुबंध ठुकरा दिया था। विलियम्सन ने कहा है कि वह 2024-25 सीजन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का अनुबंध स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि वह विदेशी लीग क्रिकेट खेलना चाहते हैं। विलियम्सन विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं उनका इस प्रकार अनुबंध न करना कीवी क्रिकेट के लिए बड़ा झटका है।

क्रिकेट बोर्ड ने भी विलियम्सन के अनुबंध नहीं करने की बात मानी है। बोर्ड ने कहा है कि विलियम्सन अगले सत्र के लिए सेंट्रल अनुबंध नहीं करना चाहते पर वह तीनों फॉर्मेट के लिए उपलब्ध रहेंगे। विलियम्सन पिछले एक दशक से न्यूजीलैंड क्रिकेट की बल्लेबाजी संभालते रहे हैं। वे न्यूजीलैंड के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। विलियम्सन ने 100 टेस्ट मैच में 32 शतकों की मदद से 8743 रन बनाए हैं। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उनके नाम 165 मैच में 6810 रन दर्ज हैं। उन्होंने 93 टी20 इंटरनेशनल मैच में 2575 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को हर प्रारुप में आगे ले जाना चाहता हूं और इसके लिए हर मदद करूंगा पर मैं गर्मियों के दौरान मैं विदेशी लीग में खेलने के मौके तलाशना चाहता हूं। इसलिए अनुबंध नहीं कर रहा हूं। वहीं इससे पहले बोल्ट ने करार छोड़कर अलग-अलग देशों की टी20 और टी10 लीग क्रिकेट खेलना शुरु कर दिया था पर वह किसी बड़ी सीरीज और आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए उपलब्ध रहे हैं।

स्टोपेज टाइम में सब्स्टीट्युट खिलाड़ी ने गोल दागा पुर्तगाल ने रोमांचक मैच में चेक गणराज्य को धोया

लिपजिग, 20 जून (एजेंसियां)।

स्टोपेजटाइम में मैदान पर स्थानांपन्न खिलाड़ी फ्रांसिस्को कोंसिकाओ के गोल के दम पर पुर्तगाल ने यूरो कप मुकाबले में चेक गणराज्य को 2-1 से हराकर जीत से अपने अभियान की शुरुआत की।

चेक गणराज्य ने खचाखच भरे लिपजिग स्टेडियम में मौजूद हजारों पुर्तगाली प्रशंसकों को 62वें मिनट में शांत कर दिया, जब लुकास प्रोवोड ने शानदार गोल दागा। चेक टीम बड़े उलटफेर की ओर बढ़ रही थी, लेकिन आठ मिनट बाद ही रानाक के आत्मघाती गोल से पुर्तगाल ने 1-1 से बराबरी कर ली थी।

90वें मिनट में रोबर्टो मार्टिनेज ने बदलाव करते हुए कोंसिकाओ को मैदान पर उतारा। मार्टिनेज का यह दांव सफल रहा और दो मिनट बाद ही कोंसिकाओ ने अपनी टीम के लिए विजयी गोल दाग दिया। करीब 24 साल पहले कोंसिकाओ के पिता सर्जियो ने हैट्रिक लगाकर गत चैंपियन जर्मनी को यूरो 2000 से बाहर किया था। छह यूरो चैंपियनशिप खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो कोई गोल नहीं कर सके। वह पुर्तगाल के लिए टूर्नामेंट के इतिहास में 14 गोल कर चुके हैं, लेकिन चेक रक्षापंक्ति ने इस स्टार फुटबालर को शांत रखा।

पुर्तगाल ने 70 प्रतिशत गेंद अपने पास रखी, लेकिन चेक गणराज्य ने उसे गोल नहीं करने दिया। पुर्तगाल की टीम में टूर्नामेंट के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 41 वर्षीय पेपे और 39 वर्षीय रोनाल्डो जैसे दिग्गजों के सामने टूर्नामेंट की सबसे युवा टीम चेक गणराज्य ने कमाल का खेल दिखाया।

हॉकी इंडिया ने प्री-ओलंपिक शिविर के लिए किया भारतीय टीम का किया एलान, स्ट्राइकर दिलप्रीत का कटा पत्ता

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने प्री-ओलंपिक शिविर के लिए 27 संभावित खिलाड़ियों का एलान कर दिया। यह शिविर 21 जून से 8 जुलाई तक यहां एसएआई केंद्र में आयोजित किया जाएगा। ओलंपिक में भारत को बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। टोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने ओलंपिक अभियान की शुरुआत करेंगे।

भारतीय टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सफल प्रदर्शन के बाद लौट रही है। फिलहाल टीम 16 मैचों में 24 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। कोर ग्रुप में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा और डिफेंडर

हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय और आमिर अली शामिल हैं। मिडफील्डर्स के तौर मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुमित, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, राजकुमार पाल, विष्णुकांत सिंह, आकाशदीप सिंह और मोहम्मद राहील मौसीन को शामिल किया गया है। वहीं, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, बॉबी सिंह धामी और अरिजीत सिंह हुंडल फॉरवर्ड हैं जिन्हें शामिल किया गया है। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह को टीम में जगह नहीं मिली है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फल्टन का मानना है कि दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ प्रो लीग मैच उनके लिए एक शानदार अनुभव था। उन्होंने कहा, हम इस शिविर में प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण खंड शुरू करना चाहते हैं, और हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हों।

खिलाड़ियों ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में अपने मैचों से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने आगे कहा, इससे हमें यह समझने में मदद मिली है कि हमें कहाँ सुधार करने की आवश्यकता है। हमारे पास उन क्षेत्रों पर काम करने के लिए बहुत समय है। हमारे पास ऐसे खिलाड़ियों का एक मजबूत मिश्रण है जो कुछ भी जीतने में सक्षम हैं।

प्रशंसक मुझे मैच बदलने वाले खिलाड़ी के तौर पर याद करेंगे: वार्नर

नॉर्थ साउंड । इस विश्वकप के बाद खेल को अलविदा कहने जा रहे ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि वह अपने करियर में हमेशा ही आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। वार्नर के अनुसार को वाकई क्रिकेट को पसंद करते हैं वे उन्हें एक ऐसे आक्रामक बल्लेबाजी के तौर पर याद रखेंगे जो अपनी बल्लेबाजी से खेल को बदलने का प्रयास करता रहा है जिसमें वह कभी सफल तो कभी असफल हुआ है। वार्नर को साल 2018 के दक्षिण अफ्रीकी दौरे में गेंद से छेड़छाड़ मामले में भी फंसने के बाद एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया किया था हालांकि इसके बाद टीम में वापसी के करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। वार्नर ने कहा, 'वापसी करते हुए साल 2018 से मैं शायद अकेला ऐसा खिलाड़ी रहा हूं जिसने बहुत आलोचना झेली है। उन्होंने कहा, 'जब मैं वापस आया तो मेरे लिए चीजें आसान नहीं थी और मुझे यह पता था। वार्नर ने सभी प्रारूपों में 49 शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में करीब 19000 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से ही ऐसा व्यक्ति रहा हूं जिसने दबाव का सामना किया है। मुझे हमेशा ऐसा लगता है कि मैंने बहुत से लोगों से बहुत दबाव कम किया है और मुझे लगता है कि मैं इसे झेलने में सक्षम रहा हूं। साथ ही कहा कि अब संन्यास के कारण मैं इस प्रकार के दबाव से बच जाउंगा।

चाय उत्पादन में आ सकती है कमी, जून तक 60 मिलियन किलोग्राम की कमी आने का है अनुमान

नई दिल्ली,20 जून (एजेंसियां) ।

एक चाय निकाय ने अनुमान जताया है कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति न होने की वजह से उत्तर भारतीय चाय उद्योग को चालू फसल वर्ष के जून तक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 60 मिलियन किलोग्राम उत्पादन की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

चाय इंडस्ट्री के अधिकारियों ने कहा कि पहली और दूसरी फ्लश फसल खराब हो गई है। ऐसे में इस साल उच्चतम गुणवत्ता वाली चाय का उत्पादन में कमी आ सकती है। चाय के उत्पादन में कमी आने की वजह से चाय की कीमतों में भी इजाफा हो सकता है।

उत्तर भारतीय चाय उद्योग में सम और पश्चिम बंगाल राज्य शामिल है। इस राज्य में बारिश नहीं हो रही है। भीषण गर्मी की वजह से चाय का प्रोडक्शन पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

इस साल कम हो सकता है चाय का उत्पादन

टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष संदीप सिंघानिया का अनुमान है कि पिछले साल के उत्पादन की तुलना में जून तक संयुक्त फसल नुकसान 60 मिलियन किलोग्राम होने का अनुमान है।

इसके आगे सिंघानिया ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में सामान्य से 15-66 प्रतिशत अधिक बारिश हुई, जबकि असम में महीने के औसत की तुलना में 3-20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। अत्यधिक बारिश के साथ-साथ दिन के दौरान व्यावहारिक रूप से कोई धूप नहीं होने के कारण दोनों राज्यों में फसल उत्पादन में बाधा आई है।

भारतीय चाय बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में अप्रैल 2024 तक असम में उत्पादन में लगभग 8 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट आई है।

न्यूज़ ब्रीफ

खाद्य वस्तुओं पर घरेलू खर्च घटा, प्रसंस्कृत भोजन की खपत बढ़ी; एनएसएसओ के सर्वे में चौकाने वाले दावे

नई दिल्ली । राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) ने घरेलू उपभोग व्यय पर सर्वेक्षण किया है। इसके अनुसार उपभोक्ताओं द्वारा खर्च करने के पैटर्न में एक महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खाने-पीने पर खर्च में काफी गिरावट आई है। सर्वेक्षण की खास बातें 2022-23 में प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग खर्च (एमपीसीई) में खाद्य पदार्थों का योगदान ग्रामीण क्षेत्रों में 46 प्रतिशत हो गया है। 2011-12 के दौरान यह 53 प्रतिशत था। उधर शहरी क्षेत्रों में एमपीसीई में खाद्य पदार्थों का योगदान घटकर 39 प्रतिशत हो गया है। 2011-12 के यह 43 प्रतिशत था। इसी तरह, 2022-23 में एमपीसीई में गैर-खाद्य वस्तुओं की खपत ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़कर 54 प्रतिशत हो गई है। 2011-12 के दौरान यह 47 प्रतिशत था। उधर शहरी क्षेत्रों में भी एमपीसीई में गैर-खाद्य वस्तुओं की खपत बढ़कर 61 प्रतिशत हो गई है। 2011-12 के दौरान यह 57 प्रतिशत थी। अंडे, मछली और प्रसंस्कृत भोजन की खपत बढ़ी 2011-12 से 2022-23 तक ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दूध, दूध उत्पाद, फल, अंडे, मछली और मांस, पेय पदार्थ और प्रसंस्कृत भोजन , परिवहन और टिकाऊ वस्तुओं की खपत में वृद्धि हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में मासिक उपभोग खर्च 164 फीसदी बढ़ा एनएसएसओ के सर्वेक्षण के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में 2022-23 में एमपीसीई 3773 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 6459 रुपये हो गया है।

जगुआर लैंड रोवर 1.9 लाख करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स की लक्जरी वाहन कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने वित्त वर्ष 2028 तक करीब 1.9 लाख करोड़ रुपये लगाने की योजना बनाई है। इसका बड़ा हिस्सा नए उत्पाद बनाने में खर्च होगा। ब्रिटेन की यह कंपनी वित्त वर्ष 2026 तक 10 फीसदी एबिटा प्राप्त करना चाहती है। अप्रैल 2023 में जेएलआर ने वित्त वर्ष 2028 तक के पांच साल में 15 अरब पाउंड निवेश की योजना बनाई थी। कंपनी ने 2030 तक खुद को इलेक्ट्रिक फर्स्ट लक्जरी कंपनी को प्राथमिकता देने वाली कंपनी बनाने की घोषणा भी की थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में 3.3 अरब पाउंड निवेश किया और वित्त वर्ष 2025 के लिए 3.5 अरब पाउंड के निवेश का लक्ष्य रखा था। कंपनी द्वारा साझा की गई इन्वेस्टर डे 2024 की प्रस्तुति में कहा गया कि जेएलआर की नजर वित्त वर्ष 2025 में 8.5 फीसदी से अधिक एबिटा मार्जिन हासिल करने पर है। कंपनी वित्त वर्ष 2026 तक उसे बढ़ाकर 10 फीसदी करना चाहती है। जेएलआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पिछले साल कहा था कि कंपनी अपनी रीइमेजिन रणनीति के तहत 2030 तक इलेक्ट्रिक-फर्स्ट आधुनिक लक्जरी कार विनिर्माता के रूप में पहचान बनाएगी।

धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 117 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ा

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने खरीफ विपणन सत्र 2024-25 के लिए खरीफ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5 से 12.7 फीसदी तक बढ़ा दिया है। धान का एमएसपी 5.4 फीसदी बढ़ाकर 2,300 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। धान के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी सरकार के पास अधिशेष चावल भंडार होने के बावजूद हुई है। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली जैसे राज्यों में चुनावों से पहले यह महत्त्वपूर्ण पहल है। एमएसपी वृद्धि की घोषणा करते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने कृषि लागत और मूल्य आयोग की सिफारिशों के आधार पर 14 खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों को मंजूरी दी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इज़राइल की ...

के क्षेत्र में गहरे शोध पर केंद्रित है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी मंत्री रहे राजीव चंद्रशेखर ने ओपनएआई के अध्ययन पर कहा था, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि कुछ भारतीय राजनीतिक दल इज़राइली कंपनी एसटीओसी की मदद से चुनाव को नकारात्मक तरीके से प्रभावित करने के इरादे से गलत सूचनाएं और अफवाहें फैला रहे थे। भारत के चुनाव में यह सरासर विदेशी हस्तक्षेप है। यह देश के लोकतंत्र के लिए एक खतरनाक संकट की तरह है। राजीव चंद्रशेखर ने कहा था, यह स्पष्ट है कि भारत के और भारत से बाहर के निहित स्वार्थी तत्व इसे चला रहे हैं। इसकी गहन जांच और सख्त कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है।

ओपनएआई की रिपोर्ट यह भी बताती है कि चीन स्थित नेटवर्क खालिस्तान समर्थक एजेंडे को बढ़ावा दे रहा है। मेटा द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन की हरकतों को देखते हुए कई इंस्टाग्राम प्रोफाइल, पेज और ग्रुप को हटाया गया जो भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूके, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और नाइजीरिया में रहने वाले सिख समुदाय को लक्षित थे। अध्ययन में कहा गया है कि नेटवर्क की स्थापना चीन में हुई थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस ऑपरेशन ने सिखों के रूप में खुद को पेश करने, सामग्री पोस्ट करने और पेज और ग्रुप को प्रबंधित करने के लिए समझौता किए गए और नकली खातों का इस्तेमाल किया। इसके जरिए सिखों को भारत सरकार के खिलाफ भड़काने की भी कोशिश की गई।

इसके लिए फर्जी खबरें, फर्जी लेख, फर्जी तस्वीरें जारी की गईं। इन्हें भारत की अलग-अलग भाषाओं में जारी किया गया। मेटा ने जिस सामग्री को हाइलाइट किया, उसमें पंजाब क्षेत्र में बाढ़, वैश्विक सिख समुदाय का खालिस्तान समर्थक रुख, खालिस्तान के पक्ष में आंदोलन, आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में मौत और भारत सरकार की आलोचना करने वाले लेख शामिल थे।

इस तरह विदेशों से ऑपरेट कर रही भारत विरोधी ताकतों ने लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को हराने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया। विदेश से आया धन नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जमीनी स्तर तक दुष्प्रचार करने और मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे कुछ प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के प्रमुख नेताओं तक पहुंचा। विदेशी धन भारत के कुछ पत्रकारों को भी मिला, जिसके बल पर वे उछल-उछल कर नरेंद्र मोदी विरोधी माहौल बनाने में लगे थे। नरेंद्र मोदी को हराने में विदेशी धनपशु और विदेशी कंपनियां दोनों लगी थीं। इसमें अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस और उसकी संस्था ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के साथ-साथ हेनरी लुइस फाउंडेशन का नाम प्रमुखता से सामने आया। इस षडयंत्र में इजराइल की कंपनी एसटीओसी भी शामिल थी, जो जॉर्ज सोरोस के पैसे से ही चलती है। सोरोस भी यहूदी है और पूरी दुनिया में उसे अस्थिरता पैदा करने वाले शैतान के रूप में जाना जाता है। इसका विस्तार से खुलासा शुभ-लाभ के 20 जून के संस्करण में किया गया। उसका शेष हिस्सा आज प्रकाशित किया जा रहा है।

पेपर लीक...

लिए स्मारित किया गया। इस बार पथ निर्माण विभाग में कार्यरत प्रदीप कुमार द्वारा एनएचएआई के गेस्ट हाउस में सिकंदर कुमार के नाम से बुकिंग के लिए पदस्थापित कनीय अभियंता को व्हाट्सएप पर मैसेज भेज दिया। प्रीतम कुमार पहले यहीं पर पीएस थे, जब विभाग के मंत्री तेजस्वी यादव थे। इसीलिए संदेश में मंत्री शब्द का उपयोग किया। दोनों अधिकारियों ने यह बात लिखकर दी है। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि कमरे के आवंटन के लिए कोई लेटर नहीं मिला है। ये बुकिंग फोन पर हुई, जिसकी जानकारी दी जा चुकी है।

सिकंदर यादवेंदु ने 4 मई को एनएचएआई के गेस्ट हाउस में अपने साले की पत्नी रीना कुमारी और उसके बेटे अनुराग को ठहराया था। पुलिस ने 5 मई को रीना को एनएचएआई के गेस्ट हाउस से ही गिरफ्तार किया था। गेस्ट हाउस के एंट्री रजिस्टर में छात्र अनुराग यादव के नाम के आगे ब्रैकेट में मंत्री जी लिखा हुआ है। यही नहीं, एनएचएआई गेस्ट हाउस से ईओयू को एक ओएमआर शीट भी मिली थी।

एनएचएआई गेस्ट हाउस मामले में बिहार के डिप्टी सीएम और पथ निर्माण विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने दावा किया कि पूरा मामला तेजस्वी यादव से जुड़ा हुआ है। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पेपर लीक घोटाले का किंगपिन सिकंदर कुमार यदुवंशी तेजस्वी यादव के पीएस प्रीतम कुमार का निकट संबंधी है। उसी ने गेस्ट हाउस बुक कराया था। सारा खेल तेजस्वी यादव के घर से ही खेला जा रहा था।

नीट-यूजी पेपर लीक कांड में गिरफ्तार अनुराग यादव ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। उसके साथ कुछ और गिरफ्तार अभ्यर्थियों ने भी अपना गुनाह कबूला है। अनुराग यादव ने बताया है कि उसे उसके फूफा सिंकदर यादवेंदु ने कोटा से बुलाया था और कहा था कि पूरी सेटिंग हो गई है। वापस आ जाओ।

नीट घोटाले में शामिल सिकंदर के सहयोगी अमित आनंद ने भी अपना गुनाह कबूल कर लिया है। उसने कबूलनामे में कहा कि नीट परीक्षा से एक दिन पहले पेपर लीक हो गया था। परीक्षा से एक दिन पहले अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र रटाए गए थे और प्रश्न पत्र के बदले अभ्यर्थियों से 30-32 लाख रुपए लिए गए थे। उसने यह बात भी कबूली है कि वह पहले भी पेपर लीक कराता रहा है। पेपर लीक का मास्टरमाइंड अमित मुंगेर जिले का रहने वाला है। वर्तमान में वह पटना के एजी कॉलोनी के एक किराए के फ्लैट में रह रहा था। इस कबूलनामे में उसने बताया है कि किस तरह से उसकी मुलाकात उन छात्रों से हुई, जिन्हें आंसर रटवाए गए थे।

अमित ने अपने बयान में कहा, मेरी दोस्ती सिकंदर से हुई थी, जो दानापुर नगर निगम कार्यालय में जूनियर इंजीनियर है। मैं अपने एक निजी काम से उससे मिलने गया था। बातचीत के सिलसिले में मैंने सिकंदर से कहा था कि मैं किसी भी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक कराकर अभ्यर्थियों को पास कराता हूं। सिकंदर ने इसपर मुझसे कहा कि मेरे पास 4-5 अभ्यर्थी हैं, जो नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें पास करवा दीजिए। बच्चों को पास करने के बदले में मैंने बताया कि 30-32 लाख रुपए लगेंगे। इस पर सिकंदर तैयार हो गया और कहा कि वह 4 अभ्यर्थी हमें देगा। इसी बीच नीट परीक्षा की तारीख आ गई। सिकंदर ने पूछा लड़कों को कब लाना है। मैंने कहा कि पांच मई को परीक्षा है। चार मई की रात को अभ्यर्थियों को लेकर आना। चार मई की रात में नीट परीक्षा का क्वेश्चन पेपर लीक करवाकर सभी अभ्यर्थियों को उत्तर के साथ पढ़ाया-रटवाया जा रहा था।

पुलिस को दिए कबूलनामे में मास्टरमाइंड अमित आनंद ने बताया, सिकंदर को पुलिस ने पकड़ लिया और फिर उसकी निशानदेही पर हम लोग भी पकड़ गए। हमारे किराए वाले फ्लैट से पुलिस को नीट समेत अलग-अलग एग्जाम का एडमिट कार्ड, नीट का प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिका का जला हुआ अवशेष बरामद हुआ है। पुलिस ने इसे जब्त कर लिया है। मैंने पहले भी पेपर लीक करवाए हैं। मैं अपना अपराध कबूल करता हूं। अब तक इस मामले में 13 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं, जिसमें 4 अभ्यर्थी भी हैं।

ईओयू की जांच में यह बात भी सामने आई है कि बिहार में कुछ महीने पहले हुए शिक्षक परीक्षा प्रश्नपत्र घोटाले और नीट पेपर लीक मामले को एक ही गिरोह ने अंजाम दिया, जिसका सरगना सिकंदर कुमार यदुवंशी है। बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने दावा किया है कि उसका पूर्व उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से करीबी संबंध है।

बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला सिकंदर यदुवंशी घोटाले के मामले में जेल भी जा चुका है। वह पहले रांची में ठेकेदारी का काम करता था, लेकिन साल 2012 में उसने बिहार एसएसपी की परीक्षा पास कर लिया और बतौर जूनियर इंजीनियर सरकारी नौकरी में आ गया। उसका बेटा और बेटी दोनों ही एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। उसका दामाद एमबीबीएस करने के बाद पीजी की पढ़ाई कर रहा है। सिकंदर तीन करोड़ के एलईडी घोटाले में भी गिरफ्तार हो चुका है।

पेपर लीक कांड के सिलसिले में बिहार पुलिस ने सबसे पहले सिकंदर यदुवंशी को ही पकड़ा। उसके साथ अखिलेश और बिट्टू नाम के युवक भी शास्त्रीनगर के बेली रोड पर राजवंशी नगर मोड़ पर पकड़े गए थे। उसके पास से नीट-यूजी के कई एडमिट कार्ड भी मिले थे। यदुवंशी से मिले इनपुट के बाद आयुष, अमित और नितीश को गिरफ्तार किया गया। नालंदा के संजीव सिंह को भी पुलिस ने पकड़ा।

पांच मई को जब परीक्षा हो रही थी, तब केंद्रीय एजेंसी के इनपुट पर देशभर में छापेमारी हो रही थी। ऐसी ही एक छापेमारी बिहार में भी हुई। पटना में बिहार पुलिस के पास यह जानकारी आई थी कि एक डस्टर गाड़ी से नीट परीक्षा के कदाचार हो रहा है। इस गाड़ी पर दानापुर नगर प्रशासन का प्लेट लगा हुआ था। इस गाड़ी के साथ बिहार सरकार में जूनियर इंजीनियर सिंकदर कुमार यादवेंदु को 5 मई को ही दोपहर करीब दो बजे पकड़ा गया था। इस गाड़ी में उस समय यादवेंदु के अलावा ड्राइवर और एक नीट अभ्यर्थी के पिता को बैठा हुआ पाया गया था। सिकंदर के पास मिली एक कॉपी में नीट परीक्षा के कुछ अभ्यर्थियों का नंबर था। पूछताछ में उसने बताया कि वह उसके रिश्तेदार अभ्यर्थियों का है। इसमें से एक अभ्यर्थी आयुष को बिहार पुलिस ने परीक्षा खत्म होते ही पटना के एक स्कूल स्थित परीक्षा केंद्र से पकड़ा। शाम करीब 5:20 में जब उसे पकड़ा गया तो उसने कबूल लिया, सिकंदर अंकल ने रात में पटना के खेमनीचक में उसे और कुछ अभ्यर्थियों को ठहराया था। वहीं प्रश्नपत्र में दिया उत्तर रटाया गया, जो नीट के पेपर में आया था।

सिकंदर से आयुष तक पहुंचने के बाद पुलिस खेमनीचक में उस जगह तक भी पहुंची। यहां कोविड के दौरान बंद पड़ चुके लर्न एंड प्ले स्कूल में चार तारीख की रात इन्हें उत्तर रटाए गए थे। इसकी बिल्डिंग के छत पर जले हुए कागज मिले। यह और कुछ नहीं, बल्कि नीट के प्रश्नपत्र थे। इसके साथ ही सिकंदर यादवेंदु की निशानदेही पर कुल 13 लोगों को पकड़ा गया। इसमें उसका साथ देने वाले छह परीक्षा माफिया, चार परीक्षार्थी और तीन अभिभावक थे। अभिभावकों में एक सिकंदर की सलहज थी, जो अपने बेटे नीट अभ्यर्थी अनुराग यादव के साथ एनएचएआई के गेस्ट हाउस में ठहरी थी।

माफिया की निशानदेही पर जिन अभ्यर्थियों की गिरफ्तारी हुई, उन्होंने बयान और पुनर्बयान में स्वीकार किया है कि उन्हें प्रश्नों के उत्तर रटाए गए थे और वही परीक्षा में सवाल भी आए। प्रश्नपत्र के जले हिस्से भी मिल गए। लेकिन, इससे प्रमाणित होना मुश्किल होता। लेकिन बिहार पुलिस से जब यह मामला आर्थिक अपराध इकाई के पास आया तो उसने जलने से बचे टुकड़ों को जोड़कर प्रश्नपत्रों में से 74 प्रश्न निकाले। इसके साथ ही प्रश्न का एक बुकलेट नंबर भी। 10 मई को आर्थिक अपराध इकाई ने यह केस हाथ में लिया और उसके बाद 21 मई से अब तक तीन बार उसने इस बुकलेट नंबर के मिलान के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से सारे प्रश्न बुकलेट की मांग की, लेकिन उसे अब तक यह नहीं मिला है।

परीक्षा लेने की जिम्मेदारी एनटीए की थी और जब लीक प्रश्नों के टुकड़े के साथ बुकलेट की जानकारी आर्थिक अपराध इकाई बिहार के पास है तो सभी बुकलेट नहीं भेजना असहयोग ही माना जाएगा। सहयोग के नाम पर एनटीए ने इतना ही किया कि इस पेपर लीक का लाभ उठाने वाले 11 अभ्यर्थियों के मिलान में आर्थिक अपराध इकाई को उनसे जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराई है।

जातीय सर्वे ...

कि किसी भी सूरत में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं हो सकती।

हालांकि केंद्र सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए इस सीमा को 50 से ऊपर ले जाकर 60 प्रतिशत कर दिया था। 2022 में सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने 3-2 के फैसले से ईडब्लूएस आरक्षण को सही ठहराया था और इस कानून के खिलाफ दायर सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

बिहार में नए आरक्षण कानून के बाद मुख्य आरक्षण 65 प्रतिशत हो गया था, जबकि आर्थिक आधार के आरक्षण को मिलाकर यह 75 फीसदी हो गया था, जिसके चलते बिहार सरकार द्वारा पारित उस कानून को रद्द कर दिया था। बिहार सरकार के इस कानून को पटना हाईकोर्ट में कई संगठनों ने चुनौती दी थी, जिसकी सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने 11 मार्च को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जो कि 20 जून को सुनाया गया। हाईकोर्ट ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 का उल्लंघन करने वाला बताया गया है।

अनुच्छेद 14 सभी को समानता का अधिकार देता है। किसी भी तरह का आरक्षण समानता के अधिकार का उल्लंघन है लेकिन आर्टिकल 15 और 16 में आरक्षण जैसे उपायों का रास्ता बनाया है। अनुच्छेद 15 धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का विरोध करता है और समानता की बात करता है। वहीं यह अलग-अलग धाराओं के जरिए सरकार को सामाजिक, शैक्षिक रूप से पिछड़ों को उन्नति के लिए स्पेशल प्रबंध करने की ताकत मिलती है। अनुच्छेद 16 बताता है कि सरकारी नौकरी नियुक्ति में सभी नागरिकों के लिए समान अवसर हों। कोई नागरिक धर्म, जाति, लिंग, जन्म स्थान निवास के आधार पर सरकारी नौकरी या नियुक्ति के ना तो अपात्र होगा और न ही किसी तरह का भेदभाव होगा। इसी अनुच्छेद में अलग-अलग धाराओं के जरिए एससी, एसटी, ओबीसी और अनारक्षित के लिए सरकारी नौकरी में आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

पटना हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि बिहार सरकार ने जो पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किया था, उसे तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाता है। हाईकोर्ट ने बिहार में पदों और सेवाओं में रिक्तियों में आरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2023 और बिहार (शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में) आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2023 को संविधान के विरुद्ध और संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 के तहत समानता के खंड का उल्लंघन मानते हुए रद्द कर दिया।

दुनिया के सबसे ...

खासकर युवाओं में खुशी की लहर है। रविवार को ट्रैक के निरीक्षण के लिए पहली बार रियासी स्टेशन तक विद्युत चलित इंजन सीटियां बजाता हुआ पहुंचा था। इसे देखने के लिए युवाओं की भीड़ भी रियासी स्टेशन पर एकत्रित हुई थी। युवाओं का कहना है कि इस ट्रैक पर ट्रेन चलने के बाद व्यापार में वृद्धि होगी और रोजगार के साधन भी बढ़ेंगे। इसलिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन जल्द से जल्द इस ट्रैक पर ट्रेन चलाए

चिनाब नदी पर बना एफिल टावर से ऊंचा रेलवे पुल बहुत ही खास मायने रखता है। चिनाब नदी के ऊपर 359 मीटर (लगभग 109 फीट) की ऊंचाई पर चिनाब रेल पुल को बनाया गया है। यह रेल पुल पेरिस के एफिल टावर से भी लगभग 59 मीटर अधिक ऊंचा है। इस पुल की ऊंचाई कुतुब मीनार से भी 5 गुना अधिक ऊंचा है। इस पुल का निर्माण साल 2004 में शुरू हुआ था। यानी पुल को बनने में पूरे 2 दशक का समय लग गया। पुल का निर्माण रेल मंत्रालय के एक संगठन कोंकण रेलवे कारपोरेशन ने किया है। चिनाब पुल को बनाने में लगभग 30,000 मीट्रिक टन स्टील का इस्तेमाल किया गया। इस पुल को धनुषाकार में बनाया गया है। पुल का डिजाइन और इसे इतनी मजबूती से बनाया गया है कि अगले कम से कम 120 सालों तक यह पुल पूरी तरह से सही-सलामत रहने वाली है। पुल को जोड़ने के लिए विश्व स्तरीय वेल्डिंग का इस्तेमाल किया गया है। पूरी पुल लगभग 18 कंक्रीट से बने खंभों पर टिकी है।

यह पुल जम्मू संभाग में जिस स्थान पर बना है वह भूकंप जोन चार में आता है, लेकिन इसे भूकंप जोन पांच के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मतलब है कि रिक्टर स्केल पर 8 की तीव्रता वाला भूकंप भी यह पुल झेल सकता है। 260 किमी की रफ्तार से आने वाले तूफान में भी यह पुल डटकर खड़ा रहेगा। कश्मीर के मौसम को ध्यान में रखते हुए ही इस पुल को इतना मजबूत बनाया गया है कि यह -10 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान आसानी से झेल सकें। इसकी एक अन्य खासित इसको धनुषाकार में बनाया जाना भी है। यह दुनिया का सबसे ऊंचा धनुषाकार रेल पुल है। धनुषाकार पुल के हर किनारे का आकार किसी फुटबॉल मैदान के एक-चौथाई आकार का है।

यह एक महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग चमत्कार है, जिसमें मुख्य रूप से कई तकनीकी और व्यावहारिक कारणों से सिंगल ट्रैक है। इसके कई कारण हैं। पहला, संरचनात्मक स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुल का डिजााइन सिंगल ट्रैक के लिए अनुकूलित है। सिंगल ट्रैक एक हल्का, अधिक लचीला ढांचा प्रदान करता है जो गुजरने वाली ट्रेनों के गतिशील भार और हवा और भूकंपीय गतिविधि जैसे पर्यावरणीय तनावों को बेहतर ढंग से संभाल सकता है।

यही नहीं दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल के रूप में, चिनाब पुल पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण महत्व रखता है। यात्रियों के अनुभव को बढ़ाने के लिए, पुल को इतना चौड़ा बनाया गया है कि यात्री दोनों तरफ खड़े होकर लुभावने दृश्यों का आनंद ले सकें और इसका उपयोग रखरखाव के उद्देश्यों के लिए भी किया जा सकता है। इसके अलावा पुल के दोनों ओर सुरंग में सिंगल ट्रैक हैं। सुरंग के अंदर डबल ट्रैक बिछाने से आसपास के पहाड़ों के अस्थिर होने का खतरा था।

रेलवे के बकौल, रेलवे लाइन पर मौजूदा और अनुमानित ट्रैफिक डबल ट्रैक की आवश्यकता को उचित नहीं ठहराता है। सिंगल ट्रैक अपेक्षित ट्रेन ट्रैफिक को संभालने के लिए पर्याप्त है, खासकर क्षेत्र में विकास के वर्तमान चरण को देखते हुए। रेलवे अधिकारी कहते हैं कि सिंगल ट्रैक रखरखाव और परिचालन प्रबंधन की जटिलता को कम करता है। यह पुल की निगरानी और रखरखाव को सरल बनाता है, जिससे दीर्घकालिक विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित होती है। कुल मिलाकर, चिनाब पुल का सिंगल ट्रैक डिजाइन एक संतुलित दृष्टिकोण है जो परियोजना की इंजीनियरिंग, आर्थिक और परिचालन आवश्यकताओं के साथ सरेखित है।

370 हटने के...

पीएम मोदी ने कहा कि तीन बार किसी सरकार का बनना बहुत बड़ा वैश्विक प्रभाव डालता है। इससे देश को देखने का दुनिया का नजरिया बदलता है। इससे दूसरे देश अपने साथ भारत को प्राथमिकता देते हैं। प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर की 3300 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और शुभारंभ किया। शासकीय सेवाओं के लिए लोगों को नियुक्ति पत्र भी सौंपे।

जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने पीएम मोदी द्वारा युवाओं को सशक्त बनाने और जम्मू-कश्मीर में बदलाव लाने के थीम पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि तीसरी बार देश की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास जताया है। जम्मू कश्मीर में नौजवान स्टार्टअप और स्वरोजगार से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। आज युवाओं के हाथ में पत्थर नहीं, बल्कि परिवर्तन के टूल्स हैं।इसके पूर्व उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने पीएम मोदी का स्वागत किया। उपराज्यपाल ने उन्हें पारंपरिक शाल और पेपर माशी से निर्मित एक उपहार भेंट किया। पीएम मोदी का श्रीनगर में पारंपरिक तरीके के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान प्रदेश के लोक गीत गूंजे। एक दृश्य यह भी सामने आया जब पीएम मोदी ने स्वागत करने वाले नागरिकों का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर के स्थानीय उत्पाद का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादक विक्रेताओं से बातचीत की और उनके अनुभव को जाना।उल्लेखनीय है कि श्रीनगर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य समारोह होगा। इसमें पीएम भाग लेंगे। यहीं से इस बार प्रधानमंत्री मोदी योग और शांति का संदेश पूरी दुनिया में देंगे।

महाराष्ट्र के...

बैंकिंग लोन की कमी के कारण कई किसान छोटी फाइनेंस फर्मों या साहूकारों पर निर्भर रहते हैं जो इनसे कठोर वसूली करते हैं।

साल 2001 से महाराष्ट्र सरकार विदर्भ के छह जिलों अमरावती, अकोला, यवतमाल, वाशिम, बुलढाणा और वर्धा में आत्महत्या करने वाले किसानों का डेटा मेंटेन कर रही है। महाराष्ट्र के इन छह जिलों में आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या सबसे ज्यादा है। पिछले दो दशकों में इन जिलों में 22,000 से अधिक आत्महत्याएं हुई हैं। 2024 में ही अब तक यहां 486 किसान जान दे चुके हैं।

अमरावती में, 143 आत्महत्याओं में से 33 कृषि संकट के कारण हुई और 100 केस में जांच जारी है। यवतमाल में, 132 आत्महत्याओं में से 34 कृषि संकट के कारण थीं। 66 मामलों में अभी भी जांच जारी है, जिला प्रशासन ने 32 को खारिज कर दिया है।

अमरावती में साल 2001 से अब तक 5319 किसानों ने आत्महत्या की जिनमें से 2774 किसानों ने कृषि संकट के कारण जान दी। वहीं, यवतमाल में साल 2001 से अब तक 5970 किसानों ने आत्महत्या की जिनमें से 2447 किसानों ने कृषि संकट के कारण जान दी।

सबसे ज्यादा किसानों की आत्महत्या वाले जिले
(2001 से अब तक)

जिला	संख्या
अमरावती	5319
यवतमाल	5970
अकोला	3029
बुलढाणा	4251
वाशिम	1960
वर्धा	2415

महाराष्ट्र के राहत और पुनर्वास विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल महाराष्ट्र में 2,851 किसानों ने अपना जीवन समाप्त कर लिया था। 2022 में कर्ज में डूबे 2,942 किसानों ने आत्महत्या की थी और 2021 में यह संख्या 2,743 थी। क्षेत्र-वार देखा जाये तो विदर्भ (1,439) में 2023 में सबसे अधिक किसान आत्महत्या के मामले देखे गए, उसके बाद मराठवाड़ा (1,088) का स्थान रहा।

आंकड़ों के अनुसार, 2023 में अमरावती जिले में 318, यवतमाल में 302, बुलढाणा में 292, बीड में 269, छत्रपति संभाजीनगर में 182 और जलगांव में 151 किसानों ने आत्महत्या की। पिछले साल दर्ज किए गए कुल 2,851 मामलों में से 1,551 मामलों में मृतकों के परिजन अनुग्रह राशि के पात्र थे और 96 प्रतिशत मामलों में नियमों के अनुसार भुगतान किया गया था। आंकड़ों के अनुसार, जहां 746 मामले अनुग्रह राशि के लिए अयोग्य पाए गए, वहीं 554 मामलों में जांच पेंडिंग है।

देश भर की बात की जाये तो राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि 1995 और 2014 के बीच 296,438 किसानों ने आत्महत्या की थी। वहीं 2014 और 2022 के बीच नौ वर्षों में यह संख्या 100,474 रही। 2022 में, भारत में कृषि क्षेत्र से जुड़े कुल 11,290 व्यक्तियों (5,207 किसान और 6,083 कृषि मजदूर) ने आत्महत्या की है, जो देश में कुल आत्महत्या करने वालों का 6.6 प्रतिशत है।

इससे पहले, सरकार ने अलग-अलग आंकड़े बताए थे। साल 2004 में सबसे अधिक 18,241 किसानों ने आत्महत्या की थी। 2005 तक 10 साल की अवधि में भारत में किसानों की आत्महत्या की दर प्रति 1,00,000 जनसंख्या पर 1.4 से 1.8 के बीच थी। हालांकि, 2017 और 2018 के आंकड़ों से पता चलता है कि प्रतिदिन औसतन 10 से अधिक आत्महत्या या प्रति वर्ष 5760 किसान आत्महत्या करते हैं। कई राज्यों पर किसान आत्महत्या के आंकड़ों में हेरफेर करने का आरोप है इसलिए वास्तविक आंकड़े और भी अधिक हो सकते हैं।

पिछले कई सालों से, महाराष्ट्र देश में किसान आत्महत्याओं की सूची में टॉप पर है, इसके बाद कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, 2022 में किसान आत्महत्या के सबसे अधिक आंकड़ों वाले राज्य महाराष्ट्र (4,248), कर्नाटक (2,392), आंध्र प्रदेश (917), और तमिलनाडु (728) और मध्य प्रदेश (641) थे। कुल मिलाकर, इन पांच राज्यों में कृषि क्षेत्र में कुल आत्महत्याओं का लगभग 80 प्रतिशत और किसानों की आत्महत्याओं का लगभग 85 प्रतिशत दर्ज किया गया।भारत में किसान आत्महत्या क्यों करते हैं इसके पीछे कई कारण हैं। बाढ़, सूखा, कर्ज, कम निवेश के कारण कम मात्रा में कीटनाशकों का उपयोग शामिल है, जिससे उपज में कमी आती है। अध्ययनों से पता चलता है कि आत्महत्या करने वाले पीड़ित एक से अधिक कारणों से प्रभावित होते हैं। किसानों के आत्महत्या करने का प्राथमिक कारण ऋण चुकाने में असमर्थता है। विश्व बैंक के एक अर्थशास्त्री पनगढ़िया कहते हैं, लगभग 25 प्रतिशत मामलों में कृषि संबंधी कारण ही आत्महत्या के कारणों के रूप में सामने आते हैं। रिसर्च के मुताबिक, किसानों के बीच लोन का बोझ और ऋण के अनौपचारिक स्रोतों पर अधिक निर्भरता आत्महत्या करने के मुख्य कारण हैं।

योगः इसकी उत्पत्ति, इतिहास और विकास

परिचय : योग अनिवार्य रूप से एक अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित आध्यात्मिक अनुशासन है, जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य लाने पर केंद्रित है। यह स्वस्थ जीवन जीने की एक कला और विज्ञान है। 'योग' शब्द संस्कृत मूल 'युज' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'जुड़ना' या 'जोड़ना' या 'एकजुट होना'। योग शास्त्रों के अनुसार योग का अभ्यास व्यक्तिगत चेतना को सार्वभौमिक चेतना के साथ जोड़ता है, जो मन और शरीर, मनुष्य और प्रकृति के बीच एक पूर्ण सामंजस्य का संकेत देता है। आधुनिक वैज्ञानिकों के अनुसार, ब्रह्मांड में सब कुछ एक ही क्वांटम आकाश की अभिव्यक्ति है। जो व्यक्ति अस्तित्व की इस एकता का अनुभव करता है, उसे योग में कहा जाता है, और उसे योगी कहा जाता है, जिसने मुक्ति, निर्वाण या मोक्ष के रूप में संदर्भित स्वतंत्रता की स्थिति प्राप्त की है। इस प्रकार योग का उद्देश्य आत्म-साक्षात्कार है, सभी प्रकार के कष्टों को दूर करना जो 'मुक्ति की स्थिति' (मोक्ष) या 'स्वतंत्रता' (कैवल्य) की ओर ले जाता है।

जीवन के सभी क्षेत्रों में स्वतंत्रता के साथ जीना, स्वास्थ्य और सद्भाव योग अभ्यास के मुख्य उद्देश्य होंगे। योग एक आंतरिक विज्ञान को भी संदर्भित करता है जिसमें कई तरह की विधियाँ शामिल हैं जिनके माध्यम से मनुष्य इस मिलन को महसूस कर सकता है और अपने भाग्य पर महारत हासिल कर सकता है। योग, जिसे व्यापक रूप से सिंधु सरस्वती घाटी सभ्यता के 'अमर सांस्कृतिक परिणाम' के रूप में माना जाता है – जो 2700 ईसा पूर्व से चली आ रही है, ने मानवता के भौतिक और आध्यात्मिक उत्थान दोनों को पूरा करने में खुद को साबित किया है। बुनियादी मानवीय मूल्य ही योग साधना की पहचान हैं।

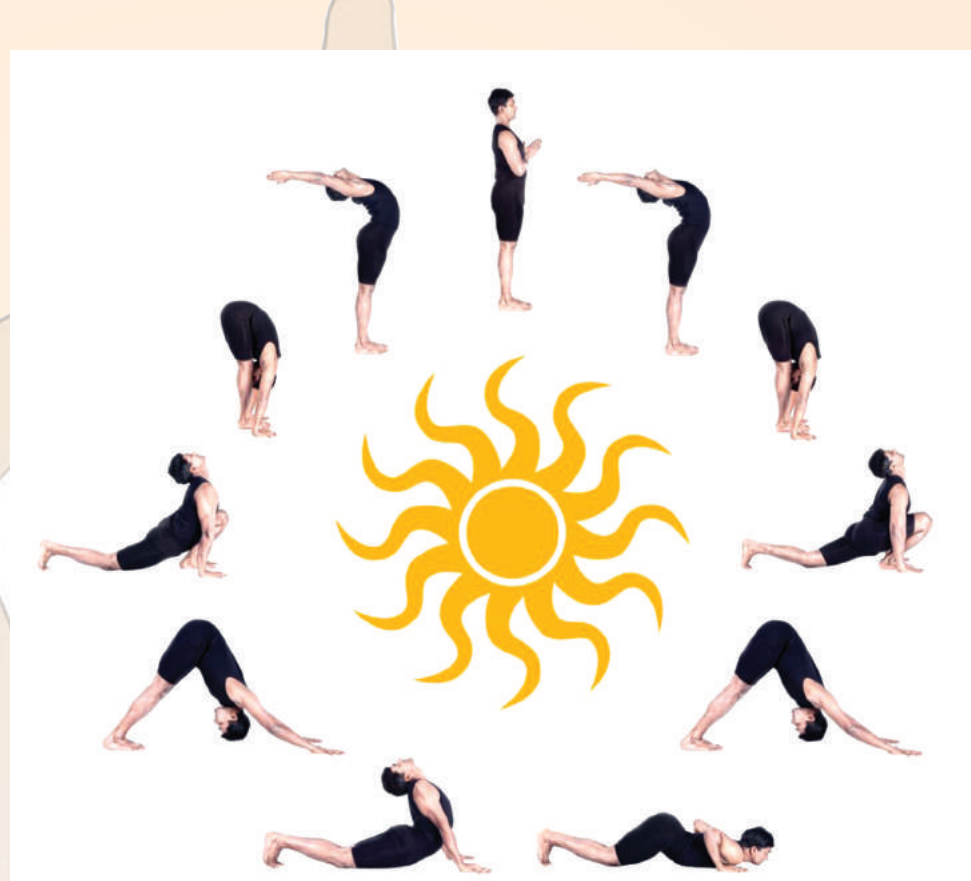

योग का संक्षिप्त इतिहास और विकास :–

माना जाता है कि योग का अभ्यास सभ्यता के आरंभ से ही शुरू हो गया था। योग विज्ञान की उत्पत्ति हजारों साल पहले हुई थी, पहले धर्मों या विश्वास प्रणालियों के जन्म से बहुत पहले। योग विद्या में, शिव को पहले योगी या आदियोगी और पहले गुरु या आदि गुरु के रूप में देखा जाता है।

कई हज़ार साल पहले, हिमालय में कांतिसरोवर झील के तट पर, आदियोगी ने अपने गहन ज्ञान को पौराणिक सप्तर्षियों या सात ऋषियों को दिया था। ऋषियों ने इस शक्तिशाली योग विज्ञान को एशिया, मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पहुँचाया। दिलचस्प बात यह है कि आधुनिक विद्वानों ने दुनिया भर में प्राचीन संस्कृतियों के बीच पाई जाने वाली करीबी समानताओं पर ध्यान दिया और आश्चर्यचकित हुए। हालाँकि, यह भारत ही था जहाँ योग प्रणाली को अपनी पूर्ण अभिव्यक्ति मिली। अगस्त्य, सप्तऋषि जिन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप में यात्रा की, उन्होंने इस संस्कृति को एक मूल योगिक जीवन शैली के इर्द-गिर्द गढ़ा।

सिंधु-सरस्वती घाटी सभ्यता की मुहरों और जीवाश्म अवशेषों की संख्या योगिक उद्देश्यों और योग साधना करते हुए आकृतियों के साथ प्राचीन भारत में योग की उपस्थिति का सुझाव देती है। लिंग के प्रतीक, देवी माँ की मूर्तियों की मुहरें तंत्र योग के सूचक हैं। योग की उपस्थिति लोक परंपराओं, सिंधु घाटी सभ्यता, वैदिक और उपनिषदिक विरासत, बौद्ध और जैन परंपराओं, दर्शन, महाभारत और रामायण के महाकाव्यों, शैवों, वैष्णवों और तांत्रिक परंपराओं की आस्तिक परंपराओं में उपलब्ध है। इसके अलावा, एक आदिम या शुद्ध योग था जो दक्षिण एशिया की रहस्यमय परंपराओं में प्रकट हुआ है। यह वह समय था जब योग का अभ्यास गुरु के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में किया जाता था और इसके आध्यात्मिक मूल्य को विशेष महत्व दिया जाता था। यह उपासना का एक हिस्सा था और योग साधना उनके अनुष्ठानों में अंतर्निहित थी। वैदिक काल में सूर्य को सबसे अधिक महत्व दिया जाता था। 'सूर्य नमस्कार' का अभ्यास इसी प्रभाव के कारण बाद में आविष्कार किया गया होगा। प्राणायाम दैनिक अनुष्ठान का एक हिस्सा था और आहुति देने के लिए किया जाता था। यद्यपि योग का अभ्यास पूर्व-वैदिक काल में भी किया जाता रहा, लेकिन महान ऋषि महर्षि पतंजलि ने अपने योग सूत्रों के माध्यम से योग की तत्कालीन प्रचलित प्रथाओं, उसके अर्थ और उससे संबंधित ज्ञान को व्यवस्थित और संहिताबद्ध किया। पतंजलि के बाद, कई ऋषियों और योग गुरुओं ने अपनी अच्छी तरह से प्रलेखित प्रथाओं और साहित्य के माध्यम से इस क्षेत्र के संरक्षण और विकास में बहुत योगदान दिया।

सूर्यनमस्कारयोग के अस्तित्व के ऐतिहासिक साक्ष्य पूर्व-वैदिक काल (2700 ई.पू.) में देखे गए, और उसके बाद पतंजलि काल तक। मुख्य स्रोत, जिनसे हमें इस अवधि के दौरान योग प्रथाओं और संबंधित साहित्य के बारे में जानकारी मिलती है, वे वेद (4), उपनिषद (108), स्मृति, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, पाणिनि की शिक्षाएँ, महाकाव्य (2), पुराण (18) आदि में उपलब्ध हैं।

मोटे तौर पर, 500 ई.पू. – 800 ई. के बीच की अवधि को शास्त्रीय काल माना जाता है जिसे योग के इतिहास और विकास में सबसे उपजाऊ और प्रमुख अवधि भी माना जाता है। इस अवधि के दौरान, योग सूत्र और भगवद्गीता आदि पर व्यास की टिप्पणियाँ अस्तित्व में आईं। यह अवधि मुख्य रूप से भारत के दो महान धार्मिक शिक्षकों – महावीर और बुद्ध को समर्पित हो सकती है। पाँच महान व्रतों की अवधारणा – महावीर द्वारा पंच महाव्रत – और बुद्ध द्वारा अष्ट मग्गा या आठ गुना मार्ग – को योग साधना की प्रारंभिक प्रकृति के रूप में अच्छी तरह से माना जा सकता है। हम भगवद्गीता में इसकी अधिक स्पष्ट व्याख्या पाते हैं, जिसमें ज्ञान योग, भक्ति योग और कर्म योग की अवधारणा को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया गया है। ये तीन प्रकार के योग आज भी मानव बुद्धि के सर्वोच्च उदाहरण हैं और आज भी लोग गीता में बताए गए तरीकों का पालन करके शांति पाते हैं। पतंजलि के योग सूत्र में योग के विभिन्न पहलुओं को शामिल करने के अलावा, मुख्य रूप से योग के आठ गुना मार्ग के रूप में पहचाना जाता है। व्यास द्वारा योग सूत्र पर बहुत महत्वपूर्ण टिप्पणी भी लिखी गई थी। इसी अवधि के दौरान मन के पहलू को महत्व दिया गया था और इसे योग साधना के माध्यम से स्पष्ट रूप से सामने लाया गया था, मन और शरीर दोनों को समता का अनुभव करने के लिए नियंत्रण में लाया जा सकता है। 800 ई. – 1700 ई. के बीच की अवधि को उत्तर शास्त्रीय काल के रूप में मान्यता दी गई है, जिसमें महान आचार्यत्रय – आदि शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, माधवाचार्य – की शिक्षाएँ इस अवधि के दौरान प्रमुख थीं। इस अवधि के दौरान सूरदास, तुलसीदास, पुरंदरदास, मीराबाई की शिक्षाएँ महान योगदानकर्ता थीं। हठयोग परंपरा के नाथ योगी जैसे मत्स्येन्द्रनाथ, गोरक्षनाथ, चौरंगीनाथ, आत्माराम सूरी, घेरंडा, श्रीनिवास भट्ट कुछ महान व्यक्तित्व हैं जिन्होंने इस अवधि के दौरान हठ योग प्रथाओं को लोकप्रिय बनाया।

सिंधु-सरस्वती घाटी सभ्यता की अनेक मुहरों और जीवाश्म अवशेषों पर योग संबंधी आकृतियां और योगाभ्यास करती आकृतियां भारत में योग की उपस्थिति का संकेत देती हैं।

1700 – 1900 ई. के बीच की अवधि को आधुनिक काल माना जाता है जिसमें महान योगाचार्यों – रमण महर्षि, रामकृष्ण परमहंस, परमहंस योगानंद, विवेकानंद आदि ने राज योग के विकास में योगदान दिया है। यह वह अवधि थी जब वेदांत, भक्ति योग, नाथयोग या हठ-योग का विकास हुआ। गोरक्षशतकम् का षडंग-योग, हठयोगप्रदीपिका का चतुरंग-योग, घेरंडा संहिता का सप्तांग-योग, हठ-योग के मुख्य सिद्धांत थे।

आज के समय में, हर कोई योग के अभ्यास को स्वास्थ्य के संरक्षण, रखरखाव और संवर्धन के लिए अपना रहा है। स्वामी शिवानंद, श्री टी. कृष्णमाचार्य, स्वामी कुवलयानंद, श्री योगेंद्र, स्वामी राम, श्री अरबिंदो, महर्षि महेश योगी, आचार्य राजनीश, पट्टाभिजोई, बी.के.एस. अयंगर, स्वामी सत्यानंद सरस्वती और ऐसे ही अन्य महान व्यक्तित्वों की शिक्षाओं के माध्यम से योग पूरे विश्व में फैल चुका है।

गलतफहमियों को दूर करना

क़ई लोगों के लिए, योग का अभ्यास हठ योग और आसन (मुद्राओं) तक ही सीमित है। हालाँकि, योग सूत्रों में, केवल तीन सूत्र आसनों के लिए समर्पित हैं। मूल रूप से, हठ योग एक प्रारंभिक प्रक्रिया है ताकि शरीर ऊर्जा के उच्च स्तर को बनाए रख सके। प्रक्रिया शरीर से शुरू होती है, फिर सांस, मन और आंतरिक आत्म।

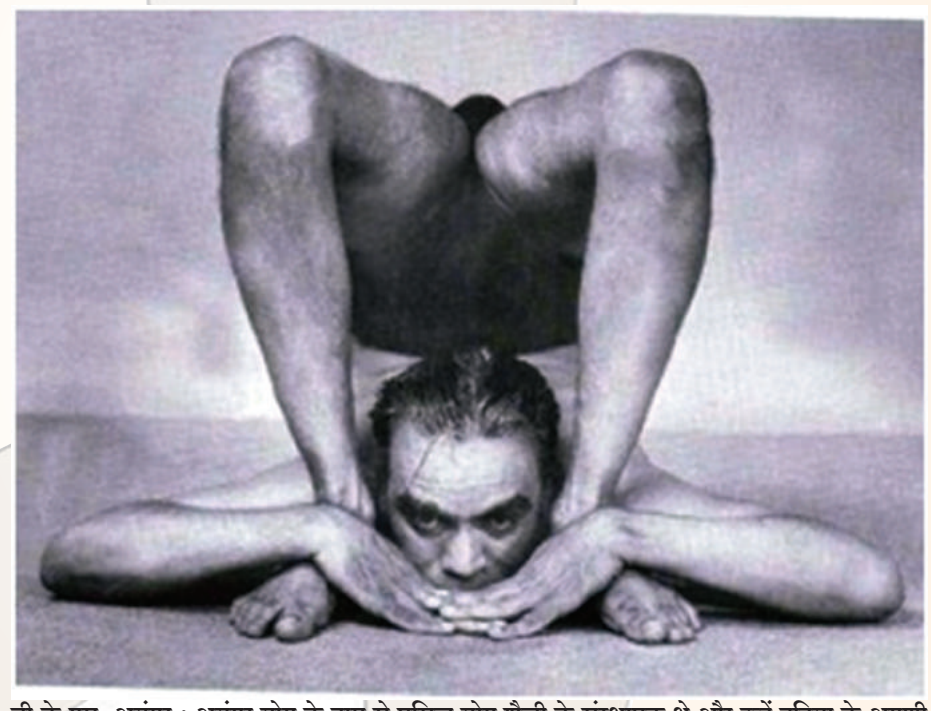

बी.के.एस. अयंगर : अयंगर योग के नाम से प्रसिद्ध योग शैली के संस्थापक थे और उन्हें दुनिया के अग्रणी योग शिक्षकों में से एक माना जाता था।

योग को आमतौर पर स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए एक चिकित्सा या व्यायाम प्रणाली के रूप में भी समझा जाता है। जबकि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य योग के प्राकृतिक परिणाम हैं, योग का लक्ष्य अधिक दूरगामी है। योग ब्रह्मांड के साथ खुद को सामंजस्य बनाने के बारे में है। यह व्यक्तिगत ज्यामिति को ब्रह्मांड के साथ संरेखित करने की तकनीक है, जिससे धारणा और सामंजस्य के उच्चतम स्तर को प्राप्त किया जा सके।

योग किसी विशेष धर्म, विश्वास प्रणाली या समुदाय का पालन नहीं करता है; इसे हमेशा आंतरिक कल्याण की तकनीक के रूप में देखा जाता है। कोई भी व्यक्ति जो भागीदारी के साथ योग का अभ्यास करता है, वह इसके लाभों को प्राप्त कर सकता है, चाहे उसकी आस्था, जातीयता या संस्कृति कुछ भी हो। योग के पारंपरिक स्कूल: योग के ये विभिन्न दर्शन, परंपराएं, वंश और गुरु-शिष्य परंपराएं योग के विभिन्न पारंपरिक स्कूलों के उद्भव का कारण बनती हैं जैसे ज्ञान-योग, भक्ति-योग, कर्म-योग, ध्यान-योग, पतंजलि-योग, कुंडलिनी-योग, हठ-योग, मंत्र-योग, लय-योग, राज-योग, जैन-योग, बौद्ध-योग आदि। प्रत्येक स्कूल के अपने सिद्धांत और अभ्यास हैं जो योग के अंतिम लक्ष्य और उद्देश्यों की ओर ले जाते हैं।

स्वास्थ्य और कल्याण के लिए योगिक अभ्यास: व्यापक रूप से प्रचलित योग साधनाएँ (अभ्यास) हैं ध्यान (मेडिटेशन), समाधि/संयम, बंध और मुद्राएं, षट-कर्म, युक्ता-आहार, युक्ता कर्म, मंत्र जप, आदि। यम संयम हैं और नियम पालन हैं। इन्हें योग साधनाओं के लिए पूर्व-आवश्यकताएं माना जाता है। आसन, शरीर और मन की स्थिरता लाने में सक्षम हैं 'कुर्यात-तद्-आसनं-स्थैर्यम...', विभिन्न शारीरिक (मनोवैज्ञानिक-शारीरिक) पैटर्न को अपनाना है, जो शरीर की स्थिति (किसी के संरचनात्मक अस्तित्व के बारे में एक स्थिर जागरूकता) को काफी लंबे समय तक बनाए रखने की क्षमता प्रदान करता है।

प्राणायाम के विभिन्न आसनप्राणायाम में व्यक्ति की सांस के प्रति जागरूकता विकसित करना और उसके बाद श्वसन को व्यक्ति के अस्तित्व के कार्यात्मक या महत्वपूर्ण आधार के रूप में स्वैच्छिक रूप से विनियमित करना शामिल है। यह व्यक्ति के मन के प्रति जागरूकता विकसित करने और मन पर नियंत्रण स्थापित करने में मदद करता है। प्रारंभिक चरणों में, यह नासिका, मुंह और शरीर के अन्य छिद्रों, इसके आंतरिक और बाह्य मार्गों और गंतव्यों के माध्यम से 'सांस अंदर और बाहर के प्रवाह' (स्वास-प्रवास) के बारे में जागरूकता विकसित करके किया जाता है। बाद में, इस परिघटना को विनियमित, नियंत्रित और निगरानी वाली श्वास (स्वास) के माध्यम से संशोधित किया जाता है, जिससे शरीर के स्थान/स्थानों के भर जाने (पूरक) के बारे में जागरूकता पैदा होती है, स्थान/स्थानों के भरे हुए अवस्था में बने रहने (कुंभक) और विनियमित, नियंत्रित और निगरानी वाली श्वास (प्रवास) के दौरान इसके खाली होने (रेचक) के बारे में जागरूकता पैदा होती है।

प्राणायाम के विभिन्न आसन

प्रत्याहार इंद्रियों से व्यक्ति की चेतना के पृथक्करण (वापसी) को इंगित करता है जो व्यक्ति को बाहरी वस्तुओं से जुड़े रहने में मदद करता है। धारणा ध्यान (शरीर और मन के अंदर) के व्यापक क्षेत्र को इंगित करती है जिसे आमतौर पर एकाग्रता के रूप में समझा जाता है। ध्यान (शरीर और मन के अंदर केंद्रित ध्यान) और समाधि – एकीकरण है।

बंध और मुद्राएं प्राणायाम से जुड़ी प्रथाएं हैं। उन्हें मुख्य रूप से श्वसन पर नियंत्रण के साथ-साथ कुछ शारीरिक (मनोवैज्ञानिक-शारीरिक) पैटर्न को अपनाने पर आधारित उच्च योगिक प्रथाओं के रूप में देखा जाता है। यह मन पर नियंत्रण को और आसान बनाता है और उच्च योगिक उपलब्धि का मार्ग प्रशस्त करता है। षट-कर्म विषहरण प्रक्रियाएं हैं, जो शरीर में जमा विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करती हैं और प्रकृति में नैदानिक हैं।

युक्तहार (सही भोजन और अन्य इनपुट) स्वस्थ जीवन के लिए उचित भोजन और भोजन की आदतों की वकालत करता है। हालाँकि ध्यान (ध्यान) का अभ्यास आत्म-साक्षात्कार में मदद करता है जो पारलौकिकता की ओर ले जाता है जिसे योग साधना (योग का अभ्यास) का सार माना जाता है।

योग साधना के मूल तत्व:

योग व्यक्ति के शरीर, मन, भावना और ऊर्जा के स्तर पर काम करता है। इससे योग के चार व्यापक वर्गीकरण उत्पन्न हुए हैं: कर्म योग, जहां हम शरीर का उपयोग करते हैं; भक्ति योग, जहां हम भावनाओं का उपयोग करते हैं; ज्ञान योग, जहां हम मन और बुद्धि का उपयोग करते हैं; और क्रिया योग, जहां हम ऊर्जा का उपयोग करते हैं।

हम जिस भी योग प्रणाली का अभ्यास करते हैं, वह इनमें से एक या अधिक श्रेणियों के दायरे में आती है। प्रत्येक व्यक्ति इन चार कारकों का एक अनूठा संयोजन है। योग पर सभी प्राचीन टीकाओं ने इस बात पर जोर दिया है कि गुरु के निर्देशन में काम करना आवश्यक है। इसका कारण यह है कि केवल एक गुरु ही चार मूलभूत मार्गों का उचित संयोजन कर सकता है, जैसा कि प्रत्येक साधक के लिए आवश्यक है। योग शिक्षा: परंपरागत रूप से, योग शिक्षा परिवारों में ज्ञानी, अनुभवी और बुद्धिमान व्यक्तियों द्वारा दी जाती थी (पश्चिम में कॉन्वेंट में दी जाने वाली शिक्षा के बराबर) और फिर आश्रमों में ऋषियों (ऋषियों/ मुनियों/ आचार्यों) द्वारा (मठों की तुलना में)। दूसरी ओर, योग शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति, 'अस्तित्व' का ध्यान रखना है। यह माना जाता है कि एक अच्छा, संतुलित, एकीकृत, सच्चा, स्वच्छ, पारदर्शी व्यक्ति स्वयं, परिवार, समाज, राष्ट्र, प्रकृति और मानवता के लिए अधिक उपयोगी होगा। योग शिक्षा 'अस्तित्व उन्मुख' है। 'अस्तित्व उन्मुख' पहलू के साथ काम करने का विवरण विभिन्न जीवित परंपराओं और ग्रंथों में उल्लिखित किया गया है और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में योगदान देने वाली विधि को 'योग' के रूप में जाना जाता है।

वर्तमान समय में, योग शिक्षा कई प्रतिष्ठित योग संस्थानों, योग कॉलेजों, योग विश्वविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में योग विभागों द्वारा प्रदान की जा रही है। प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय और निजी ट्रस्ट और समाज। कई योग क्लीनिक, योग चिकित्सा और प्रशिक्षण केंद्र, योग की निवारक स्वास्थ्य देखभाल इकाइयाँ, योग अनुसंधान केंद्र आदि अस्पतालों, औषधालयों, चिकित्सा संस्थानों और चिकित्सीय सेटअपों में स्थापित किए गए हैं।योग की भूमि भारत में विभिन्न सामाजिक रीति-रिवाज और अनुष्ठान, पारिस्थितिक संतुलन के प्रति प्रेम, अन्य विचारधाराओं के प्रति सहिष्णुता और सभी प्राणियों के प्रति दयालु दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। सभी रंगों और रंगों की योग साधना को सार्थक जीवन और जीवन जीने के लिए रामबाण माना जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों तरह के व्यापक स्वास्थ्य के लिए इसका उन्मुखीकरण इसे सभी धर्मों, जातियों और राष्ट्रीयताओं के लोगों के लिए एक योग्य अभ्यास बनाता है।

निष्कर्ष: आजकल, दुनिया भर में लाखों और लाखों लोग योग के अभ्यास से लाभान्वित हुए हैं जिसे प्राचीन समय से आज तक महान प्रतिष्ठित योग गुरुओं द्वारा संरक्षित और बढ़ावा दिया गया है। योग का अभ्यास फल-फूल रहा है, और हर दिन अधिक जीवंत हो रहा है।

–डॉ. ईश्वर वी. बसवरड्डी
मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के निदेशक
(स्रोत : विदेश मंत्रालय, भारत सरकार)

सोनाक्षी-जहीर की शादी में जरूर शामिल होंगे शत्रुघ्न सिन्हा

ट्रोल्स को चेतावनी देते हुए कहा- खामोश

सोनाक्षी 23 जून को अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि शत्रुघ्न सिन्हा अपनी बेटी से नाराज हैं और वह सोनाक्षी की शादी में शामिल नहीं होंगे। लेकिन अब इन खबरों पर खुद शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और कहा कि उन्हें अपनी बेटी पर गर्व है और वह इस शादी में जरूर शामिल होंगे। शत्रुघ्न सिन्हा के इस बयान के सामने आने के बाद फैंस ने राहत की सांस ली है।

शत्रुघ्न सिन्हा ने रूमर्स पर किया रिएक्ट

एक इंटरव्यू में शत्रुघ्न सिन्हा ने सोनाक्षी की शादी को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने बेटी की शादी पर खुशी जताते हुए शादी में शामिल न होने की सभी अटकलों को खारिज कर दिया। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, मुझे बताओ, वैसे भी ये किसकी लाइफ है? यह मेरी इकलौती बेटी सोनाक्षी की जिंदगी है। सोनाक्षी पर मुझे बहुत गर्व है और मैं उससे बहुत प्यार करता हूं। वह मुझे अपना पिलर ऑफ स्ट्रेंथ कहती है। शत्रुघ्न सिन्हा ने आगे कहा कि मैं यकीकन उसकी शादी में मौजूद रहूंगा। उन्होंने लोगों से सवाल पूछते हुए कहा, मुझे क्यों उसकी शादी में शामिल नहीं होना चाहिए? और मैं क्यों नहीं होना चाहूंगा? उसकी खुशी मेरी खुशी है।

ट्रोल्स पर भड़के शत्रुघ्न सिन्हा

एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा इस दौरान ट्रोल्स पर भड़कते नजर आए। उन्होंने कहा, जो लोग सोनाक्षी की शादी में उनके शामिल ना होने की फर्जी खबरें फैला रहे हैं, वो इस खुशी के मौके पर बहुत निराश लग रहे हैं क्योंकि वह झूठ के अलावा कुछ नहीं फैला रहे हैं। केवल इतना ही नहीं शत्रुघ्न सिन्हा ने ट्रोल्स को अपने सिग्नेचर डायलॉग से खामोश करते हुए कहा कि तुम्हारा इस बात से कोई लेना-देना नहीं है। तुम लोग अपने काम से काम रखो। इसके अलावा शत्रुघ्न सिन्हा ने इंटरव्यू में कहा कि सोनाक्षी को अपना जीवनसाथी चुनने का पूरा अधिकार है और जहीर के साथ उनकी जोड़ी बहुत अच्छी लगती है।

क्रू ने बनाया रिकॉर्ड, बनी 2024 में नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी गई भारतीय फिल्म

इस साल कई फिल्में दर्शकों के बीच आईं, लेकिन क्रू ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाका किया। न सिर्फ भारत में, बल्कि विदेशों में भी फिल्म ने जमकर कमाई की।उधर करीना कपूर, कृति सैनन और तब्बू की तिकड़ी ने भी दर्शकों का दिल जीत लिया।सिनेमाघरों के बाद फिल्म ने ओटीटी पर भी तहलका मचाया और अब यह नेटफ्लिक्स पर 2024 में सबसे ज्यादा देखी गई फिल्म बनकर उभरी है।क्रू ने नेटफ्लिक्स पर फिल्म लापता लेडीज को भी पीछे छोड़ दिया है।इसे 10 जून से 16 जून तक 12 लाख लोगों ने देखा, जिससे 24 दिनों में इसके कुल व्यूज 1 करोड़ 79 लाख हो गए।उधर लापता लेडीज के नेटफ्लिक्स पर शीर्ष 10 में रहने के दौरान 1 करोड़ 71 लाख व्यूज थे। लिहाजा क्रू साल की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय फिल्म बन चुकी है, वहीं लापता लेड़ीज अब दूसरे पायदान पर आ गई है।क्रू ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ से अधिक की कमाई की थी और 8 हफ्ते सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन पूरा करने के

बाद 24 मई को इसका नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर हुआ।अपने प्रीमियर के पहले हफ्ते में फिल्म 54 लाख व्यूज बटोर चुकी थी।कुल मिलाकर क्रू ने न सिर्फ सिनेमाघरों में दर्शकों के बीच अपना जादू चलाया, बल्कि ओटीटी पर भी यह दर्शकों को लुभाने में कामयाब रही।क्रू के निर्देशक राजेश ए कृष्णन हैं। एकता कपूर और रिया कपूर ने मिलकर फिल्म का निर्माण किया है। इसमें कपिल शर्मा और दिलजीत दोसांझ मेहमान भूमिका में हैं। क्रू की कहानी कोहिनूर एयरलाइंस में काम करने वाली 3 एयर होस्टेस गीता सेठी (तब्बू), जैस्मिन राणा (करीना) और दिव्या बाजवा (कृति) के इर्द-गिर्द घूमती है।

फैशन के साथ चलना थकाऊ हो सकता है : मंजरी मिश्रा

एक्ट्रेस मंजरी मिश्रा ने कहा कि फैशन के रुझान के साथ चलना थका देने वाला हो सकता है।गुजराती फिल्म फुलेकू और बॉलीवुड फिल्म रॉकेट गैंग में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने कहा, मेरे लिए फैशन आत्म-अभिव्यक्ति का एक रूप है, जो कपड़ों, एसेसरीज और शैली के माध्यम से व्यक्तित्व और सांस्कृतिक प्रभावों को दिखाने का एक तरीका है।मंजरी ने कहा कि उनके कपड़े बेहद आरामदायक होते हैं, जो उन्हें सहज और आत्मविश्वासी महसूस कराते हैं। उनका मानना है कि फैशन के रुझानों के साथ बने रहना वास्तव में थका देने वाला हो सकता है।

एक्ट्रेस ने कहा, कलाकारों को कुछ हद तक वर्तमान से जुड़े रहने के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों और रेड कार्पेट इवेंट के लिए दबाव महसूस हो सकता है।मंजरी का मानना है कि कुछ लोग कभी-कभी ट्रेंड के मामले में हद से आगे निकल जाते हैं। कई लोग आराम से ज्यादा स्टाइल को प्राथमिकता देते हैं। क्या पहनना है, इसके लिए अवसर, व्यक्तिगत आराम और व्यक्तिगत स्टाइल पर ध्यान देना जरूरी है। इसके अलावा इसमें सांस्कृतिक और सामाजिक मानदंडों का भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है।उन्होंने कहा कि किसी किरदार को अलग फैशन सेंस के साथ दिखाते समय कलाकार को अपनी भूमिका की प्रामाणिकता बनाए रखने और प्रशंसकों के बीच भ्रम से बचने के लिए सार्वजनिक रूप से किरदार के अनुरूप कपड़ों का चुनाव करना चाहिए।

भोजपुरी अदाकारा नेहा मलिक ने ब्लू बिकनी में गिराई बिजली

एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड लुक्स और कातिलाना अदाओं से अक्सर फैंस के बीच छाई हुई रहती हैं। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अदाकारा नेहा मलिक ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. इन तस्वीरों में नेहा मलिक ने ब्लू बिकनी पहनी हुई है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस नजर आ रही हैं. नेहा ने इन तस्वीरों में हल्का मेकअप और खुले बालों के साथ बीच पर पोज देते हुए नजर आईं. उनकी हॉटनेस और स्टाइलिश अवतार ने उनके फैंस का दिल जीत लिया है. नेहा मलिक की ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और उनके फैंस उन्हें खूब पसंद कर रहे हैं.भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड लुक्स से इंटरनेट का पारा हाई करती रहती हैं।उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

एक्ट्रेस नेहा मलिक अपनी एल्बम सॉन्स से ज्यादा बोल्ड लुक्स को लेकर लाइमलाइट बटौरती हैं। उनका बोल्ड अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचा देता है।

इश्क विश्क रिबाउंड से बॉलीवुड में क्यों डेब्यू कर रही हैं, पश्मीना रोशन ने किया खुलासा

सुपरस्टार ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन अपकमिंग रोमांटिक कॉमेडी इश्क विश्क रिबाउंड से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। यह फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि आखिर क्यों उन्होंने इस फिल्म को साइन किया।इस फिल्म को डायरेक्ट निपुण धर्माधिकारी ने किया है।पश्मीना ने बताया कि किस वजह से उन्होंने इस फिल्म को हां कहा। उन्होंने कहा, सबसे पहले, ऐसी आइकोनिक फ्रेंचाइजी के साथ काम करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यह एक रोमांटिक फिल्म है और मेरी पसंदीदा शैली रोमांस और रोमांटिक कॉमेडी है।उन्होंने आगे कहा, यह हमारी जनरेशन के यूथ लव को दिखाता है। इसलिए इस प्रोजेक्ट को करना, कुछ ऐसा है जिससे हम सभी बहुत ज्यादा कनेक्ट होते हैं। भले ही ऐसी चीजें हमारे लाइफ में न हुई हो, जिनसे हमारा कैरेक्टर गुजरा है। लेकिन यह थीम जुड़ाव महसूस कराता है।इसे एक बेहतरीन शुरुआत बताते हुए पश्मीना ने कहा, जैसे-जैसे चीजें आगे बढ़ीं, म्यूजिक आया, हमारे साथ बहुत अच्छा ट्रीट किया गया, हमारा बहुत ख्याल रखा गया... यह मेरा डेब्यू है और मुझे लगता है कि यह एकदम सही है... मेरे लिए सब कुछ सही रहा।पश्मीना ने कहा कि उन्हें कोई...मिल गया के सेट पर सिनेमा के प्रति लगाव अधिक बढ़ा।

पश्मीना ने कहा, मैं और मेरी बहन सुरनिका सेट पर जाते थे, और यह हमारे लिए धरती पर सबसे खुशनुमा जगह हुआ करती थी। हमें ऐसा लगता था कि हमें अब कभी घर वापस जाने के लिए न बोला जाए। यहीं से मैंने सीखा कि मुझे सेट पर रहना अच्छा लगता है। मैंने स्कूल में थिएटर किया था। मेरी एक बहुत अच्छी टीचर मिसेज अमला थीं, जो काम के प्रति इतनी पैशनेट थी कि उन्होंने हममें भी वह पैशन भर दिया। मुझे लगता है कि उस क्लास का हर कोई क्रिएटिव फील्ड में चला गया है, और इसका काफी श्रेय उन्हें जाना चाहिए।उन्होंने कहा, इन दो उदाहरणों से मुझे पता चला कि परफॉर्मिंग आर्ट्स में होना कैसा होता है। मुझे हमेशा लगता था कि मैं किसी और चीज से ज्यादा एक कलाकार हूं और यही बात मुझे सबसे ज्यादा खुशी देती है।पश्मीना ने आगे बताया कि उन्हें अपने बड़े भाई ऋतिक से क्या सलाह मिली है।उन्होंने कहा, एक समय था जब मैं यह तय कर रही थी कि मुझे मार्केटिंग में अपना करियर बनाना चाहिए या नहीं। मैं खुद को लेकर कंफ्यूज थी कि मैं इस फील्ड में रहने के लिए अच्छी हूं या नहीं। उस वक्त, न केवल ऋतिक, बल्कि मेरे परिवार के सभी लोगों ने मुझे सलाह दी कि अगर आप हर दिन अपना मन किसी काम में लगाते हैं और वह काम करते रहते हैं तो आप जो चाहें हासिल कर सकते हैं।उन्होंने कहा, यह एक ऐसी बात है जिसे मैं सिर्फ फिल्मों के लिए ही नहीं, बल्कि जो कुछ भी काम मैं करती हूं, उसके लिए अपनाती हूं। अगर मैं कुछ करना चाहती हूं, तो मैं उसे पूरी लगन से करने की कोशिश करती हूं। मैं अपने गोल तक चलकर या दौड़कर जाऊंगी, अगर मैं दौड़ नहीं सकती, तो मैं रेंगकर जाऊंगी। यही सलाह मुझे दी गई और यही मैंने उन्हें करते देखा है।टिप्स फिल्म्स के तहत रमेश तौरानी और जया तौरानी द्वारा निर्मित इस फिल्म में रोहित सराफ, पश्मीना रोशन, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल नजर आने वाले हैं। यह 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज समय अनुकूल हैं मजबूती से काम को आगे बढाएं सकारात्मक परिणाम देखकर उत्साह में वृद्धि होगी. काम में मन लगेगा और मेहनत के अनुसार परिणाम भी आएगा. इस समय पूरे दिल से किया हुआ कोई भी कार्य परिणाम अवश्य देगा. शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वालों को या शिक्षार्थियों को थोड़ी परेशानी उठानी पड़ सकती है पति पत्नी का आपसी तालमेल गजब का रहेगा बच्चों मे डिसीप्लीन दिखाई देगा । विवाह योग समय अच्छा हैं रिश्ता आगे बढा सकते हैं । शिवमंत्र का जप करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप एक समपन्न व्यक्ति हैं , लोगों की सेवा करना आप धर्म हैं आपके दोस्त आपसे किसी जरूरी काम के लिये मदद मांग सकते हैं. आप भी उनकी पूरी मदद करने की कोशिश करेंगे. पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा. आपका किसी सरकारी काम के लिये चयन हो सकता हैं छात्रों को एक टाइम टेबल के हिसाब से रुपरेखा बनानी चाहिए । आपको सूर्यदेव को लालफूल , लाल चन्दन , चावल से मिश्रित जल चढ़ाना चाहिए . आप का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को प्रत्येक काम बहुत सोच समझकर करने की आवश्यकता हैं जल्दबाजी में कोई काम न करें. पैसों की स्थिति की चिंता करनी होगी. आपका फालतू खर्चा हो सकता है. नौकरी और बिजनेस में किसी बात को लेकर उलझनें बढ़ सकती हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. सेहत को लेकर लापरवाही न करें.
आज आप दोस्तों और परिवार की जरूरतों में फंस सकते हैं. आहार का विशेष ध्यान रखें पेट मे जलन , गैस , मरोड़ जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज छात्रों के लिए जबरदस्त उत्साह वाला दिन हैं सफलता मिलना तय हैं पुरस्कृत होंगे दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा, आपको भविष्य के लिए पैसे जमा करने चाहिए, नहीं तो आगे आप मुश्किल में पड़ सकते हैं. आज सामाजिक प्रसंग में समय देना पडेगा आनंद का एहसास होगा धार्मिक यात्रा का भी योग है. आप थोड़े चंचल रहेंगे. माता का सुख मिल सकता है. आज कार्यस्थल पर तनाव हो सकता हैं विवाद से दूरी बनाए रखें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

पुरानी बातो को छोडकर आगे मिलने वाली सफलताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए किसी भी पुरानी बात को लेकर सहयोगियों से बहस करना उचित नही हैं अत: सावधानी से काम लेकर विवादों को टालें. निजी जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं. बेहतर होगा आप अपने जीवनसाथी की सोच को समझने का प्रयास करें. खान–पान पर भी संयम रखें. तन–मन दोनो तंदरुस्त रहेंगें। बच्चों की पढाई पर ध्यान देना होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

छात्र अगर कोर्स मे फेरबदल करना चाह रहें तो समय अनुकूल हैं आप निर्णय ले सकते हैं पढ़ाई को पूरा इंज्वॉय करेंगे. कठिन विषयों को दूसरे तरीके से समझने की कोशिश करेंगे. आपकी कोशिशें सफल होंगी. अगर आज कारोबार मे आपको कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है. अगर आप घर के किसी फंक्शन के लिये कपड़े खरीदना चाहते हैं, तो आज खरीद सकते हैं. दिन अच्छा रहेगा. परिवार में सब लोग आपसे खुश रहेंगे. आप बच्चों के किसी कार्य में उनकी मदद कर सकते हैं.पीपल मे जलदूध चढाए दीप प्रज्वलित करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

नौकरी और बिजनेस में लाभ की संभावना बन रही है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. विशेष लाभ व उन्नति के लिए आज आपको कुछ ज्यादा ही कोशिशें करनी पड़ सकती है, लेकिन आप सफल भी हो सकते हैं. आपके किए गए काम किस्मत की मदद से पूरे हो सकते हैं. अपनेफायदे की चिंता जरूर करें. दूसरों को नाराज किए बिना चतुराई से काम करें.दाम्पत्य जीवन को सुखी रखने के लिए आज अपना पैसा कही पर इन्वेस्ट करना पड सकता हैं ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप के मित्र आप का कोई काम कर सकते हैं आप चिन्ता मुक्त होंगे नयी जिम्मेदारी भी मिल सकती हैं सेहत के लिए आज का दिन सामान्य रह सकता है. गुस्से का उफ़ान रोक पाना बहुत मुश्किल है लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें. आज परिश्रम की अपेक्षा कम फल मिलेगा फिर भी कार्य के प्रति आप की निष्ठा में कमी नहीं आ पाएगी. नयी प्रॉपर्टी खरीदने की सम्भावना है. आर्थिक समृद्धि तभी संभव है जब आप जीवन में संयम रखने की जरूरत हैं ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नये कारोबारी रिश्ते बनेंगे साझेदारी का काम भी लाभ देगा निवेश का हिसाब से माहौल अनुकूल हैं पूर्व के चले आ रहे प्रेम सम्बन्ध और परिपक्व हो सकते हैं. कुछ जातकों के जीवन में प्रेम आज दस्तक दे सकता है. किसी बात को लेकर पारिवारिक संबंधों में खटास आ सकती है. बच्चे आप को कोई खुशखबरी दे सकते हैं स्वास्थ्य बढीया रहेगा गरीब असहाय व्यक्ति को अन्नदान करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपनी दिनचर्या मे आप को फेरबदल करने की जरुरत है. आहार बहुत ही सोचसमझकर लेना होगा । आपकी सेहत में कुछ गड़बड़ हो सकती है. बिजनेस में कोई फैसला लेने में आपको परेशानी महसूस हो सकती है. कोई दोस्त आपकी मदद कर सकता है. परिवार में स्थिति ठीक रहेगी. पहले से चल रहा कोई विवाद दूर होगा. शिक्षक आप का पूरा सहयोग करेंगे बस छात्रों को अपने एग्जाम पर ध्यान देने की जरूरत है.
कार्तिक स्वामी का मंत्र जप करें परिणाम अच्छे होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज बेरोजगारी दूर होगी आर्थिक तंगी खत्म होगी. इनकम और खर्चा बराबर रहेगा. कार्यस्थल पर ओवरटाइम करना पड सकता हैं और अधिकारियों से सहयोग भी मिलेगा. कार्यक्षेत्र में आप पूरी ताकत से काम निपटा लेंगे. आर्थिक तंगी खत्म हो सकती है. अचानक धन लाभ हो सकता है. अच्छे लोगों की संगति से फायदा हो सकता है. संतान से कोई अच्छी खबर मिल सकती हैं. कोशिशें चालू रखें समस्याएं खुदबखुद सुलझ जांएगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज अपनी वाणी में संयम रखने की जरूरत हैं किसी को भी अपशब्द बोलने से बचें । पड़ोसी से कुछ वाद–विवाद हो सकते हैं,आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक मजबूत हो रहा है. अपनी कंपनी से सम्बंधित कोई अहम फैसला आप को सोच समझकर लेना चाहिए आज नुकसान की सम्भावनाए हैं करियर कार्यक्षेत्र और बिजनेस में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना बन रही है.
शिव स्तोत्र का स्तवन करें लाभ बनेगा।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 21 जून 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रात: 07:33 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा सायं 06:19 तक
योग : शुभ सायं 06:41 तक
करण : वणिज प्रात: 07:33 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक सायं 06:19 तक
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : पूर्णिमा व्रत , मन्वादि तिथि , वट सावित्री व्रत पूर्ण , विश्व योग दिवस , आर्द्रा में रवि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान जल संकट: प्रदेश की प्यास बुझाने वाले बांधों का पानी पी गई गर्मी

हर दिन घट रहा 3.33 एमक्यूएम पानी

राजस्थान,20 जून (एजेंसियां)। जानलेवा गर्मी से बदहाल राजस्थान के लोग अब आसमान पर उम्मीद लगाए बैठे हैं। एक तरफ हीट वेव लगातार झुलसा रही है वहीं दूसरी तरफ मानसून के आने में भी देरी हो रही है। बांधों के पेट रीत चुके हैं। प्रदेश में 691 बांधों में से 530 बांध अब खाली हो चुके हैं।

राजधानी जयपुर सहित कई जिलों की प्यास बुझाने वाले बीसलपुर बांध का जल स्तर बीते 20 दिनों में 356 एमक्यूएम से घटकर 295.82 एमक्यूएम रह गया है। राजस्थान भीषण जल संकट की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है। यहां के बांध तेजी से खाली होते जा रहे हैं। जल्द बारिश नहीं हुई तो यहां जल संकट के हालात बेहद भयावह हो सकते हैं। बीतते हर दिन बांधों के पेट से 3.33 एमक्यूएम पानी घट रहा है।

राजधानी जयपुर सहित कई जिलों को पानी सप्लाई करने वाले बीसलपुर बांध में भी जल स्तर अब 27% ही रह गया है। बीते 20 दिनों में बांध का जल स्तर 10% घट चुका है। खैरतथ, तिजारा, कोटपूतली, नीम का थाना, टोंक, जोधपुर, भीलवाड़ा, ब्यावर, भरतपुर, दौसा में बांध पूरी तरह सूख चुके हैं। स्थिति ये है कि 4.25 एमक्यूएम क्षमता से ज्यादा वाले 283 बांधों में 179 और 4.25 एमक्यूएम क्षमता से कम वाले 408 बांधों में 351 बांध पूरी तरह खाली हो चुके हैं।

ब्यावर के दोनों बांध खाली

यहां नरेन सागर और फूलसागर दो बांध है। इस बार दोनों ही बांध पूरी तरह सूख चुके हैं। पानी की सप्लाई बीसलपुर और भूजल पर निर्भर है। बीसलपुर की स्थिति भी खराब होती जा रही है।

भरतपुर के 6 में से 5 बांध खाली

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर में भी पेयजल की स्थिति विकट है। यहां 6 बांधों में से 5 बांध पूरी तरह खाली हो चुके हैं। सिर्फ बरेठा बांध में 27 प्रतिशत पानी शेष है।

दौसा के 10 बांध खाली

पूर्वी राजस्थान में पेयजल के मामले में सबसे ज्यादा संकट ग्रस्त जिला है। यहां 10 बांध हैं, लेकिन किसी में भी पानी नहीं बचा।

केकड़ी में सभी 8 बांध खाली

अजमेर में आने वाले केकड़ी में 8 बांधों में पेयजल स्टोरेज क्षमता 52 एमक्यूएम है, लेकिन आज की स्थिति में यहां सभी बांधों में पानी पूरी तरह सूख चुका है।

राजस्थान में घोटालेबाजों की खैर नहीं

ईडी ने जल जीवन मिशन मामले में तीसरी गिरफ्तारी की

जयपुर,20 जून (एजेंसियां)। ईडी ने राजस्थान में जल जीवन मिशन में अनियमितता मामले में तीसरी गिरफ्तारी राजधानी जयपुर से की है। महेश मित्तल से पहले पदमचंद जैन और पीयूष जैन की गई थी। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने राजस्थान में जल जीवन मिशन योजना में कथित अनियमितताओं से संबंधित धनशोधन जांच के सिलसिले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गणपति ट्यूबवेल कंपनी के मालिक महेश मित्तल को बुधवार को हिरासत में लिया गया। मित्तल को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 24 जून तक प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया गया।

केंद्रीय एजेंसी ने इस सप्ताह की शुरुआत में श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी के मालिक पदमचंद जैन को गिरफ्तार किया था। केंद्र सरकार की महात्वाकांक्षी जल जीवन मिशन (जेजेएम) योजना का लक्ष्य घरों में नलों के जरिए पेयजल उपलब्ध कराना है और राजस्थान में इस योजना का क्रियान्वयन राज्य का लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) विभाग कर रहा है।

फरवरी में हुई थी पीयूस की गिरफ्तारी

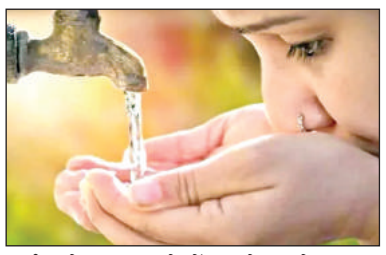

ईडी ने इस मामले में सबसे पहले फरवरी में पीयूष जैन नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। एजेंसी की जांच में पाया गया कि पदमचंद जैन और अन्य लोग अवैध संरक्षण प्राप्त करने, निविदाएं प्राप्त करने, बिल स्वीकृत कराने और पीएचईडी से प्राप्त विभिन्न टेंडर के संबंध में उनके द्वारा निष्पादित कार्यों में अनियमितताओं को छिपाने के लिए लोक सेवकों को रिश्वत देने में शामिल थे।

जल जीवन मिशन घोटाले में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र बांटने और फर्जी आय प्रमाण लेकर फायदा लेने का आरोप है। सितंबर 2023 में एसीबी ने इस मामले में पहली एफआईआर दर्ज कर ली थी। धीरे–धीरे इसमें खुलासा हुआ है। इस घोटाले की कुल कीमत 136 करोड़ रुपये मानी जा रही है। अभी भी ईडी की तलाश जारी है।

भजनलाल सरकार ने सात विश्वविद्यालयों के खिलाफ करवाई जांच

जयपुर,20 जून (एजेंसियां)। फर्जी डिग्री मामले में भजनलाल सरकार ने प्रदेश की सात यूनिवर्सिटीज के खिलाफ जांच बैठा दी है। इस मामले में यूजीसी देश के 15 विश्वविद्यालयों की जांच शुरू की थी, जिसमें तीन राजस्थान की भी थी। हालांकि, यूजीसी की तरफ से यह बयान आया था कि फर्जी डिग्री मामले में राजस्थान सरकार की तरफ से यूजीसी को नाम नहीं भेजे गए। गौरतलब है कि राजस्थान में सरकारी भर्तियों में बड़ी संख्या में प्राइवेट विश्वविद्यालयों की फर्जी डिग्रियां सामने आई हैं।

राजस्थान में आरपीएससी और अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड की तरफ से भी राज्य सरकार को इस मामले में पत्र लिखे गए थे। उच्च शिक्षा विभाग के मुताबिक, जांच के दायरे में चूरू की ओपीजेएस यूनिवर्सिटी, झुंझुनूं की सिंघानिया यूनिवर्सिटी, जयपुर की निर्वाण यूनिवर्सिटी, नीमराना की रैफल्स यूनिवर्सिटी, सिरोही की माधव यूनिवर्सिटी और

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी शामिल है।

यूनिवर्सिटी की जांच के लिए अलग–अलग कमेटी

राज्य सरकार की तरफ से इन प्राइवेट यूनिवर्सिटीज की जांच के लिए अलग–अलग चार सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। यह जांच कमेटी फर्जी डिग्री, बिना मान्यता के कोर्स चलाने के अलावा नियम विरुद्ध पीएचडी कराने वाली शिकायतों की जांच करेगी। इन सात यूनिवर्सिटीज में से रैफल्स यूनिवर्सिटी, माधव यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के जांच के लिए यूजीसी ने राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग को पत्र लिखा है।

पीएचईडी मामलों की जांच के निर्देश

पत्र के जरिए पीएचडी के मामलों की जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। आपको बता दें कि बीते दिनों उच्च शिक्षा विभाग ने एक पब्लिक नोटिस के जरिए छात्र–छात्राओं और अभिभावकों के लिए दिशा–निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों में बताया गया है कि राजस्थान में अब तक 53 निजी विश्वविद्यालय खुल चुके हैं और कई निजी विश्वविद्यालयों पर फर्जी डिग्री बांटने का आरोप लग चुका है, जिनकी जांच प्रक्रिया लंबित है। उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने यह दिशा–निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों में बताया गया है, राजस्थान में एसओजी और पुलिस की तरफ से कई निजी विश्वविद्यालयों के फर्जी डिग्री बांटने का भंडाफोड़ किया जा चुका है। इस मामले में कई लोग गिरफ्तार भी हो चुके हैं। साथ ही आरपीएससी की तरफ से डिग्रियों के जांच सत्यापन में भी फर्जी डिग्री बांटने का भंडाफोड़ हो चुका है।

दाएं की जगह डॉक्टर ने बाएं घुटने का कर दिया ऑपरेशन

डीसी ने सीएमओ को सौंपी जांच

पानीपत,20 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में आयुष्मान योजना के कार्ड से उपचार के दौरान एक निजी अस्पताल की बड़ी लापरवाही सामने आई है। आरोप है कि अस्पताल के चिकित्सक ने पीड़ित राजमिस्त्री के दाएं की बजाए बाएं घुटने का ऑपरेशन कर दिया गया। गलती का अहसास होने के बाद आरोपी चिकित्सक ने मरीज के दाएं गुटने का भी ऑपरेशन कर दिया। अब दोनों घुटनों के ऑपरेशन से राजमिस्त्री अपंग हो गया है। वीरवार को समाधान शिविर में मामला सामने आने के बाद उपायुक्त ने सीएमओ को इसकी जांच सौंपी है।

पानीपत के वैसर गांव निवासी रणबीर वीरवार को जिला सचिवालय में समाधान शिविर में शिकायत लेकर पहुंचे। उन्होंने उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया को दी शिकायत में बताया कि वह राजमिस्त्री का काम करता था। 23 जनवरी 2006 को एक सड़क हादसे में उसकी पत्नी व उसके भाई की मौत हो गई थी। वह तीन लड़कियों और दो बेटों का पिता है।

तीनों बेटी शादीशुदा हैं। उसके एक बेटे को बड़े भाई ने गोद ले रखा है, जबकि दूसरा नशे का आदी है। उसने उसको बेदखल कर दिया है। उसको अब घर में खाना देने वाला भी कोई नहीं था, इसलिए वह अपनी बहन के पास पानीपत के डिकाडला गांव में रहता है। वह अप्रैल में घर में झाड़ू पोंछा करते समय फिसल गया था, जिससे उसके घुटने पर सूजन आ गई थी। उसने निजी अस्पताल के डॉ. सुमित और रघुवीर को दिखाया। उन्होंने घुटने के ऑपरेशन की सलाह दी। इस दौरान उसका एक जानकार शेरा गांव निवासी मनोज मिला। वह एंबुलेंस पर चालक है। उसने उसको ऑस्कर अस्पताल पानीपत में इलाज कराने की सलाह दी। वह उसे 13 मई को ऑस्कर अस्पताल ले आया।

वहां पर डॉ. हर्ष व विवेक पांडे ने उसकी जांच की और दाएं पैर के ऑपरेशन के लिए कहा। उसको उसी दिन अस्पताल में दाखिल कर लिया गया। अगले दिन 14 मई की रात को आयुष्मान योजना के अंतर्गत उसका ऑपरेशन किया गया। जब उसे होश आया तो उसने देखा कि उसका दाहिना पैर तो ऐसे ही था, जबकि बाएं पैर के घुटने का ऑपरेशन कर दिया गया। उसके परिवार के सदस्य भी हैरान हो गए। उन्होंने डॉक्टर को बुला ऑपरेशन गलत करने की बात बताई।

डॉक्टरों ने अपनी गलती मानी और उन्होंने दाहिने पैर का भी ऑपरेशन करने की बात कही। परिजनों ने इसका खर्च उठाने के बारे में कहा तो डॉक्टरों ने खर्च कि चिंता न करने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि अगर वह ठीक नहीं हुआ तो उसे घर बैठे पूरा खर्च दिया जाएगा। इसके एक घंटे बाद उसके दाएं पैर का भी ऑपरेशन कर दिया गया। उसको पांच जून को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, लेकिन अब वह न तो चल पाता है और न ही कोई काम कर पाता है। वह पैरों से अपंग हो चुका है।

वैसर निवासी रणबीर के घुटनों का अस्पताल में इलाज किया गया था। मरीज ने दाहिने घुटने की रिपोर्ट दिखाई थी और साथ ही बाएं घुटने में भी लचक आने की समस्या रखी थी। उन्होंने अपने परिवार की स्थिति की भी दुहाई दी थी। चिकित्सकों ने उनकी और उनके परिजनों से परमिशन लेकर दोनों घुटनों को रिपेयर किया था। इलाज के बाद चलने फिरने की वीडियो भी बनाई गई है। वह अस्पताल से स्वस्थ होकर गया था। उनकी ओर से अगर किसी प्रकार के आरोप हैं तो विभागीय जांच में सामने आ जाएगा।

करौली में मूक बधिर नाबालिग की मौत की सीबीआई जांच की मांग

पुलिस पर निष्पक्ष जांच न करने का आरोप

करौली,20 जून (एजेंसियां)। करौली जिले के हिंडौन में 10 साल की मूक बधिर बालिका के जलने और उपचार के दौरान मौत मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। जिला कलेक्ट्रेट के बाहर विरोध प्रदर्शन कर सड़क पर धरना दिया और मामले की सीबीआई से जांच की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और युवाओं ने विरोध प्रदर्शन कर मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई से कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाते हुए बताया कि मामले में पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच नहीं की गई। ऐसे में मामले की जांच सीबीआई से कराया जाना चाहिए। इससे पूर्व राजकीय पीजी महाविद्यालय के पीछे आक्रोश सभा का आयोजन हुआ। आक्रोश सभा में करौली–धौलपुर के नव निर्वाचित सांसद भजनलाल जाटव हिंडौन विधायक अनीता जाटव सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने पुलिस पर निष्पक्ष जांच नहीं करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मामले की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए और दोषियों की गिरफ्तारी की जाए।

आपको बता दें कि 10 वर्षीय बालिका डिंपल मीणा नौ मई को हिंडौन नई मंडी थाना क्षेत्र से गुजरने वाली रेलवे लाइन के पास जली हुई अवस्था में मिली थी। बालिका को उपचार के लिए हिंडौन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां से उसे गंभीर अवस्था में जयपुर रेफर कर दिया। बालिका की उपचार के दौरान जयपुर में मौत हो गई। मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी ने मामले का खुलासा करते हुए मूक बधिर बालिका को उपचार के दौरान कीटनाशक देने, घटना के तथ्यों को छुपाने और पुलिस को भ्रमित करने के मामले में बालिका के मामा और माता–पिता को गिरफ्तार किया है।

40 हजार रिश्वत लेते महिला हवलदार गिरफ्तार, छेड़छाड़ के केस से नाम हटाने की एवज में की मांग

हिसार,20 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने छेड़छाड़ के एक मामले में आरोपी का नाम हटाने की एवज में 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए अर्बन एस्टेट थाना में कार्यरत महिला हवलदार सुमित्रा को जिंदल पार्क से गिरफ्तार किया है। टीम ने नरवाना निवासी विरेंद्र की शिकायत पर महिला हवलदार सुमित्रा और अर्बन एस्टेट थाना के मुंशी के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने मुंशी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी तो वह थाने से फरार हो गया।

एंटी करप्शन ब्यूरो को शिकायत देने वाले जींद जिला निवासी विरेंद्र ने बताया कि उसके दोस्त का अपनी पत्नी के साथ मनमुटाव चल रहा है। दोस्त के कहने पर उसकी पत्नी के साथ बातचीत की और उसको घर बसाने को बोला। बाद में उसकी पत्नी ने अर्बन एस्टेट पुलिस थाना में मेरे खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज करवा दिया।

केस दर्ज होने के बाद 13 जून को अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने महिला हवलदार सुमित्रा का फोन आया। उसने

कहा कि तुम्हारे खिलाफ केस दर्ज हुआ है। इसलिए थाने में आना होगा। थाने गया तो वहां पर पुलिसकर्मी सुमित्रा मिली। महिला पुलिस कर्मी मुंशी के कमरे में ले गई। मुंशी ने कहा कि केस से नाम कटवाना है तो 50 हजार रुपये देने होंगे।

महिला पुलिस कर्मी ने कहा कि 40 हजार में काम बन जाएगा। उसके बाद वहां से घर आ गया। बुधवार को महिला पुलिस कर्मी ने फोन कर 40 हजार रुपये लेकर आने की बात कही। महिला कर्मी को कहा कि अभी मेरे पास इतने रुपये नहीं है गुरुवार को रुपये लेकर आ जाऊंगा। एंटी करप्शन ब्यूरो के पुलिस अधीक्षक ने कैथल के इंस्पेक्टर महेंद्र के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम ने शिकायतकर्ता को पाउडर लगे हुए 500–500 के नोट दे दिए, जो कि 40 हजार रुपये थे। नागरिक अस्पताल के डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. तरुण को राजपत्रिक अधिकारी नियुक्त किया। महिला पुलिस कर्मी सुमित्रा ने शिकायतकर्ता को रुपये लेकर जिंदल पार्क में बुलाया। जब शिकायतकर्ता ने महिला कर्मी को रुपये दिए तो एंटी करप्शन टीम ने उसे रंगेहाथों पकड़ लिया।

शुभ लाभ DAILY हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

उपमुख्यमंत्री ने तेजस्वी को घेरा, पूछा–

यादवेंदु से क्या संबंध है, स्पष्ट करें नेता प्रतिपक्ष

पटना (एजेंसियां)।
नीट यूजी पेपरलीक केस में सियासत गरमाने लगी है। फिर से उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने तेजस्वी यादव और राष्ट्रीय जनता दल पर हमला बोला है। गुरुवार दोपहर पत्रकारों के सामने उन्होंने कुछ कॉल डिटेल्स दिखाए और तेजस्वी यादव को घेरने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि पेपरलीक केस में गिरफ्तार हुए सिकंदर प्रसाद यादवेंदु का तेजस्वी और लालू यादव से क्या संबंध है? यह उन्हें स्पष्ट करना चाहिए। विजय सिन्हा ने कहा कि एक मई को तेजस्वी यादव के आप्त सचिव प्रीतम कुमार के मोबाइल से रात्रि नौ बजकर सात मिनट में पथ निर्माण विभाग में कार्यरत प्रदीप कुमार के मोबाइल पर एनएचएआई के गेस्ट हाउस में सिकंदर प्रसाद याजवेंदु के कमरे की बुकिंग के लिए फोन आया था। उस दिन प्रदीप ने संज्ञान नहीं लिया। चार मई की सुबह प्रीतम कुमार के मोबाइल पर फिर प्रदीप कुमार को कॉल किया गया। फिर से सिकंदर के नाम से कमरे की बुकिंग की बात की गई।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा का कहना है कि तेजस्वी यादव को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या प्रीतम कुमार अभी भी उनके पीएस हैं और उन्हें यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि सिकंदर प्रसाद यादवेंदु कौन हैं? जब लालू प्रसाद यादव रांची में जेल गए थे, तब सिकंदर प्रसाद यादवेंदु हुआ करते थे। लालू की सेवा में वह रहते थे। सिकंदर सिंचाई विभाग में जेई थे। विजय सिन्हा ने आरोप लगाया कि वह लोगों के भविष्य के साथ खेलते हैं जब वे सत्ता में होते हैं तो घोटाले करते हैं और नियुक्ति प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेजस्वी के पीएस प्रीतम के कहने पर ही पेपर लीक मामले में शामिल एक कैंडिडेट्स के लिए एनएचएआई के गेस्ट हाउस का दरवाजा खुला था। प्रीतम ने सिकंदर प्रसाद यादवेंदु (दानापुर नगर परिषद जूनियर इंजीनियर) के परिजनों के नाम से गेस्ट हाउस के रूम बुक करवाया था। वहां ठहरे छात्र अनुराग यादव के नाम के आगे ब्रैकेट में मंत्री लिखा हुआ था। विजय सिन्हा ने दावा किया कि सॉल्वर गैंग के तार राजद से जुड़े हुए हैं।

सीएम नीतीश कुमार ने खरीफ महाभियान-2024 का किया शुभारंभ

किसान जागरूकता वाहनों को दिखाई हरी झंडी

पटना (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 01 अणे मार्ग से खरीफ महाभियान-2024 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खरीफ महाभियान-2024 के तहत सभी जिलों के लिए किसान जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया जाय। इन किसान जागरूकता वाहन के माध्यम से किसानों को खरीफ फसलों की तकनीकी जानकारी एवं खरीफ मौसम में कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

साथ ही खरीफ में अनुदानित दर पर उपादान वितरण की जानकारी, फसल अवशेष प्रबंधन के प्रति जागरूकता, जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यक्रम से संबंधित जानकारी, जैविक खेती के लिए प्रोत्साहन, फसल विविधिकरण पर विशेष जानकारी, चतुर्थ कृषि रोड मैप के विभिन्न आयामों की जानकारी सहित अन्य कार्यक्रमों का भी प्रचार-प्रसार कर किसानों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत में कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, कृषि मंत्री मंगल पाण्डे, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा, विकास आयुक्त चैतन्य प्रसाद, कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीतामढ़ी में बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या, पुलिस तलाश में जुटी

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।
सीतामढ़ी जिले के महिंद्रावाडा में एक भाजपा नेता की बीती रात जमीनी विवाद में गोली मारकर हत्या कर दिया गया है। घटना जिले के महिंदवारा थाना क्षेत्र के मौना गांव की है। जहां बुधवार की रात अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मौना गांव निवासी भरत साह के करीब 35 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार साह के रूप में की गयी है।

बताया जाता है कि राजेश भाजपा युवा मोर्चा के कोआही मंडल का पूर्व में अध्यक्ष रह चुका है। फिलहाल वह अपने दरवाजे पर ही सीएसपी व कैफे का संचालन करता था। बुधवार की रात वह अपने दरवाजे पर ही कैफे में बैठा हुआ था, इसी बीच बाइक सवार तीन सशस्त्र अज्ञात अपराधकर्मी वहां पहुंचे तथा राजेश के उपर गोली चला दी।

गोली चलने की आवाज सुनकर आस पड़ोस के लोग दौर पड़े। लोगों को आते देख अपराधकर्मी बाइक पर सवार हो फरार हो गये। जख्मी राजेश को परिजनों ने आनन फानन में एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर में भर्ती कराया, जहां इलाज के क्रम उसने दम तोड़ दिया।

ग्रामीणों की मानें तो राजेश के परिवार का मुजफ्फरपुर जिला के मीनापुर थाना क्षेत्र के सलेमापुर गांव निवासी राधामोहन राय से पूर्व से जमीनी विवाद चल रहा है। करीब एक सप्ताह पूर्व भी दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई थी। प्रभारी थानाध्यक्ष यादवेन्दु कुमार सिंह ने घटना के पीछे जमीनी विवाद होने की आशंका जताते हुये कहा कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है सरकार: प्रधान

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।
केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को कहा कि सरकार विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है, विद्यार्थियों का हित हमारी प्राथमिकता है और उसके साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होगा।

श्री प्रधान ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की परीक्षा के साथ किसी तरह का समझौता नहीं होगा। परीक्षा को त्रुटि रहित बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित की जाएगी, जो इसको और बेहतर बनाने के लिए सुझाव देगी। समिति से एनटीए की संरचना, कार्यप्रणाली, परीक्षा प्रक्रिया, पारदर्शिता और डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल को और बेहतर बनाने के लिए सिफारिशें अपेक्षित रहेंगी।

उन्होंने कहा, मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पारदर्शिता के साथ हम कोई समझौता नहीं करेंगे। विद्यार्थियों का हित हमारी प्राथमिकता है और किसी भी कीमत पर उसके साथ समझौता कि नीट परीक्षा के संबंध में हम बिहार सरकार के लगातार संपर्क में हैं और पटना से हमारे पास कुछ जानकारी भी आ रही है। आज भी कुछ चर्चा हुई है। पटना पुलिस के पास कुछ जानकारी आई जो सबसे सामने भी है।

विस्तृत रिपोर्ट जल्द केंद्र सरकार को भेजेंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि पुख्ता जानकारी आने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एनटीए हो या एनटीए में कोई भी व्यक्ति हो दोषी के खिलाफ बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने विद्यार्थियों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील करते हुए कहा, विद्यार्थी हमारे देश का भविष्य हैं। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि इस संवेदनशील मुद्दे पर किसी तरह की अफवाह न फैलाई जाए। सारी चीजों को राजनीति के नजरिए से न देखा जाए। मैं सभी से सहयोग की कामना करता हूं।

ग्रेस मार्क (कृपांक) पाने वाले विद्यार्थियों की परीक्षा फिर से करवाने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने परीक्षा की तिथि तय की है। सारा मामला शीर्ष अदालत के संज्ञान में है। न्यायालय जो भी आदेश देगा, हम उसका पालन करेंगे। उन्होंने यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द करने के मुद्दे पर कहा कि इसका प्रश्नपत्र डार्क नेट पर लीक हो गया था, जिसके बाद सरकार ने परीक्षा को रद्द करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि यूजीसी-नेट के मूल प्रश्न पत्र डार्क नेट पर मौजूद पेपर से मेल खा रहा था।

पटना सहित कई जिलों में बारिश की हो चुकी शुरुआत, मानसूनी राहत आज से मिलेगी

पटना (एजेंसियां)।
बिहार के कई इलाकों में गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। पटना, सीवान, भोजपुर, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, सुपौल, सहरसा, मधुबनी, खगड़िया, छपरा समेत कई इलाकों में हुई बारिश के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। आज मौसम विभाग ने 19 जिलों में झमाझम बारिश के आसार जताए हैं। इन जिलों में पटना, कटिहार, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, भोजपुर, बक्सर, रोहतास शामिल हैं। मौसम विभाग ने कहा कि सारण, मुजफ्फरपुर, नवादा, शेखपुरा, दरभंगा, सुपौल, अररिया, पूर्णिया और किशनगंज में भारी बारिश हो सकती है। इसके लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों के कुछ स्थानों पर तेज हवा, मेघ गर्जन के आसार हैं। इसकी गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से रहने का पूर्वानुमान है।

मौसम विभाग का मानना है कि दक्षिण पश्चिम भाग के बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल, दक्षिण मध्य भाग के पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय लखीसराय, जहानाबाद के एक दो स्थान पर गर्म दिन रहने के आसार हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के 18 जिलों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किए गए। उन जिला के नाम इस प्रकार हैं। पटना 41.4, अरवल 41.1, राजगीर 41.2, मुंगेर 40.8, मुजफ्फरपुर 40.6, जमुई 40.5, बिक्रमगंज 40.4, बांका 40.2, औरंगाबाद 42.8, गोपालगंज 42.5, भोजपुर 42.5 बक्सर 42.3, डेहरी 42.2, जीरादेई 42.2, शेखपुर 41.8, गया 41.7, छपरा 41.2, नवादा 41.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए। इसके अलावा भागलपुर 39.0, पूर्णिया 33.4, बाल्मीकिनगर 37.0,दरभंगा 36.4, सुपौल 33.4, फारबिसगंज 26.6, मधुबनी 36.1, मोतिहारी 38.4, बेगूसराय 37.8, कटिहार 35.7, अररिया 28.7 और बिक्रमगंज 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए।

पिछले 24 घंटो के दौरान राज्य के किशनगंज जिले के एक या दो स्थानों में भारी वर्षा दर्ज की गई एवं राज्य के शेष भागों में एक या दो स्थानों पर हल्के से मध्यम स्तर की बरसात दर्ज की गई। वर्षा का विवरण इस प्रकार है। किशनगंज जिले के ठाकुरगंज 201.6 मिलीमीटर, कोटिया 192.4, तेरागांछ 185.5 मिलीमीटर, बहादुरगंज 104.2 मिलीमीटर, किशनगंज शहरी क्षेत्र में 103 मिलीमीटर एवं चारगड़ियां 70 मिलीमीटर। भीषण उष्ण लहर छपरा, शेखपूरा,बक्सर, भोजपुर, औरंगाबाद, नवादा, नालंदा, अरवल, सीवान, जमुई एवं वैशाली में जबकि उष्ण लहर पटना, गया, गोपालगंज, डेहरी, बांका एवं रोहतास में दर्ज किया गया।

आज के न्यूमेरिक मॉडल के अनुसार अगले दो से तीन दिनों के दौरान बिहार के कुछ भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ाने की परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई है। अगले 24 घंटो के दौरान बिहार के उत्तर पूर्व भाग के कुछ स्थानों एवं शेष बिहार के एक या दो स्थान पर गरज, चमक एवं तेज हवा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा के साथ हल्के से मध्यम स्तर की वर्षा का पूर्वानुमान है । दक्षिण पश्चिम बिहार के कुछ जिला एवं पटना, सारण में अगले 24 घंटे के दौरान उष्ण लहर, दक्षिण मध्य के जिलों में उष्ण एवं आर्द्र दिवस की संभावना है।

सीएम नीतीश कुमार के करीबी सांसद के खिलाफ परिवाद दायर

एक समाज की छवि धूमिल करने का आरोप

पटना (एजेंसियां)।
मुस्लिम, यादव और कुशवाहा जाति के लोगों का काम नहीं करने वाला बयान देने वाले जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर की मुश्किलें बढ़ सकती है। सीएम नीतीश कुमार के करीबी सांसद पर मुजफ्फरपुर की सीजेएम कोर्ट में खिलाफ परिवाद दायर हो गया है। इतना ही नहीं कोर्ट ने इस मामले में आगामी दो जुलाई को सुनवाई की तिथि भी मुकर्रर किया गया है। मामले की जानकारी अधिवक्ता हरिओम कुमार ने दिया है।

परिवादी दिलीप कुमार कुशवाहा ने बताया है कि बीते दिनों सीतामढ़ी जिला के डुमरा और परिहार में सांसद देवेश चंद्र ठाकुर द्वारा जाति को लेकर टिप्पणी की गई थी। इसमें वोट नहीं देने पर काम नहीं करने की बात कही थी। इसके बाद कुशवाहा समाज के लोगों पर भी टिप्पणी करते हुए लालू यादव के पास चले जाने की बात कही थी। इसको लेकर के हमारे समाज की छवि धूमिल हुई। इससे आहत होकर यह परिवार दायर कराया है। कोर्ट से अपील है कि वह इस मामले को गंभीरता से लें और उचित कार्रवाई करें।

बता दें कि हाल में जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा था कि वह अब कुशवाहा, यादव और मुसलमानों के लिए कोई काम नहीं करेंगे। यादव और मुसलमान समाज के लोग कोई काम करवाने आते हैं तो जरूर आएं लेकिन चाय नाश्ता कर वापस चले जाएं। सीएम नीतीश कुमार के करीबी सांसद यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि जब यादव और मुसलमान वोट डालते समय तीर के निशान में पीएम नरेंद्र मोदी का चेहरा देखते हैं तो मैं आपके लिए काम करते हुए लालू और लालटेन का चेहरा क्यों न देखूं। आपलोग मेरे यहां जरूर आइए। चाय पीजिए, मिठाई भी खाइए लेकिन काम की बात मत कीजिए। यह बात मैं पहली बार कह रहा हूं और अब मैं यही करुंगा।

पूर्णिया विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह : राज्यपाल राजेन्द्र आर्लेकर बोले–

हमारा अनुशासन ही कराता है हमारी पहचान

पूर्णिया (एजेंसियां)।
पूर्णिया विश्वविद्यालय के कुलपति राजनाथ यादव ने राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर को शॉल पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। राष्ट्रगान के बाद दीप प्रज्जवलित कर समारोह की विधिवत शुरुआत हुई। राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर के साथ गुजरात विश्वविद्यालय के कुलपति रामाशंकर दूबे भी समारोह में शरीक होने पहुंचे। दीक्षांत समारोह में पीजी सत्र 2018-20, 2019-21, 2020-22 और 2021-23 के 80 टॉपरों को गोल्ड मेडल देकर समानित किया गया।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा शिक्षा का अर्थ जीवन में अनुशासन और विनम्रता लाना है। शिक्षा का उपयोग किस प्रकार समाज हित और देशहित में करना है। बगैर इन मूल्यों के हमारी डिग्री और परीक्षा में आने वाला प्रतिशत का कोई अर्थ नहीं। डिग्री या प्रतिशत किसी के माथे पर लिखी नहीं रहती। हमारी विनम्रता और अनुशासन ही हमारी पहचान कराता है। आज पूर्णिया विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह है। मैं और यहां मौजूद करीब 2 हजार छात्र इस दीक्षांत समारोह के साक्षी बने, ये हम सभी के लिए बेहद गर्व की बात है। समारोह में कुलपति राजनाथ यादव, उपकुलपति, कुलसचिव, प्रॉक्टर, प्रोफेसर समेत 57 सीनेट सदस्य और 11 सिंडिकेट सदस्य मौजूद हैं।

एक ही परिवार के तीन महिलाओं की संदिग्ध मौत

बंद घर में पाया गया मां और दो बेटियों का शव

नवादा (एजेंसियां)।
नवादा में एक ही परिवार के तीन महिलाओं की संदिग्ध मौत हो गई। संदिग्ध मौत के बाद इलाके में हड़कंप है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि भलुआही बाजार में सेवानिवृत्त इंजीनियर स्व. नियाज अहमद का घर है। उसमें उनकी पत्नी आमना खातून (उम्र-करीब 85 वर्ष) अपनी दो बेटियों शिक्षिका शबाना खान (उम्र-करीब 55 वर्ष) एवं मंजू खातून (उम्र-करीब 56 वर्ष) के साथ रहती थी। तीनों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। तीनों शव घर के अंदर ही कमरे में पाया गया है।

मौत कैसे हुई और क्या वजह रही, इस बावत पुलिस का अधिकारिक पक्ष आना बाकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार शव को देखने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि मौत दो दिनों पूर्व ही हुई है। आस-पास लोगों का ध्यान इस ओर तब गया जब घर के अंदर से दुर्गंध आने लगी। स्थानीय लोगों द्वारा घर से दुर्गंध आने की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की है। एसडीपीओ पकरीबरावां महेश चौधरी भी घटनास्थल पर पहुंचे हैं।

फिलहाल, पुलिस इस मामले में कुछ भी बताने से परहेज कर रही है। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। आम लोगों को घर जाने से रोक दिया गया है। बता दें कि मृतकों में एक शाबाना खातून पेशे से शिक्षिका थी। वह कौआकोल प्रखंड के केवाली पंचायत की उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमा में पदस्थापित थीं।

घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं है। यह बात भी सामने आ रही है कि दोनों बहनें अविवाहित थी। मां के साथ घर में रहा करती थी। दबी जुबान से कुछ लोग बता रहे हैं कि उनकी संपत्ति पर किसी रिश्तेदार की नजर थी। कुछ दिनों पूर्व ही 17-18 लाख रुपए का जमीन बेची थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी को लेकर किसी ने साजिशन हत्या की है। वैसे, पुलिस के जांच में ही साफ हो सकेगा की मामला हत्या का है या आत्महत्या का या फिर कोई और वजह थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com